नई दिल्ली । शनिवार, 23 मई, 2026
ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष अष्टमी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :137 / मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक
नई दिल्ली संस्करण
विश्व केसरी
सिर्फ पत्रकारिता...
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल ईस्ट बंगाल ने खत्म किया 22 साल का सूखा...
@ विचार कॉकरोच से क्रांति तक डिजिटल युक में लोकतांत्रित...
@ व्यापार रुपए में मजबूती के चलते भारतीय शेयर बाजार हरे ...

सक्षिप्त खबर

पीएम को झालमुड़ी खिलाने वाले को पाकिस्तान-बांग्लादेश से धमकियां

नई दिल्ली । पीएम मोदी को पश्चिम बंगाल में झालमुड़ी खिलाने वाले दुकानदार को जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। यह जानकारी दुकानदार बिक्रम कुमार ने शुक्रवार को दी। उसने बताया, 'पाकिस्तान और बांग्लादेश से फोन कॉल आ रहे हैं। कॉल करने वाले लोग उनकी दुकान उड़ाने की धमकी दे रहे हैं। बिक्रम ने बताया कि एक वीडियो कॉल में कुछ लोग उन्हें हथियार भी दिखा रहे थे। इसके चलते वे और उनका परिवार काफी तनाव में है। मोदी ने 20 अप्रैल को चुनाव प्रचार के दौरान झाड़ग्राम में चुनावी रैली की थी। रोड शो के दौरान उन्होंने बिक्रम की दुकान से झालमुड़ी खरीदकर खाई थी। पीएम ने बिक्रम से हुई इस मुलाकात का करीब 40 सेकेंड का वीडियो और फोटोज अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर की थीं।

भारत का नया बड़ा तेल स्रोत

वेनेजुएला तीसरा सबसे बड़ा तेल सप्लायर बना

एजेंसी ■ नई दिल्ली

होर्मुज स्ट्रेट बंद होने के बाद वैश्विक तेल बाजार में उथल-पुथल मच गई है। ऐसे वक्त में जब मिडिल ईस्ट के देशों की तेल सप्लाई पर असर पड़ा, तब वेनेजुएला अचानक भारत का तीसरा सबसे बड़ा कच्चा तेल सप्लायर बनकर उभरा है।

एनर्जी ट्रैक करने वाली एजेंसी केप्लर के डेटा के मुताबिक, वेनेजुएला ने मई 2026 में सऊदी अरब और अमेरिका दोनों को पीछे छोड़ दिया है। अभी केवल रूस और श्व ने ही वेनेजुएला से ज्यादा तेल सप्लाई किया है। रिपोर्ट के मुताबिक इस महीने भारत को वेनेजुएला से होने वाली तेल सप्लाई अप्रैल के मुकाबले करीब 50 फीसदी बढ़ गई है। अमेरिका ने जनवरी में वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़ने के बाद वहां के तेल निर्यात पर कुछ ढील दी थी। उसी के बाद अप्रैल से भारत में फिर से वेनेजुएला का तेल आना शुरू हुआ।

9 महीने बाद भारत ने तेल खरीदना शुरू किया

केप्लर के मुताबिक, मई में अब तक भारत ने वेनेजुएला से करीब 4.17 लाख बैरल प्रतिदिन कच्चा तेल खरीदा है। अप्रैल में यह आंकड़ा 2.83 लाख बैरल प्रतिदिन था, जबकि उससे पहले लगातार 9 महीने तक भारत ने वेनेजुएला से कोई तेल नहीं खरीदा था। इस बढ़ोतरी की सबसे बड़ी वजह दो हैं। पहली- मिडिल ईस्ट में युद्ध और होर्मुज स्ट्रेट संकट की वजह से सप्लाई प्रभावित हुई है। दूसरी- वेनेजुएला का भारी और हाई-सल्फर वाला कच्चा तेल सस्ता पड़ रहा है। रिलायंस जैसी भारतीय रिफाइनरियां इसे प्रोसेस करने में सक्षम हैं, इसलिए उन्होंने खरीद बढ़ा दी। केपलर के एनालिस्ट निखिल दुबे के मुताबिक भारतीय रिफाइनर लंबे समय से वेनेजुएला के तेल में दिलचस्पी दिखाते रहे हैं, क्योंकि यह सस्ता है और भारत के रिफाइनिंग सिस्टम के अनुकूल है। खास तौर पर गुजरात में रिलायंस की रिफाइनरी भारी तेल के लिए काफी अच्छी मानी जाती है। उनके मुताबिक भारत की ज्यादातर रिफाइनरियां वेनेजुएलाई तेल सीमित मात्रा में ही प्रोसेस कर सकती हैं, लेकिन रिलायंस के पास ऐसी तकनीक है, जिससे उसे सबसे ज्यादा फायदा हो रहा है। वेनेजुएला के मोनागास राज्य के मोरिचाल इलाके में ओरिनोको बेल्ट स्थित पीडीवीएसए के तेल कुएं पर काम करते ड्रिलिंग रिग्स। यह इलाका दुनिया के सबसे बड़े तेल भंडारों में गिना जाता है। वेनेजुएला के मोनागास राज्य के मोरिचाल इलाके में ओरिनोको बेल्ट स्थित पीडीवीएसए के तेल कुएं पर काम करते ड्रिलिंग रिग्स। यह इलाका दुनिया के सबसे बड़े तेल भंडारों में गिना जाता है।

सऊदी अरब ने तेल की कीमत बढ़ाई

भारत का कुल कच्चा तेल आयात मई में बढ़कर 49 लाख बैरल प्रतिदिन हो गया है, जो अप्रैल से 8% ज्यादा है। लेकिन यह अभी भी फरवरी के 52 लाख बैरल प्रतिदिन के स्तर से नीचे है। फरवरी के बाद ईरान युद्ध और होर्मुज संकट ने पश्चिम एशिया से तेल सप्लाई को प्रभावित किया।

ईरान से भारत को अप्रैल में 7 साल बाद फिर तेल मिला था, क्योंकि अमेरिकी प्रतिबंधों में ढील दी गई थी। लेकिन मई में अब तक ईरानी तेल नहीं पहुंचा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी की वजह से ईरान के बंदरगाहों से सप्लाई रुक गई। इराक से कुछ सप्लाई दोबारा शुरू हुई है, लेकिन वह भी फरवरी के मुकाबले बहुत कम है। मई में अब तक भारत को इराक से सिर्फ करीब 51 हजार बैरल प्रतिदिन तेल मिला।

भारत और साइप्रस ने वैश्विक व्यापार, कनेक्टिविटी को नया आकार देने में आईएमईसी की क्षमता पर की चर्चा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस ने शुक्रवार को नई दिल्ली में अपनी मीटिंग के दौरान भारत-मिडिल ईस्ट-यूरोप आर्थिक गलियारा (आईएमईसी) पर चर्चा की। उन्होंने माना कि इस पहल में वैश्विक व्यापार, कनेक्टिविटी और खुशहाली को नया रूप देने और बढ़ावा देने की काबिलियत है।

शुक्रवार को नई दिल्ली में साइप्रस के राष्ट्रपति के भारत के चल रहे राजकीय दौरे पर एक स्पेशल ब्रीफिंग में विदेश मंत्रालय के सचिव (पश्चिम), सिबी जॉर्ज ने कनेक्टिविटी को यूरोपीय संघ (ईयू) और साइप्रस के साथ भारत के जुड़ाव का एक 'जरूरी पहलू' बताया। उन्होंने बताया कि दोनों देशों ने एक द्विपक्षीय कनेक्टिविटी डायलॉग शुरू किया है।

जब पीएम मोदी और राष्ट्रपति क्रिस्टोडौलाइड्स के आईएमईसी पर चर्चा करने के बारे में पूछा गया, तो जॉर्ज ने जवाब दिया, 'इस पर चर्चा हुई। आईएमईसी हमारे लिए एक बहुत जरूरी प्रोजेक्ट है। दोनों नेताओं ने माना कि इसमें वैश्विक व्यापार, कनेक्टिविटी और खुशहाली को नया आकार देने और बढ़ावा देने की काबिलियत है। उन्होंने पूर्वी मेडिटेरेनियन और बड़े मिडिल ईस्ट में स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए अपनी साझा प्रतिबद्धता को दोहराया और भारत से बड़े मिडिल ईस्ट होते हुए यूरोप तक गहरे जुड़ाव और इंटरकनेक्शन के कॉरिडोर को बढ़ावा देने के महत्व पर जोर दिया।'

उन्होंने आगे कहा, 'उन्होंने द्विपक्षीय कनेक्टिविटी डायलॉग शुरू करने पर चर्चा की। इसलिए, कनेक्टिविटी यूरोपीय यूनियन के साथ हमारे जुड़ाव, साइप्रस के साथ जुड़ाव, इस इलाके के देशों के साथ जुड़ाव का एक बहुत जरूरी पहलू है। इसलिए, इस संदर्भ में आईएमईसी पर चर्चा हुई और यह जरूरी है कि हमने इस संबंध में एक द्विपक्षीय कनेक्टिविटी डायलॉग शुरू किया है। इसलिए, चर्चा जारी रहेगी।'

2023 में नई दिल्ली में हुए जी20 लीडर्स समिट के दौरान भारत, यूरोपीय संघ, फ्रांस, जर्मनी, इटली, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और अमेरिका के नेताओं ने आईएमईसी को विकसित करने के लिए मिलकर काम करने का वादा करते हुए एक एमओयू पर साइन किए थे।

आईएमईसी में दो अलग-अलग कॉरिडोर होंगे, ईस्ट कॉरिडोर भारत को गल्फ से जोड़ेगा और नॉर्दर्न कॉरिडोर गल्फ को यूरोप से जोड़ेगा। इस कॉरिडोर का मकसद कनेक्टिविटी बढ़ाना, एफिशिएंसी बढ़ाना, कॉस्ट कम करना, क्षेत्रीय सप्लाई चेन को सिक्योर करना, व्यापार एक्सेसिबिलिटी बढ़ाना और नौकरी पैदा करना है; इससे एशिया, यूरोप और मिडिल ईस्ट का ट्रांसफॉर्मेटिव इंटीग्रेशन होगा।

आरक्षण नीति पर सुप्रीम कोर्ट की बड़ी टिप्पणी

सुप्रीम कोर्ट का कड़ा सवाल :

आईएएस माता-पिता के बच्चों को आरक्षण क्यों ?

एजेंसी ■ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को सरकारी नौकरी में क्रीमी लेयर के कैंडिडेट के आरक्षण लेने पर चिंता जताई। कोर्ट ने कहा- अगर माता-पिता दोनों आईएएस अफसर हैं, तो उनके बच्चों को आरक्षण क्यों मिलना चाहिए?

शिक्षा और आर्थिक सशक्तीकरण के साथ-साथ सामाजिक गतिशीलता भी आती है। ऐसे में अगर संपन्न बच्चों के लिए फिर से आरक्षण मांगा जाए, तो हम कभी भी इस चक्र से बाहर नहीं निकल पाएंगे। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की बेंच ने ये कमेंट तब किया। जब वे कर्नाटक हाईकोर्ट के एक फैसले

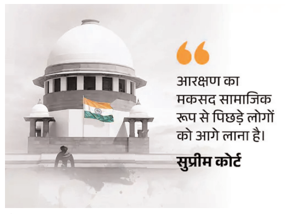

के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई कर रहे थे। याचिकाकर्ता को क्रीमी लेयर के आधार पर आरक्षण के दायरे से बाहर रखा गया था, क्योंकि उसके माता-पिता दोनों ही राज्य सरकार के कर्मचारी हैं। यह मामला कर्नाटक में 'कुरुबा' समुदाय से जुड़े एक कैंडिडेट का है। कर्नाटक के पिछड़े वर्गों की सूची में इस समुदाय को 'श्रेणी II(A)' के तहत रखा गया है। उम्मीदवार यानी याचिकाकर्ता का 'कर्नाटक पावर ट्रांसमिशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड' में 'सहायक इंजीनियर' के पद पर सिलेक्शन हुआ था। उसकी आरक्षित कोटे के तहत नियुक्ति की गई थी।

हालांकि, 'जिला जाति और आय सत्यापन समिति' ने उम्मीदवार को 'जाति प्रमाण पत्र' देने से इनकार कर दिया और कहा कि वह 'क्रीमी लेयर' के दायरे में आता है।

उम्मीदवार के परिवार की सालाना आमदनी लगभग 19.48 लाख आंकी गई थी। अधिकारियों ने पाया कि उसके माता-पिता दोनों ही सरकारी कर्मचारी हैं और उनकी कुल आमदनी, 'क्रीमी लेयर' के लिए तय की गई सीमा से ज्यादा है।

होर्मुज में जहाजों से फीस वसूलने की तैयारी में ईरान

ओमान के साथ पेमेंट सिस्टम पर बातचीत जारी

एजेंसी ■ तेल अवीव

न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक ईरान की नई बनाई गई पर्सियन गल्फ स्ट्रेट अथॉरिटी ने कहा कि उसने होर्मुज स्ट्रेट के 'मैनेजमेंट सुपरविजन एरिया' की सीमा तय कर दी है। अथॉरिटी के मुताबिक, यहां से गुजरने के लिए परमिट जरूरी होगा।

फरवरी में अमेरिकी और इजराइली हमलों के बाद ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट में कमर्शियल ट्रैफिक लगभग रोक दिया था। इससे अंतरराष्ट्रीय शिपिंग प्रभावित हुई और ऊर्जा कीमतों में तेजी आई। इसके बाद ईरानी अधिकारियों ने इस जलमार्ग से राजस्व जुटाने के विकल्पों पर चर्चा शुरू की।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग है और यहां किसी तरह का टोल नहीं होना चाहिए। विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भी इसका विरोध किया। दुनिया के करीब 20% समुद्री तेल और प्राकृतिक गैस की सप्लाई होर्मुज स्ट्रेट से गुजरती है। ऐसे में यहां किसी भी तरह के शुल्क या प्रतिबंध का असर वैश्विक ऊर्जा बाजार और शिपिंग पर पड़ सकता है।

सीधे टोल नहीं वसूलेगा ईरान

रिपोर्ट के मुताबिक ईरान सीधे टोल लगाने के बजाय सर्विस फीस मॉडल पर काम कर रहा है। इसमें जहाजों से ट्रांजिट फीस, पर्यावरण शुल्क और अन्य सेवाओं के नाम पर रकम ली जा सकती है।

दो ईरानी अधिकारियों के मुताबिक ओमान अब इस प्रस्ताव में संभावित आर्थिक फायदे देखते हुए हिस्सेदारी पर चर्चा कर रहा है। ओमान खाड़ी देशों और अमेरिका के साथ इस योजना को आगे बढ़ाने की कोशिश कर सकता है।

राज्यसभा की 26 सीटों के लिए चुनाव की तारीख का एलान

दो राज्य में राज्यसभा के लिए उपचुनाव

एजेंसी ■ नई दिल्ली

चुनाव आयोग ने राज्यसभा चुनाव के तारीखों का एलान कर दिया है। आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार, राज्यसभा की 26 सीटों के लिए आगामी 18 जून को मतदान होगा और इसी दिन मतगणना भी होगी।

चुनाव आयोग के नोटिफिकेशन के मुताबिक, एक जून को नोटिफिकेशन जारी होगा। इसके बाद 9 जून को नामांकन की जांच की जाएगी, 11 जून को नामांकन वापस लिया जाएगा। इसके बाद 12 राज्यों की 26 सीटों पर 18 जून को मतदान होगा। राज्यसभा चुनाव के लिए मतदान सुबह 9 से शाम 4 बजे तक होगा।

चुनाव आयोग ने शुक्रवार को 18 जून को 26 राज्यसभा सीटों के लिए चुनाव की घोषणा की। एक बयान में, श्वष्ट ने कहा कि राज्यसभा सीटों के लिए चुनाव 10 राज्यों में होंगे, जहां मौजूदा सदस्य 21 जून से 19 जुलाई के बीच अलग-अलग तारीखों पर रिटायर हो रहे हैं। इसके अलावा तमिलनाडु और महाराष्ट्र में खाली हुई एक-एक सीट पर उपचुनाव होंगे।

राज्यसभा चुनाव आंध्र प्रदेश, गुजरात और कर्नाटक में चार-चार सीटों पर, मध्य प्रदेश और राजस्थान में तीन-तीन सीटों पर, झारखंड में दो सीटों पर और मणिपुर, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम में एक-एक सीट पर होंगे।

निर्वाचन आयोग ने महाराष्ट्र और तमिलनाडु से राज्यसभा के लिए उपचुनावों की घोषणा की है। ये उपचुनाव महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार और AIADMK नेता सी. वे. षणमुगम के इस्तीफ़े के बाद खाली हुई दो सीटों को भरने के लिए होंगे।

ट्विशा शर्मा केस : समर्थ के कोर्ट पहुंचने पर पीड़ित परिवार ने कहा-

'यह सब बिना किसी रणनीति के नहीं हो सकता'

एजेंसी ■ भोपाल

ट्विशा शर्मा की संदिग्ध मौत का मामला लगातार गहराता जा रहा है। इस हाई-प्रोफाइल केस में शुक्रवार को बड़ा घटनाक्रम तब सामने आया, जब मुख्य आरोपी और ट्विशा का पति समर्थ सिंह जबलपुर जिला अदालत में आत्मसमर्पण करने पहुंचा।

ट्विशा शर्मा के जीजा सौरभ शर्मा ने मीडिया से बातचीत में आरोप लगाया कि पूरा सिस्टम समर्थ सिंह के समर्थन में दिखाई दे रहा है। समर्थ सिंह सुबह से ही जबलपुर में मौजूद था, लेकिन न तो पुलिस उसे देख पाई और न ही एसआईटी की नजर उस पर पड़ी। सौरभ शर्मा ने कहा कि परिवार के लोगों को कोर्ट परिसर से बाहर कर दिया गया, जबकि समर्थ सिंह अंदर मौजूद रहा।

उन्होंने कहा, 'खतरा हमें है। समर्थ सिंह के खिलाफ लुक आउट नोटिस जारी है, उस पर 30 हजार रुपए का इनाम भी घोषित है, लेकिन इसके बावजूद उसे पकड़ा नहीं जा रहा। अगर उसने सरेंडर किया है, तो वह खुद अंदर है, लेकिन हम लोग अंदर नहीं जा पा रहे हैं।'

सौरभ शर्मा ने पूरे घटनाक्रम पर सवाल उठाते हुए कहा कि पहले अग्रिम जमानत की अर्जी लगाई जाती है, फिर उसे वापस लिया जाता है और उसके बाद भोपाल से जबलपुर पहुंचकर सरेंडर किया जाता है। यह सब बिना किसी रणनीति के नहीं हो सकता।

इधर, ट्विशा शर्मा के भाई आशीष शर्मा ने कहा कि पिछले दस दिनों से परिवार लगातार न्याय के लिए संघर्ष कर रहा है। उन्होंने कहा कि अब प्रशासन को बिना देरी किए पूरी कार्रवाई करनी चाहिए, ताकि जल्द से जल्द सच सामने आ सके और परिवार को न्याय मिल सके।

ट्विशा की बहन ने भी गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने दावा किया कि घटना के महज दो से तीन घंटे के भीतर करीब 40 फोन कॉल किए गए थे, जो यह दिखाता है कि सामने वाले लोग कितने प्रभावशाली हैं। उन्होंने कहा कि परिवार को मध्य प्रदेश सरकार पर भरोसा नहीं है और वे चाहते हैं कि उत्तर प्रदेश सरकार भी इस जांच में शामिल हो, क्योंकि ट्विशा और उनका परिवार उत्तर प्रदेश से है। ट्विशा शर्मा के चाचा लोकेश शर्मा ने भी इस मामले में सीबीआई जांच को सही ठहराया। उन्होंने कहा कि बिना सीबीआई जांच के पीड़िता को न्याय मिलना मुश्किल था। उन्होंने मुख्यमंत्री मोहन यादव का धन्यवाद करते हुए कहा कि सरकार ने मामले की गंभीरता को समझा है। साथ ही उन्होंने बताया कि जबलपुर हाईकोर्ट में भी इस मामले को लेकर सुनवाई प्रस्तावित है और परिवार की ओर से याचिका भी दाखिल की गई है। इस बीच यह मामला अब राजनीतिक रंग भी लेने लगा है। शहडोल में महिला कांग्रेस की प्रदेश महासचिव मधु शर्मा ने ट्विशा शर्मा मौत मामले को बेहद गंभीर बताते हुए कहा कि देश में ऐसे कई मामले सामने आ चुके हैं, जहां पढ़ी-लिखी और सशक्त महिलाओं की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हुई और बाद में उसे आत्महत्या का रूप देने की कोशिश की गई। मधु शर्मा ने आरोप लगाया कि ट्विशा शर्मा ने अपनी मां और परिवार को पहले ही बताया था कि उन्हें दहेज के लिए प्रताड़ित किया जा रहा है।

कॉकरोच जनता पार्टी फाउंडर बोले- शिक्षामंत्री प्रधान इस्तीफा दें

अभिजीत के माता-पिता बोले- 2 रातों से नहीं सोए, डर है बेटा गिरफ्तार न हो जाए

एजेंसी ■ नई दिल्ली

कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके शुक्रवार को सोशल मीडिया पेज बनाने के 7 दिन बाद पहली ऑनलाइन पिटीशन लेकर आए। इसमें उन्होंने नीट पेपर लीक मामले में शिक्षामंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की है।

दीपके ने X पर वीडियो पोस्ट किया। उन्होंने कहा- आज हम एक पिटीशन शुरू करने जा रहे हैं। जिसमें शिक्षामंत्री के इस्तीफे की मांग की है। आप सब लोग ज्यादा से ज्यादा इस पिटीशन पर साइन कीजिए, ताकि सिस्टम की गलती पर सवाल उठ सके।

अभिजीत ने कॉकरोच जनता पार्टी सीजेआई सूर्यकांत की टिप्पणी के विरोध में बनाई है। सीजेआई ने 15 मई को सुनवाई के दौरान कुछ बेरोजगारों को कॉकरोच कहा था।

उधर 'कॉकरोच जनता पार्टी' पेज के इंस्टाग्राम पर अचानक लोकप्रिय होने से उसके फाउंडर अभिजीत दीपके के माता-पिता बहुत ज्यादा परेशान हो गए हैं। उन्हें डर है कि उनका बेटा किसी मुसीबत में पड़ सकता है। उसे गिरफ्तार भी किया जा सकता है।

अभिजीत के पेरेंट्स भगवान और अनीता दीपके महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में रहते हैं। दोनों ने गुरुवार को एक मराठी न्यूज चैनल को बताया- हम अपने बेटे को राजनीति में नहीं भेजना चाहते थे। अभिजीत के इस कदम के बारे में सुनकर हमारी रातों की नींद उड़ गई है।

भगवान ने कहा- आज का माहौल देखकर डर लगना स्वाभाविक है। चाहे उसके कितने भी फॉलोअर्स क्यों न हों। उसने खुद भी भारत लौटने पर गिफ्तार होने का डर जाहिर किया है। वह मशहूर हो गया है, और ऐसे लोगों को अक्सर गिरफ्तार कर लिया जाता है। पिछली दो रातों से मैं इसी चिंता में सो नहीं पाया हूं कि उसके साथ क्या हो सकता है। अभिजीत की मां ने कहा- हमें कॉकरोच पार्टी के बारे में अपने एक पड़ोसी से पता चला था। मैं चाहती हूं बेटा राजनीति से दूर रहे। वह 'आप' के साथ काम कर चुका था। उस समय भी मैंने उससे कहा था कि हमारा राजनीति से कोई लेना-देना नहीं है और उसे कोई नौकरी कर लेनी चाहिए।

सीजेपी के 90% फालोअर्स इंडियन

सीजेपी पर आरोप लग रहा है कि इंस्टाग्राम पर उसके ज्यादातर फॉलोअर्स पाकिस्तान, बांग्लादेश और अमेरिका जैसे देशों के हैं। भारत के सिर्फ 9% फॉलोअर्स हैं, लेकिन ऐसा नहीं है। 96% फालोअर्स भारतीय हैं।

राजस्थान को रेलवे की बड़ी सौगात, अब 20 कोचों के साथ दौड़ेगी जोधपुर-दिल्ली वंदे भारत

जयपुर। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को जोधपुर दौरे के दौरान पश्चिमी राजस्थान के लिए रेलवे विकास से जुड़ी कई प्रमुख रेलवे प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और शुभारंभ किया, जिससे क्षेत्र में रेल कनेक्टिविटी, यात्री सुविधाओं और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

इन घोषणाओं में जोधपुर-दिल्ली कैंट वंदे भारत एक्सप्रेस का विस्तार, साबरमती-जोधपुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस नामक सुपरफास्ट ट्रेन का जैसलमेर तक विस्तार और जालोर से नई भुज-दिल्ली एक्सप्रेस सेवा का शुभारंभ शामिल है।

इस आयोजन का सबसे बड़ा आकर्षण जोधपुर-दिल्ली कैंट वंदे भारत एक्सप्रेस का आठ रेलवे कोचों से बढ़ाकर 20 कोचों तक करना था, जिससे यात्री क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई और यह 530 सीटों से बढ़कर 1,440 सीटें हो गई।

मीडिया से बातचीत में केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने कहा कि यात्रियों की बढ़ती मांग को देखते हुए जोधपुर से दिल्ली के बीच चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस को 8 कोचों से बढ़ाकर 20 कोचों का किया जा रहा है। इसके साथ ही जैसलमेर-अहमदाबाद वंदे भारत एक्सप्रेस सेवा भी शुरू कर दी गई है, जिससे पश्चिमी राजस्थान की कनेक्टिविटी को बड़ा फायदा मिलेगा।

मंत्री ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जोधपुर-दिल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस का उद्घाटन 8 डिब्बों के साथ किया था, लेकिन यात्रियों की भारी मांग को देखते हुए अब इसे 20 कोचों तक अपग्रेड किया गया है। उन्होंने कहा कि इससे यात्रियों को बेहतर सुविधा मिलेगी और यात्रा अधिक आरामदायक होगी। रेल मंत्री ने बताया कि जोधपुर के भगत की कोठी स्टेशन कर करीब 400 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से एक विशाल कोचिंग टर्मिनल विकसित किया जाएगा, जिससे भविष्य में यहां से कई नई ट्रेनों का संचालन संभव हो सकेगा। वहीं, जैसलमेर में भी नया कोचिंग केयर सेंटर शुरू किया जा रहा है। इससे पश्चिमी राजस्थान से देश के अलग-अलग शहरों के लिए नई रेल सेवाएं शुरू करने में मदद मिलेगी।

उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में जोधपुर से चेन्नई, पुणे और हैदराबाद के लिए नई ट्रेन सेवाएं शुरू की गई हैं, जिसका सीधा लाभ राजस्थान के लोगों को मिल रहा है। आने वाले समय में हरिद्वार के लिए भी नई ट्रेन सेवा शुरू करने पर काम चल रहा है, क्योंकि इसकी लंबे समय से मांग की जा रही है। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर के रेलवे स्टेशनों के पुनर्निर्माण और आधुनिकीकरण का ऐतिहासिक कार्य चल रहा है।

'पढ़ना बंद कर देने वाला समाज धीरे-धीरे गहन चिंतन करने की क्षमता खो देता है': उपराष्ट्रपति

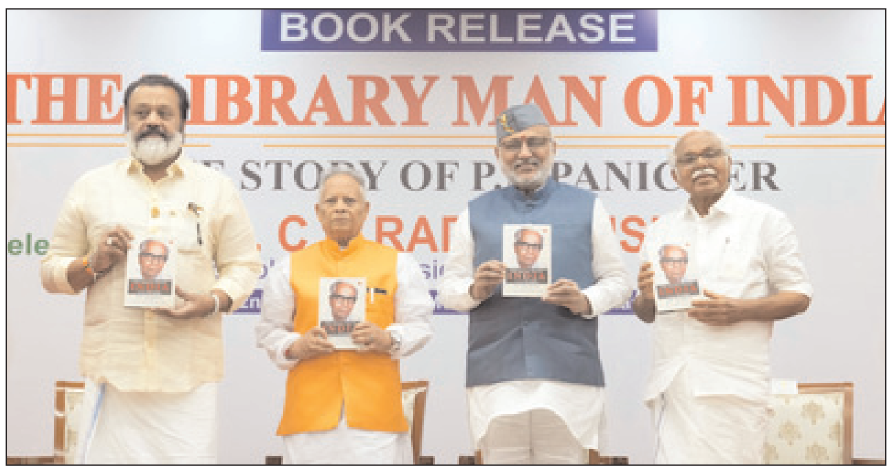

नई दिल्ली। भारत के उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने शुक्रवार को उपराष्ट्रपति भवन में पीपी सत्यन द्वारा लिखित पुस्तक 'द लाइब्रेरी मैन ऑफ इंडिया: द स्टोरी ऑफ पीएन पणिक्कर' का विमोचन किया। सभा को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने पीएन पणिक्कर को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और उन्हें एक दूरदर्शी व्यक्ति बताया जिन्होंने पुस्तकों और ज्ञान की मौन शक्ति के माध्यम से लाखों लोगों के भाग्य को बदल दिया। लेखक पीपी सत्यन को बधाई देते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि यह प्रकाशन पणिक्कर की असाधारण दूरदृष्टि और अमिट विरासत का प्रमाण है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि पणिक्कर ने सादगीपूर्ण जीवन व्यतीत करते हुए भी एक असाधारण सपना देखा था कि जाति, वर्ग, गरीबी या भौगोलिक स्थिति की परवाह किए बिना प्रत्येक व्यक्ति को ज्ञान प्राप्त होना चाहिए। केरल के कुट्टानाड में पणिक्कर के साधारण आरंभ को याद करते हुए, उन्होंने कहा कि पणिक्कर ने जीवन के शुरुआती दौर में ही यह समझ लिया था कि निरक्षरता केवल पढ़ने में असमर्थता नहीं है, बल्कि यह गरिमा, अवसर और मानवीय प्रगति में बाधा है।

केरल में पुस्तकालय और साक्षरता आंदोलन की शुरुआत में पणिक्कर की भूमिका का उल्लेख करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि सनातन धर्म पुस्तकालय नामक एक साधारण से वाचनालय से शुरू हुआ यह प्रयास अंततः केरल के सामाजिक और बौद्धिक परिदृश्य में परिवर्तन लाने में सहायक रहा। उन्होंने आगे कहा कि पणिक्कर ने गांवों और दूरदराज के आदिवासी बस्तियों में अथक यात्राएं कीं और 'पढ़ो और आगे बढ़ो' के सरल लेकिन शक्तिशाली संदेश के माध्यम से आम लोगों और स्वयंसेवकों को प्रेरित किया।

पणिक्कर को केरल के सांस्कृतिक पुनर्जागरण का जनक बताते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि उनका मानना ??था कि ज्ञान कभी भी कुछ लोगों का विशेषाधिकार नहीं रहना चाहिए, बल्कि मानवता की सेवा करनी चाहिए और सामाजिक जागृति की शक्ति बनना चाहिए। पुस्तकालयों के विकास पर बोलते हुए, उपराष्ट्रपति ने नालंदा और तक्षशिला जैसे भारत के गौरवशाली शिक्षा केंद्रों की परंपरा का उल्लेख किया, जिन्होंने विश्व भर के विद्वानों को आकर्षित किया। उन्होंने कहा कि यद्यपि पुस्तकालय ई-पुस्तकों, डिजिटल अभिलेखागारों और ऑनलाइन संसाधनों के माध्यम से डिजिटल युग में प्रवेश कर चुके हैं, फिर भी युवाओं में पढ़ने की आदतों में लगातार गिरावट एक गंभीर चिंता का विषय बनी हुई है।

मोबाइल फोन, सोशल मीडिया और संक्षिप्त मनोरंजन पर अत्यधिक निर्भरता पर चिंता व्यक्त करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि गहन पठन, चिंतन और विचारपूर्वक सीखना धीरे-धीरे लुप्त हो रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि प्रौद्योगिकी ने सुविधा तो प्रदान की है, लेकिन साथ ही धैर्य, एकाग्रता और साहित्य एवं ज्ञान के साथ सार्थक जुड़ाव को भी कम कर दिया है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि जो समाज पढ़ना छोड़ देता है, वह धीरे-धीरे आलोचनात्मक चिंतन, रचनात्मक कल्पना और गहन समझ की क्षमता खो देता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि 'द लाइब्रेरी मैन ऑफ इंडिया' जैसी पुस्तकें युवा पीढ़ी में पढ़ने और चिंतन की संस्कृति को पुनर्जीवित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं।

एन. बालागोपाल के नेतृत्व में पीएन पणिक्कर फाउंडेशन के कार्यों की सराहना करते हुए, उपराष्ट्रपति ने कहा कि फाउंडेशन पठन और अधिगम को बढ़ावा देने के उल्लेखनीय प्रयासों के माध्यम से पणिक्कर की विरासत को आगे बढ़ा रहा है। उपराष्ट्रपति ने भारत के ज्ञान पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के उद्देश्य से सरकार की कई पहलों पर भी प्रकाश डाला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 'मन की बात' में साझा किए गए दृष्टिकोण का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि पुस्तकालयों को रचनात्मकता के गतिशील केंद्रों के रूप में विकसित होना चाहिए।

मेघालय के तुरा को मिलेगा 150 करोड़ से अधिक के विकास प्रोजेक्ट्स का तोहफा

शिलॉन्ग। मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड के संगमा ने शुक्रवार को तुरा शहर में 150 करोड़ रुपये से अधिक की शहरी आधारभूत संरचना परियोजनाओं की आधारशिला रखी। इन परियोजनाओं का उद्देश्य 2027 में होने वाले 39वें राष्ट्रीय खेलों से पहले तुरा को आधुनिक वाणिज्यिक, सांस्कृतिक और पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करना है।

इन परियोजनाओं में नाजिंग बाजार क्षेत्र का पुनर्विकास, डकोपग्रे में मल्टी-लेवल कार पार्किंग और सिनेमा कॉम्प्लेक्स का निर्माण, एसएमईएलसी भवन का नवीनीकरण, आर्ट एंड कल्चर प्रोमेनेड, संग्रहालय, सीएम यूथ सेंटर और एक्टिव एजिंग सेंटर का विकास शामिल है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा ने कहा कि राज्य सरकार 'सीएम कनेक्ट' पहल और डिजिटल सेवा प्रणाली के माध्यम से शासन को अधिक नागरिक-केंद्रित बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, 'हर नागरिक को सीधे सरकार से जुड़ने का अवसर मिलना चाहिए। 1971 हेल्पलाइन शिकायत पंजीकरण और निवारण प्रणाली है, जहां शिकायतों की रियल टाइम मॉनिटरिंग की जाती है।' मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि राज्य के सभी 56 ब्लॉकों में सीएम कनेक्ट कार्यालय स्थापित किए जाएंगे, ताकि नागरिक सेवाओं का विकेंद्रीकरण हो सके और लोगों की जिला मुख्यालयों पर निर्भरता कम हो।तुरा के शहरी विकास की योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि 60.76 करोड़ रुपये की लागत से स्वीकृत नाजिंग बाजार पुनर्विकास परियोजना के तहत व्यावसायिक परिसर, पार्किंग सुविधा, होटल, बैंक्वेट हॉल, लगभग 200 दुकानें और विस्तारित वेंडर इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित किया जाएगा। वहीं, 51.21 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले डकोपग्रे मल्टी-लेवल पार्किंग और सिनेमा कॉम्प्लेक्स में लगभग 200 वाहनों की पार्किंग व्यवस्था के साथ तीन सिनेमा हॉल, गेमिंग जोन और फूड कोर्ट भी होंगे, जिससे स्थानीय आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने श्रीनगर में रसायन उर्वरक समिति की बैठक में शामिल होकर दिए अहम सुझाव

रसायन उर्वरक संबन्धी संसद की स्थायी समिति का श्रीनगर अध्ययन दौरा

श्रीनगर। रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने शुक्रवार को श्रीनगर में रसायन उर्वरक सम्बन्धी संसद की स्थायी समिति के अध्ययन दौरे में समिति की बैठक में शामिल होकर कृषि क्षेत्र में रसायनिक उर्वरक की उपलब्धता और उसके उचित उपयोग के लिए अहम सुझाव रखे। बैठक में लास्ट माइल फर्टिलाइजिंग डिस्ट्रिब्यूशन को मजबूत करना, संतुलित उर्वरक प्रयोग एनपीके के लिए, आईसीसी सूचना शिक्षा संचार अधिनियम को तेज करना, फसल के हिसाब से खाद के इस्तेमाल को बढ़ावा देना, खासकर बागवानी फसलों के लिए नैनो फर्टिलाइजर स्पेशल न्यूट्रिएंट्स को अपनाने के लिए बढ़ावा देना, कार्यकारी विभाग और फर्टिलाइजर कंपनियों के बीच तालमेल मेल बढ़ाने आदि बिंदुओं पर समिति के सदस्यों के बीच विचार विमर्श किया गया। बैठक में यह निष्कर्ष निकला कि समीक्षा अवधि के दौरान अधिकांश उर्वरक की उपलब्धता मांग से अधिक है। यूरिया की सभी वर्षों में लगातार मजबूत स्टॉक उपलब्धता देखी गई है। पिछले कुछ वर्षों में एनपीकेएस की उपलब्धता भी काफी रही है। जम्मू और कश्मीर में किसी बड़ी कमी की स्थिति नहीं है। जम्मू और कश्मीर में उर्वरक की उपलब्धता की स्थिति संतोषप्रद है। पोटाश और अन्य फर्टिलाइजर की खपत में धीरे-धीरे बढ़ोतरी हो रही है। मिट्टी की सेहत और पोषक तत्वों के सही इस्तेमाल के बारे में किसानों में जागरूकता बढ़ाई जाए, कुछ इलाकों में हल्की इनपुट वाली खेती को लगातार पसंद किया जा रहा है।जिसमें उर्वरकों के संतुलित प्रयोग पर ज़ोर दिया जाए।

72 घंटे पहले ही मिल जाएगा प्रदूषण का अलर्ट, दिल्ली सरकार की नई पर्यावरण पहल

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में शुक्रवार को दिल्ली सरकार के पर्यावरण विभाग और एआईआरएडब्ल्यूएटी रिसर्च फाउंडेशन, आईआईटी कानपुर के बीच अहम समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इसका उद्देश्य वायु प्रदूषण की चुनौती से प्रभावी एवं वैज्ञानिक तरीके से निपटना है। यह एमओयू अगले पांच वर्षों तक प्रभावी रहेगा और इसके माध्यम से राजधानी में एआई, उन्नत डेटा विश्लेषण, हाइपरलोकल मॉनिटरिंग और वैज्ञानिक निर्णय सहायता प्रणालियों के उपयोग से वायु गुणवत्ता प्रबंधन को और अधिक सशक्त बनाया जाएगा।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री सरदार मनजिंदर सिंह सिरसा सहित संबंधित विभाग के अधिकारी मौजूद थे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि यह साझेदारी वायु प्रदूषण के स्रोतों की अधिक सटीक पहचान, हॉटस्पॉट्स की निगरानी, बेहतर पूर्वानुमान प्रणाली और समयबद्ध हस्तक्षेप सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में तकनीक आधारित सुशासन और नवाचार को बढ़ावा दिया जा रहा है। उसी दिशा में दिल्ली सरकार भी वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाते हुए वायु गुणवत्ता प्रबंधन को आधुनिक बनाने की दिशा में कार्य कर रही है। प्रदूषण के स्थानीय स्रोतों की बेहतर पहचान, रियल-टाइम निगरानी निगरानी और पूर्वानुमान आधारित रणनीतियों के माध्यम से राजधानी की वायु गुणवत्ता में स्थायी सुधार लाने का मार्ग प्रशस्त होगा।

इस अवसर पर दिल्ली के पर्यावरण मंत्री सरदार मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि दिल्ली को वायु प्रदूषण जैसी दीर्घकालिक चुनौती से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए तकनीक-आधारित, पारदर्शी और परिणामोन्मुख समाधानों की आवश्यकता है। यह एमओयू राजधानी में स्मार्ट, वैज्ञानिक एवं उत्तरदायी पर्यावरणीय शासन व्यवस्था विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में दिल्ली सरकार नागरिकों के स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए प्रदूषण नियंत्रण के लिए उपलब्ध नवीनतम वैज्ञानिक एवं तकनीकी साधनों का उपयोग करने के लिए प्रतिबद्ध है।

इस समझौते के तहत दिल्ली में कम लागत वाले सेंसर, मोबाइल मॉनिटरिंग लैब और सैटेलाइट डेटा पर आधारित एकीकृत वायु गुणवत्ता निगरानी नेटवर्क विकसित किया जाएगा। इससे प्रदूषण की रियल-टाइम निगरानी और स्थानीय स्रोतों का सटीक विश्लेषण संभव होगा। परियोजना के अंतर्गत एआई आधारित उन्नत डिसीजन सपोर्ट सिस्टम (डीएसएस) तैयार किया जाएगा, जो प्रदूषण हॉटस्पॉट की पहचान, हाइपरलोकल विश्लेषण, प्रेडिक्टिव एनालिटिक्स और 48 से 72 घंटे पहले वायु गुणवत्ता का पूर्वानुमान देने में सक्षम होगा।

केंद्रीय मंत्री जोशी ने दंगा मामलों को वापस लेने पर कर्नाटक सरकार की आलोचना की

नई दिल्ली/बेंगलुरु। केंद्रीय खाद्य, सार्वजनिक वितरण और उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रल्हाद जोशी ने शुक्रवार को कर्नाटक सरकार के विरोध प्रदर्शनों और दंगों से जुड़े 52 आपराधिक मामलों को वापस लेने के फैसले पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि यह कदम कन्नड़ कार्यकर्ताओं की रक्षा के बहाने 'दंगाइयों' को खुश करने के उद्देश्य से उठाया गया है। एक बयान में, जोशी ने राज्य सरकार पर तुष्टीकरण की राजनीति के लिए संविधान और कानून के शासन की बलि देने का आरोप लगाया।

उन्होंने आरोप लगाया कि कर्नाटक सरकार सांप्रदायिक दंगाइयों की रिहाई को सुविधाजनक बनाने के लिए कन्नड़ कार्यकर्ताओं का बहाना बना रही है। तुष्टीकरण के नाम पर, वह संविधान और देश की कानूनी व्यवस्था की बलि दे रही है। जोशी ने दावा किया कि मामलों को वापस लेने का फैसला कन्नड़ कार्यकर्ताओं की चिंता से कहीं अधिक 'मुस्लिम दंगाइयों' के हितों से प्रेरित था।

उन्होंने आलंद सांप्रदायिक दंगों के मामले में 100 से अधिक आरोपियों के खिलाफ मामलों को वापस लेने की कड़ी आलोचना करते हुए इसे अत्यंत निंदनीय बताया।

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ने सांप्रदायिक अशांति फैलाने और पुलिसकर्मियों पर घातक हथियारों से हमला करने के आरोपी एक समूह के खिलाफ आपराधिक मामले वापस लेकर तुष्टीकरण की राजनीति की सभी सीमाएं पार कर दी हैं। जोशी के अनुसार, हिंसा के दौरान, उत्तेजित मुस्लिम युवकों के एक समूह ने कथित तौर पर धार्मिक नारे लगाए और पुलिसकर्मियों पर हमला किया, जिसमें एक पुलिस उपाधीक्षक और एक कांस्टेबल गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्होंने कहा कि इन सबके बावजूद, सरकार ने कन्नड़ कार्यकर्ताओं के खिलाफ मामले वापस लेने के बहाने सांप्रदायिक दंगाइयों को रिहा कर दिया है। यह तुष्टीकरण की राजनीति की पराकाष्ठा को दर्शाता है। केंद्रीय मंत्री ने आगे आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार के शासन में कानून प्रवर्तन कर्मी भी अब सुरक्षित नहीं हैं। उन्होंने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि सरकार दंगाइयों को रिहा करके उनका सम्मान कर रही है। यह वास्तव में दुर्भाग्यपूर्ण है।

नौजवानों के भविष्य से खिलवाड़ कर रही यूपी सरकार: अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि प्रदेश की भाजपा सरकार के दो कार्यकाल बिना किसी बड़ी उपलब्धि के समाप्ति की ओर हैं और सरकार ने भ्रष्टाचार के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में किसानों की फसलों की लूट हो रही है, नौजवानों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है और महिलाएं उपेक्षा व अपमान का शिकार हैं।

शुक्रवार को लखनऊ स्थित समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में विभिन्न जिलों से आए कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य और कानून-व्यवस्था की स्थिति बेहद खराब हो चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने प्राथमिक शिक्षा व्यवस्था को बर्बाद कर दिया है। लगभग 70 हजार स्कूल बंद कर दिए गए हैं और हजारों स्कूलों में प्रवेश शून्य हो चुका है। उन्होंने कहा कि अस्पतालों में मरीजों को न दवा मिल रही है और न ही समुचित इलाज, जिससे आम लोग परेशान होकर भटकने को मजबूर हैं। सपा प्रमुख ने भाजपा को 'चालाक और अहंकारी पार्टी' बताते हुए कहा कि उसने लोकतंत्र को धोखा दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा राजनीतिक दल नहीं, बल्कि गैंग की तरह काम कर रही है। भाजपा समर्थित लोग गरीबों और सरकारी जमीनों पर कब्जा कर रहे हैं तथा भूमाफिया को संरक्षण दिया जा रहा है।

संक्षिप्त खबरें

सड़क किनारे सामान बेचने वालों का बनेगा रिकॉर्ड

रायपुर। रायपुर में सड़क किनारे मेटाडोर और गाड़ियों में सामान बेचने वालों का अब सत्यापन होगा। महापौर मीनल चौबे ने शहर में घूम-घूमकर कारोबार करने वाले दुकानदारों के सत्यापन और पंजीयन के निर्देश दिए हैं। नगर निगम के टाउन प्लानिंग विभाग को कहा गया है कि राजधानी में अभियान चलाकर ऐसे सभी कारोबारियों का पूरा रिकॉर्ड तैयार किया जाए। इसमें दुकानदार का नाम, स्थायी पता, पहचान पत्र और रायपुर में रहने की जानकारी दर्ज की जाएगी।

बिना पहचान पत्र वालों पर होगी कार्रवाई

महापौर ने साफ कहा है कि बिना वैध पहचान पत्र और निगम रिकॉर्ड के कारोबार करने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। निगम की टीम वार्ड और जोन स्तर पर सर्वे करेगी। नगर निगम के मुताबिक आधार कार्ड, वोटर आईडी या पैन कार्ड जैसे दस्तावेजों की जांच की जाएगी। साथ ही यह भी देखा जाएगा कि दुकानदार किस जगह पर कारोबार कर रहा है।

'स्थानीय लोगों को परेशानी नहीं होनी चाहिए'

महापौर मीनल चौबे ने कहा कि शहर की सुरक्षा और स्थानीय व्यापारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाया जा रहा है। उनका कहना है कि मेहनत कर कारोबार करने वाले स्थानीय लोगों से कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन बिना पहचान के कारोबार करने वालों की जांच जरूरी है।

कचना रेलवे ओवरब्रिज से 3 लाख लोगों को राहत

रायपुर। 8 साल के इंतजार के बाद आज शाम से कचना रेलवे ओवरब्रिज आम लोगों के लिए खुल जाएगा। शाम को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय इसका उद्घाटन करेंगे, जिसके बाद लोग इस ओवरब्रिज का इस्तेमाल कर सकेंगे। कचना ओवरब्रिज पर डामरीकरण समेत सभी काम 7 मई को ही पूरे हो चुके थे। लोकार्पण से पहले देर रात तक ब्रिज पर स्ट्रीट लाइट लगाने का काम चलता रहा। अब तक यहां रेलवे फाटक बंद होने के कारण रोजाना हजारों लोगों को जाम, तपती धूप और बारिश के बीच लंबे समय तक इंतजार करना पड़ता था। ओवरब्रिज शुरू होने के बाद शहर के 3 लाख से ज्यादा लोगों को सीधे राहत मिलेगी।

ओवरब्रिज के लोकार्पण कार्यक्रम के चलते शाम 5 बजे से 8 बजे तक खम्हारडीह-कचना रोड पर ट्रैफिक डायवर्ट रहेगा। अनुपम नगर से कचना जाने वाले वाहन श्रीराम नगर ओवरब्रिज और बीएसएनएल ऑफिस वाले रास्ते से जाएंगे।

मवेशी तस्करी करते दो नाबालिग समेत 5 गिरफ्तार

रायपुर। आरंग में पुलिस ने गोवंश तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो नाबालिग सहित 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी टाटा मैजिक वाहन में गोवंश को क्रूरतापूर्वक भरकर कच्चे रास्ते से ले जा रहे थे, जिन्हें घेराबंद कर पकड़ा गया।

पुलिस ने वाहन को जब्त कर गोवंश को मुक्त कराया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान संजय टंडन (35), राजेश उर्फ ननची यादव (22) और कमलेश यादव (21) के रूप में हुई है। अन्य दो आरोपी नाबालिग हैं, जिनके खिलाफ भी कार्रवाई की गई है। आरंग पुलिस के अनुसार, गुरुवार को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक टाटा मैजिक वाहन (CG 06 GZ 9607) में गोवंश को अवैध रूप से भरकर पंधी गांव की ओर ले जाया जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने पंधी जाने वाले कच्चे रास्ते पर घेराबंदी कर संदिग्ध वाहन को रोक लिया। तलाशी के दौरान वाहन में तीन गोवंश ठूंस-ठूंसकर भरे हुए पाए गए। पुलिस के अनुसार, जानवरों के साथ अत्यंत क्रूरता की जा रही थी। जब आरोपियों से परिवहन से संबंधित वैध दस्तावेज मांगे गए तो वे कोई भी कागजात पेश नहीं कर सके।

मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना से उपभोक्ताओं को बड़ी राहत

समाधान शिविर में मुख्यमंत्री साय ने हितग्राहियों से किया सीधा संवाद

रायपुर। सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत बलौदाबाजार जिले के करहीबाजार में आयोजित समाधान शिविर में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों से संवाद कर योजनाओं से मिल रहे लाभों की जानकारी ली।

शिविर में मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना 2026 के तहत अनेक उपभोक्ताओं को बिजली बिल में राहत प्रदान की गई। हितग्राहियों ने बताया कि योजना से उन्हें आर्थिक राहत मिली है और लंबित बिजली बिल की चिंता काफी हद तक कम हुई है।

बलौदाबाजार जिले के ग्राम बिटकुली निवासी आशाराम को 11 हजार 625 रुपये, बाबूलाल को 14 हजार 922 रुपये, जगदीश को 9 हजार 832 रुपये, बुधयारिन को 8 हजार 467 रुपये तथा चोवाराम को 13 हजार 325 रुपये की छूट प्राप्त हुई। हितग्राहियों ने मुख्यमंत्री से चर्चा के दौरान बताया कि पहले बढ़े हुए बिजली बिल के कारण आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ता था, लेकिन मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना से उन्हें बड़ी राहत मिली है। उन्होंने कहा कि अब वे बिना किसी अतिरिक्त बोझ के नियमित रूप से बिजली बिल का भुगतान कर पा रहे हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य आम जनता को राहत पहुंचाना और उनकी समस्याओं का संवेदनशीलता के साथ समाधान करना है। उन्होंने कहा कि सरकार जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से समाज के हर वर्ग तक सहायता पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। हितग्राहियों ने मुख्यमंत्री एवं राज्य सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए बड़ी सहायता साबित हो रही है।

जनता की सेवा हमारा परम धर्म : उप मुख्यमंत्री शर्मा

रायपुर। हम सभी जनता के सेवक हैं और जनता के कार्य करना हम सबकी जिम्मेदारी है। किसानों और ग्रामीणों के छोटे-छोटे कार्यों को संवेदनशीलता के साथ समय पर पूरा किया जाना चाहिए। राजस्व से जुड़े मामलों को लंबित नहीं रखा जाना चाहिए और निर्विवाद प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करना अधिकारियों की जिम्मेदारी है। उक्त वक्तव्य उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कबीरधाम जिले के बोड़ला विकासखंड के ग्राम खड़ौदाकला में आयोजित सुशासन तिहार में दिए।

उप मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों से आत्मीय मुलाकात कर उनकी समस्याएं और मांगें सुनीं, आवेदन प्राप्त किए तथा अनेक आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिविर में प्राप्त सभी आवेदनों का संवेदनशीलता और तय समय-सीमा के भीतर निराकरण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जनता की सेवा करना हमारा परम धर्म है और शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना ही सुशासन का उद्देश्य हैं।

सुशासन तिहार शिविर में नि:शुल्क दस्तावेज सुविधा

उप मुख्यमंत्री शर्मा ने ग्रामीणों को जानकारी देते हुए बताया कि सुशासन तिहार शिविर में बी-1, खसरा और ऋण पुस्तिका जैसी आवश्यक दस्तावेज नि:शुल्क उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने ग्राम सचिवों को निर्देशित किया कि पंचायतों में इसकी मुनादी कराई जाए ताकि अधिक से अधिक ग्रामीणों को इसकी जानकारी मिल सके और वे इसका लाभ उठा सकें।

रायपुर निगम का अवैध प्लॉटिंग पर कार्रवाई

रायपुर। रायपुर नगर निगम ने सरोना नाले के पास हो रही अवैध प्लॉटिंग पर कार्रवाई की है। निगम की टीम ने मौके पर पहुंचकर बुलडोजर से अवैध रूप से बनाई गई मुरुम सड़क को काट दिया और निर्माण कार्य रुकवा दिया। साथ ही मौके पर बने अवैध निर्माण को भी तोड़ा गया।

मामला नगर निगम जोन-8 के संत रविदास वार्ड क्रमांक-70 का है। दरअसल निगम को सरोना नाला के पास करीब 1 एकड़ जमीन पर बिना अनुमति प्लॉटिंग किए जाने की शिकायत मिल रही थी। निगम अधिकारियों के मुताबिक जमीन पर अवैध तरीके से सड़क बनाकर प्लॉट काटे जा रहे थे।

मौके पर लगाया सूचना बोर्ड

कार्रवाई के बाद निगम ने जमीन पर तुरंत सूचना बोर्ड लगा दिया, ताकि लोग प्लॉट खरीदने से पहले सतर्क रहें। इसके साथ ही मामले में रजिस्ट्री रोकने के लिए पंजीयक कार्यालय को भी पत्र भेजा गया है। यह कार्रवाई नगर निगम आयुक्त संबित मिश्रा के निर्देश पर जोन-8 जोन कमिश्नर राजेश्वरी पटेल के नेतृत्व में की गई। मौके पर कार्यपालन अभियंता अतुल चोपड़ा, सहायक अभियंता अमन चंद्राकर, उप अभियंता लोचन चौहान और नगर निवेश विभाग की टीम मौजूद रही।

भीषण गर्मी से तप रहा छत्तीसगढ़, कई जिलों में हीट वेव अलर्ट

रायपुर। छत्तीसगढ़ इन दिनों भीषण गर्मी की चपेट में है। प्रदेश के कई जिलों में तापमान 44 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है, जिससे जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। मौसम विभाग के अनुसार धमतरी राज्य का सबसे गर्म जिला रहा, जहां अधिकतम तापमान 45.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं राजधानी रायपुर में भी पारा 44 डिग्री के ऊपर पहुंचने से लोगों को तेज धूप और गर्म हवाओं का सामना करना पड़ा।

कई जिलों में पारा 45 डिग्री के करीब

प्रदेश के अन्य जिलों में भी गर्मी का असर बेहद तीखा रहा। बेमेतरा में 45.4 डिग्री, बालोद और कवर्धा में 44.7 डिग्री तथा बिलासपुर में 44.6 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया। दोपहर के समय सड़कों पर आवाजाही कम दिखाई दी और लोग गर्मी से बचने के लिए घरों में रहने को मजबूर रहे।

बिजली-पानी की मांग बढ़ी, अस्पतालों में मरीज बढ़े

लगातार बढ़ते तापमान के कारण बिजली और पानी की खपत में भी तेजी आई है। अस्पतालों में डिहाइड्रेशन, लू और गर्मी से जुड़ी बीमारियों के मरीजों की संख्या बढ़ने लगी है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि उत्तर-पश्चिम दिशा से आ रही गर्म हवाओं और साफ आसमान के कारण तापमान में लगातार बढ़ोतरी हो रही है।

मौसम विभाग का हीट वेव अलर्ट

मौसम विभाग ने प्रदेश के कई हिस्सों के लिए हीट वेव अलर्ट जारी किया है। प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक अनावश्यक रूप से बाहर न निकलने की अपील की है। लोगों को पर्याप्त पानी पीने, हल्के कपड़े पहनने और धूप से बचाव करने की सलाह दी गई है। विशेषज्ञों ने खासकर बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों को अतिरिक्त सावधानी बरतने की चेतावनी दी है।

स्मार्ट मीटर को लेकर आंदोलन की तैयारी में कांग्रेस

रायपुर। छत्तीसगढ़ में स्मार्ट मीटर और लगातार बिजली कटौती को लेकर कांग्रेस ने सरकार के खिलाफ बड़े आंदोलन के संकेत दिए हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने आरोप लगाया कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद लोगों के बिजली बिल अचानक बढ़ गए हैं और कई उपभोक्ताओं को इस महीने तीन गुना तक अधिक बिल मिला है।

दीपक बैज ने कहा कि स्मार्ट मीटर बिजली खपत से अधिक रीडिंग दिखा रहे हैं, जिससे आम जनता परेशान है। उन्होंने मांग की कि जिस तरह उत्तर प्रदेश में स्मार्ट मीटर वापस लेने का फैसला हुआ है, उसी तरह छत्तीसगढ़ में भी इसे हटाया जाए।

कांग्रेस ने स्मार्ट मीटर के विरोध में प्रदेशव्यापी आंदोलन की घोषणा की है। दीपक बैज ने कहा कि पार्टी गांव-गांव और शहरों में लोगों के बीच जाएगी और इस मुद्दे को लेकर जन आंदोलन खड़ा करेगी।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने अघोषित बिजली कटौती को लेकर भी भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम में शहर से लेकर गांव तक लोग घंटों बिजली कटौती झेल रहे हैं।

पहले छत्तीसगढ़ बिजली सरप्लस राज्य माना जाता था, लेकिन अब हालात ऐसे हो गए हैं कि रोज कई घंटे बिजली बंद रहती है। रात के समय स्थिति और खराब हो जाती है।

कांग्रेस का आरोप है कि सरकार न तो लगातार बिजली दे पा रही है और न ही व्यवस्था संभाल पा रही है। कई इलाकों में लो वोल्टेज की समस्या भी बनी हुई है।

जनसुविधाओं पर मंत्री राजेश अग्रवाल का फोकस : मानसून पूर्व सड़क, बिजली और पेयजल व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश

रायपुर। छत्तीसगढ़ के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने शुक्रवार को सरगुजा जिले में आमजन से जुड़ी मूलभूत सुविधाओं की स्थिति की गहन समीक्षा की। जिला पंचायत अंबिकापुर के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष में आयोजित इस उच्च स्तरीय बैठक में आगामी मानसून को ध्यान में रखते हुए सड़क, बिजली, पेयजल, जलनिकासी, सफाई व्यवस्था तथा शहरी अधोसंरचना से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। मंत्री राजेश अग्रवाल ने अधिकारियों को हिदायत दी कि जनहित के मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रशासनिक अमला पूरी संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ कार्य करे, ताकि आगामी वर्षा ऋतु में आम नागरिकों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

बैठक में मंत्री अग्रवाल ने स्पष्ट किया कि प्रदेश सरकार 'सबका साथ, सबका विकास' की भावना के साथ अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक विकास पहुंचाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए मानसून पूर्व सभी आवश्यक निर्माण, मरम्मत एवं सुधार कार्य समय-सीमा में पूर्ण करने के कड़े निर्देश दिए। इस बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विनय कुमार अग्रवाल, नगर निगम आयुक्त डी.एन. कश्यप सहित लोक निर्माण विभाग, विद्युत विभाग और राष्ट्रीय राजमार्ग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

बिजली व्यवस्था में सुधार हेतु सख्त निर्देश

जिले की विद्युत व्यवस्था की समीक्षा करते हुए मंत्री अग्रवाल ने बिजली कटौती, ट्रांसफार्मर सुधार और लो-वोल्टेज की स्थिति की जानकारी ली और निम्नलिखित निर्देश दिए। अंबिकापुर शहर में प्रस्तावित 05 नए सब-स्टेशनों के लिए नगर निगम को अग्रिम आधिपत्य (भूमि आवंटन) की प्रक्रिया तेज करने को कहा गया।

हिस्ट्रीशीटर-गांजा तस्कर रवि की 7.66 करोड़ की संपत्ति सीज

रायपुर में पत्नी-मां-बेटे के नाम खरीदी 16 प्रॉपर्टी, आरोपी पर कुल 55 केस

रायपुर। रायपुर पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर और गांजा तस्कर रवि साहू की 7 करोड़ 66 लाख की चल-अचल संपत्तियां सीज कर दी है। आरोपी ने पत्नी, मां और बेटे के नाम 16 प्रॉपर्टी खरीदी थी, जिसमें कृषि भूमि, मकान, प्लॉट, भवन और कमर्शियल वाहन शामिल हैं।

सक्षम अधिकारी मुंबई ने संपत्तियों को फ्रीज करने के आदेश को कन्फर्म कर दिया है। यह कार्रवाई SAFEMA और NDPS एक्ट के तहत की गई है। वहीं रायपुर पुलिस कमिश्नरेट में हृष्क्क एक्ट के तहत यह पहली बड़ी वित्तीय कार्रवाई मानी जा रही है।

गांजा तस्कर रवि साहू की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने पैदल जुलूस भी निकाला था। गांजा तस्कर रवि साहू की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने पैदल जुलूस भी निकाला था।

10 साल की सजा सुना चुका है कोर्ट

पुलिस के मुताबिक रवि साहू गांधीनगर कालीबाड़ी इलाके का रहने वाला है। 17 किलो 882 ग्राम गांजा तस्करी मामले में विशेष NDPS कोर्ट उसे पहले ही 10 साल के सश्रम कारावास और 1 लाख रुपए जुर्माने की सजा सुना चुकी है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार रवि साहू के खिलाफ प्रदेश के अलग-अलग थानों में कुल 55 आपराधिक मामले दर्ज हैं। वह लंबे समय से रायपुर समेत कई जिलों में गांजा तस्करी का नेटवर्क चला रहा था। जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी रवि साहू ने अवैध कमाई से अपनी पत्नी शशि साहू, मां और बेटे के नाम पर करोड़ों की संपत्तियां खरीदी थीं। इनमें रायपुर और अभनपुर क्षेत्र की कृषि भूमि, मकान, प्लॉट, भवन और कमर्शियल वाहन शामिल हैं। वित्तीय जांच में इन संपत्तियों का मूल्य आरोपी की वैध आय से कहीं ज्यादा पाया गया। इसके बाद पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट की धारा 68स्न के तहत संपत्तियों को फ्रीज करने का प्रस्ताव SAFEMA कोर्ट मुंबई भेजा था। ऑनलाइन सुनवाई के दौरान आरोपी पक्ष संपत्तियों के संबंध में संतोषजनक जवाब नहीं दे सका।

पुलिस ने कुल 16 संपत्तियों को सीज किया है। अब सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के बिना इन संपत्तियों की खरीद-बिक्री या ट्रांसफर नहीं किया जा सकेगा। डीसीपी सेंट्रल उमेश गुप्ता ने कहा कि नशे के कारोबारियों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

रायपुर में सराफा कारोबारी ने किया आत्महत्या

डायरी में बेटे की याद का जिक्र, बेटे-पत्नी की एक साल पहले हो चुकी थी मौत

रायपुर। राजधानी रायपुर के कोतवाली थाना क्षेत्र में रहने वाले सराफा कारोबारी ने गुरुवार शाम फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार कारोबारी का नाम प्रवाल सोनी है। घर से पुलिस को एक डायरी भी मिली है, जिसमें उन्होंने अपने दिवंगत बेटे की याद आने का जिक्र किया है। बता दें कि कारोबारी की पत्नी और बेटे की मौत करीब एक साल पहले हो चुकी है।

कोतवाली पुलिस के अनुसार कारोबारी प्रवाल सोनी अपने पिता अशोक पोद्दार के साथ 'श्री ज्वेलर्स' नामक सराफा दुकान का संचालन करते थे। गुरुवार रात उनके परिजनों ने फोन कर प्रवाल सोनी के आत्महत्या किए जाने की सूचना पुलिस को दी।

शुरुआती जांच में मामला पारिवारिक सदमे और लंबे समय से चले आ रहे मानसिक तनाव से जुड़ा हुआ माना जा रहा है। बताया जा रहा है कि प्रवाल सोनी पिछले एक साल से गहरे मानसिक अवसाद में थे।

दरअसल, प्रवाल के 12 साल के बेटे की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। बेटे की मौत के कुछ समय बाद ही उनकी पत्नी सोना सोनी ने भी आत्महत्या कर ली थी। इन दोनों घटनाओं के बाद से प्रवाल पूरी तरह टूट गए थे।

कारोबारी की पत्नी ने सुसाइड किया था, मायके पक्ष ने आरोप लगाया था।

करीब 18 साल पहले उनकी शादी तखतपुर निवासी सोना सोनी से हुई थी। परिवार में दो बेटे थे। छोटे बेटे की अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद मौत हो गई थी। उस समय फूड पॉइजनिंग की आशंका जताई गई थी।

संपादकीय

तेल संकट की आंच में झुलसती भारतीय अर्थव्यवस्था

महेन्द्र तिवारी

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और होर्मुज स्ट्रेट में पैदा हुए संकट ने पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को अस्थिर कर दिया है। अमेरिका और ईरान के बीच टकराव ने जिस तरह वैश्विक ऊर्जा बाजार को प्रभावित किया है, उसका असर अब केवल युद्ध क्षेत्र तक सीमित नहीं रहा। तेल और गैस की सप्लाई पर संकट गहराने से दुनिया भर के देशों की आर्थिक व्यवस्था दबाव में आ गई है। सबसे अधिक चिंता उन देशों को है जो अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए आयात पर निर्भर हैं। भारत भी उन्हीं देशों में शामिल है। भारत अपनी कुल जरूरत का लगभग 85 प्रतिशत कच्चा तेल विदेशों से खरीदता है। यही वजह है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें बढ़ते ही भारतीय अर्थव्यवस्था पर उसका सीधा असर दिखाई देने लगता है। हाल के दिनों में कई वैश्विक एजेंसियों और आर्थिक संस्थानों ने चेतावनी दी है कि यदि पश्चिम एशिया का तनाव लंबे समय तक जारी रहा तो भारत के लिए आर्थिक हालात मुश्किल हो सकते हैं।

रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने अपनी रिपोर्ट 'ऑयल्स नॉट वेल' में स्पष्ट कहा है कि वित्त वर्ष 2027 में भारत का तेल व्यापार घाटा खतरनाक स्तर तक पहुंच सकता है। रिपोर्ट के अनुसार भारत की बढ़ती आयात निर्भरता, कमजोर पड़ते पेट्रोलियम निर्यात और लगातार महंगे हो रहे कच्चे तेल के कारण बाहरी आर्थिक संतुलन बिगड़ने की आशंका है। क्रिसिल का अनुमान है कि वित्त वर्ष 2027 में ब्रेंट क्रूड की औसत कीमत 90 से 95 डॉलर प्रति बैरल के बीच रह सकती है, जबकि पिछले वित्त वर्ष में यह औसत लगभग 70.3 डॉलर प्रति बैरल था। यह अंतर अपने आप में बताता है कि भारत के आयात बिल पर कितना अतिरिक्त बोझ बढ़ने वाला है।

भारत के सामने सबसे बड़ी समस्या यह है कि घरेलू उत्पादन लगातार मांग के मुकाबले बहुत कम है। पिछले एक दशक में भारत का तेल आयात तेजी से बढ़ा है। वित्त वर्ष 2014 में जहां भारत लगभग 190 मिलियन टन तेल आयात करता था, वहीं वित्त वर्ष 2026 तक यह आंकड़ा 300 मिलियन टन से ऊपर पहुंच गया। इसके उलट रिफाइंड पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात लगभग स्थिर बना रहा। कोविड काल के बाद थोड़ी तेजी जरूर आई, लेकिन पिछले दो वित्त वर्षों में निर्यात फिर कमजोर पड़ गया। इसका मतलब यह है कि भारत लगातार ज्यादा तेल खरीद रहा है लेकिन उससे जुड़ी कमाई उसी अनुपात में नहीं बढ़ रही। यही वजह है कि व्यापार घाटा लगातार बढ़ता जा रहा है।

तेल संकट का असर केवल आयात बिल तक सीमित नहीं रहता। इसका प्रभाव देश की पूरी अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। तेल महंगा होने से परिवहन लागत बढ़ती है। माल ढुलाई महंगी होती है। उद्योगों का उत्पादन खर्च बढ़ता है। बिजली उत्पादन पर असर पड़ता है। इसका सीधा असर खाद्य पदार्थों और रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतों पर दिखाई देता है। महंगाई बढ़ने लगती है और आम आदमी की जेब पर बोझ बढ़ जाता है। यही कारण है कि आर्थिक विशेषज्ञों ने वित्त वर्ष 2027 में भारत में महंगाई दर 5 प्रतिशत से ऊपर जाने की आशंका जताई है। जब महंगाई बढ़ती है तो रिजर्व बैंक पर ब्याज दरें ऊंची रखने का दबाव बढ़ जाता है और इसका असर निवेश तथा रोजगार पर भी पड़ता है।

भारत की विकास दर पर भी इसका नकारात्मक असर पड़ सकता है। कई अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों ने भारत की जीडीपी वृद्धि दर के अनुमान में कटौती की है। पहले जहां मजबूत विकास की उम्मीद जताई जा रही थी, वहीं अब वैश्विक ऊर्जा संकट के कारण विकास दर कमजोर पड़ने की आशंका बढ़ गई है। महंगा तेल उद्योगों की लागत बढ़ा देता है और उपभोक्ताओं की क्रय क्षमता घटा देता है। इससे बाजार की मांग कमजोर होती है और आर्थिक गतिविधियां धीमी पड़ जाती हैं। अगर लंबे समय तक तेल की कीमतें ऊंची बनी रहीं तो सरकार के लिए विकास और महंगाई के बीच संतुलन बनाना कठिन हो जाएगा। भारत के चालू खाता घाटे पर भी इसका गहरा असर पड़ सकता है। क्रिसिल ने अनुमान लगाया है कि वित्त वर्ष 2027 में भारत का चालू खाता घाटा जीडीपी के 2.2 प्रतिशत तक पहुंच सकता है, जबकि पिछले वित्त वर्ष में यह लगभग 0.8 प्रतिशत था। चालू खाता घाटा बढ़ने का अर्थ यह है कि देश से विदेशी मुद्रा का बहिर्गमन तेजी से बढ़ रहा है। इससे रुपये पर दबाव बढ़ता है और विदेशी निवेशकों का भरोसा भी प्रभावित हो सकता है। यदि डॉलर के मुकाबले रुपया और कमजोर होता है तो आयात और महंगा हो जाएगा, जिससे महंगाई का संकट और गहरा सकता है। एक और चिंता पश्चिम एशिया से आने वाली भारतीयों की कमाई को लेकर भी है। खाड़ी देशों में बड़ी संख्या में भारतीय काम करते हैं और वहां से भारत को हर साल भारी मात्रा में विदेशी मुद्रा मिलती है। यदि पश्चिम एशिया की अर्थव्यवस्थाएं युद्ध और तेल संकट से प्रभावित होती हैं तो वहां रोजगार और आय पर असर पड़ सकता है। इसका सीधा असर भारत आने वाली विदेशी मुद्रा पर पड़ेगा। इससे भारत की बाहरी आर्थिक स्थिति और कमजोर हो सकती है। हालांकि भारत सरकार स्थिति से निपटने के लिए कई प्रयास कर रही है। रूस, अमेरिका और अफ्रीकी देशों से तेल खरीद बढ़ाने की कोशिश की जा रही है। रणनीतिक तेल भंडार को मजबूत करने पर भी ध्यान दिया जा रहा है।

कॉकरोच से क्रांति तक डिजिटल युग में लोकतांत्रिक असहमति का नया स्वर

– डॉ. प्रियंका सौरभ

भारतीय लोकतंत्र में असहमति व्यक्त करने के तरीके समय के साथ बदलते रहे हैं। कभी स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान सत्याग्रह और धरने राजनीतिक प्रतिरोध के प्रमुख माध्यम थे, तो कभी साहित्य, रंगमंच और पत्रकारिता ने सत्ता से सवाल पूछने का कार्य किया। इक्कीसवीं सदी के तीसरे दशक में प्रवेश करते हुए यह परिदृश्य एक बार फिर बदलता दिखाई दे रहा है। आज सोशल मीडिया, मीम्स, व्यंग्य और डिजिटल अभियानों ने राजनीतिक अभिव्यक्ति के नए मंच तैयार कर दिए हैं। युवा पीढ़ी अब केवल सभाओं, रैलियों और ज्ञापनों तक सीमित नहीं है; वह अपने विचारों को इंटरनेट की दुनिया में नए प्रतीकों और नई भाषा के माध्यम से सामने ला रही है। मई 2026 में अचानक चर्चा में आई 'कॉकरोच जनता पार्टी' इसी बदलते राजनीतिक और सामाजिक यथार्थ का एक महत्वपूर्ण उदाहरण है।

पहली दृष्टि में यह एक हास्यास्पद नाम प्रतीत होता है। किसी राजनीतिक दल या आंदोलन का नाम 'कॉकरोच' रखना सामान्य नहीं माना जा सकता। लेकिन राजनीति में प्रतीकों का महत्व हमेशा से रहा है। कई बार जो शब्द अपमान के लिए प्रयुक्त किए जाते हैं, वही प्रतिरोध और पहचान के प्रतीक बन जाते हैं। इतिहास में ऐसे अनेक उदाहरण मिलते हैं जब समाज के किसी वर्ग ने अपने ऊपर लगाए गए नकारात्मक विशेषणों को ही अपनी शक्ति में बदल दिया। कॉकरोच जनता पार्टी का उदय भी इसी प्रवृत्ति को दर्शाता है। यह केवल एक नाम नहीं, बल्कि उस मानसिकता के विरुद्ध व्यंग्यात्मक प्रतिक्रिया है जिसे युवा अपने प्रति उपेक्षापूर्ण मानते हैं।

इस पूरे घटनाक्रम की शुरुआत एक न्यायिक टिप्पणी को लेकर उत्पन्न विवाद से हुई। सोशल मीडिया पर यह धारणा तेजी से फैली कि बेरोजगार युवाओं की तुलना कॉकरोच से की गई है। यद्यपि बाद में इस टिप्पणी के संदर्भ को लेकर स्पष्टीकरण भी सामने आए, लेकिन तब तक स्थिति बदल चुकी थी। युवाओं के एक बड़े वर्ग ने इस शब्द को अपने अपमान के प्रतीक के रूप में ग्रहण किया और फिर उसी को प्रतिरोध के प्रतीक में बदल दिया। यह वही प्रक्रिया है जिसे आधुनिक राजनीतिक सिद्धांत में 'रीक्लेमिंग द नैरेटिव' कहा जाता है—अर्थात जिस शब्द या पहचान का इस्तेमाल आपको कमजोर करने के लिए किया गया हो, उसे अपनी ताकत में बदल देना।

सोशल मीडिया के युग में किसी विचार को जनांदोलन का रूप लेने में अब महीनों या वर्षों की आवश्यकता नहीं होती। कुछ घंटे और कुछ वायरल पोस्ट ही पर्याप्त होते हैं। कॉकरोच जनता पार्टी का उदय इसी डिजिटल युग की देन है। पूर्व राजनीतिक सोशल मीडिया कार्यकर्ता अभिजीत दीपके द्वारा इसकी घोषणा किए जाने के बाद देखते ही देखते लाखों लोग इससे जुड़ने लगे। इंस्टाग्राम, एक्स और अन्य प्लेटफॉर्मों पर इसके समर्थन में बड़ी संख्या में पोस्ट, मीम्स और

वीडियो साझा किए जाने लगे। यह स्पष्ट संकेत था कि यह केवल एक मजाक नहीं है, बल्कि युवाओं के भीतर मौजूद किसी गहरी बेचैनी और असंतोष की अभिव्यक्ति है।

भारत आज दुनिया की सबसे युवा आबादी वाले देशों में से एक है। यह जनसांख्यिकीय स्थिति देश के लिए अवसर भी है और चुनौती भी। अवसर इसलिए क्योंकि युवा ऊर्जा विकास की गति को तेज कर सकती है, और चुनौती इसलिए क्योंकि यदि इस ऊर्जा को सही दिशा न मिले तो असंतोष और निराशा बढ़ सकती है। पिछले कुछ वर्षों में रोजगार का प्रश्न भारतीय युवाओं के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बनकर उभरा है। लाखों छात्र वर्षों तक प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं, लेकिन भर्तियों में देरी, पेपर लीक, सीमित पदों और प्रशासनिक जटिलताओं के कारण उनका भविष्य अनिश्चित बना रहता है। निजी क्षेत्र में भी रोजगार की गुणवत्ता और स्थिरता को लेकर अनेक प्रश्न मौजूद हैं। ऐसे में युवाओं के भीतर व्यवस्था के प्रति असंतोष बढ़ना स्वाभाविक है।

कॉकरोच जनता पार्टी की लोकप्रियता को इसी संदर्भ में समझना होगा। यह आंदोलन केवल एक टिप्पणी की प्रतिक्रिया नहीं है। यह उस व्यापक मनोदशा का परिणाम है जो लंबे समय से बन रही थी। बेरोजगारी, महंगाई, बढ़ती प्रतिस्पर्धा, मानसिक तनाव, सामाजिक अपेक्षाएँ और भविष्य की अनिश्चितता—इन सभी कारकों ने युवाओं के भीतर एक ऐसी बेचैनी पैदा की है जिसे पारंपरिक राजनीति पर्याप्त रूप से संबोधित नहीं कर सकी। इसलिए जब उन्हें एक ऐसा मंच मिला जहाँ वे व्यंग्य और हास्य के माध्यम से अपनी बात कह सकते थे, तो उन्होंने उसे हाथोंहाथ स्वीकार कर लिया।

इस आंदोलन की सबसे दिलचस्प विशेषता इसका व्यंग्यात्मक स्वर है। इसकी टैगलाइन 'ड्ढश्ठ्ठद्भ श्द्ध ह्लद्धद्ग स्नह्व54 ड्डठ्ठस्र ठ्ठद्गद्वश्चद्यश्र4द्गस्र' अर्थात 'आलसी और बेरोजगारों की आवाज़' सुनने में हास्यास्पद लग सकती है, लेकिन इसके भीतर गहरा राजनीतिक संदेश छिपा है। यह उस सोच पर सीधा प्रहार करती है जिसमें बेरोजगारी को अक्सर व्यक्ति की असफलता या आलस्य का परिणाम मान लिया जाता है। वास्तविकता यह है कि रोजगार का प्रश्न केवल व्यक्तिगत प्रयास का नहीं, बल्कि आर्थिक नीतियों, शिक्षा व्यवस्था, औद्योगिक विकास और प्रशासनिक दक्षता से भी जुड़ा हुआ है। जब लाखों योग्य युवा नौकरी पाने के लिए संघर्ष कर रहे हों, तब पूरी समस्या का दोष केवल उन पर डाल देना उचित नहीं कहा जा सकता।

कॉकरोच जनता पार्टी द्वारा जारी घोषणापत्र भी इस आंदोलन की गंभीरता को रेखांकित करता है। पहली मांग रोजगार और बेरोजगारी से संबंधित है, जो दर्शाती है कि यह मुद्दा युवाओं की प्राथमिक चिंता है। दूसरी मांग 'आलस्य के अधिकार' जैसी व्यंग्यात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से आधुनिक जीवन की प्रतिस्पर्धात्मक संस्कृति पर सवाल उठाती है। आज का युवा लगातार प्रदर्शन, सफलता और उपलब्धि के दबाव में जी रहा है। सोशल मीडिया ने इस दबाव को और बढ़ा दिया है, जहाँ हर व्यक्ति स्वयं की तुलना दूसरों से करता रहता है। ऐसे माहौल में यह मांग वास्तव में मानसिक स्वास्थ्य, जीवन की गुणवत्ता और मानवीय गरिमा के प्रश्न को सामने लाती है।

घोषणापत्र की तीसरी मांग राजनीति में महिलाओं के अधिक प्रतिनिधित्व की बात करती है। यह महत्वपूर्ण है कि एक व्यंग्यात्मक आंदोलन भी लैंगिक समानता जैसे गंभीर विषय को अपने एजेंडे में स्थान देता है। चौथी मांग मीडिया की जवाबदेही से जुड़ी है। आज मीडिया की भूमिका को लेकर समाज में व्यापक बहस चल रही है। एक बड़ा वर्ग मानता है कि मीडिया का एक हिस्सा जनसरोकारों की अपेक्षा राजनीतिक और कॉर्पोरेट हितों को अधिक महत्व देता है। युवाओं के बीच यह भावना और अधिक प्रबल है क्योंकि वे अपनी समस्याओं को मुख्यधारा के विमर्श में पर्याप्त स्थान नहीं पाते। पाँचवीं मांग दलबदल की राजनीति पर रोक लगाने से संबंधित है, जो भारतीय लोकतंत्र की एक पुरानी समस्या रही है। इस प्रकार यह स्पष्ट है कि व्यंग्य के आवरण में प्रस्तुत यह घोषणापत्र वास्तव में गंभीर राजनीतिक प्रश्नों को सामने लाता है। इस आंदोलन का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि यह राजनीति की भाषा को बदलता है। पारंपरिक राजनीति अक्सर गंभीर भाषणों, जटिल घोषणापत्रों और औपचारिक संवाद पर आधारित होती है।

राजनीति सनातन विरोध की बजाय आममुद्दों पर केंद्रित हो

यह भी सत्य है कि अनेक विपक्षी दल स्वयं को सनातन विरोधी नहीं, बल्कि सामाजिक कुरीतियों, जातिवाद और भेदभाव के विरोधी बताते हैं। उनका तर्क है कि वे सामाजिक न्याय और संवैधानिक मूल्यों की बात करते हैं। यह दृष्टि लोकतंत्र में स्वीकार्य है, क्योंकि हर परंपरा में आत्मसमीक्षा और सुधार की आवश्यकता होती है।

भारतीय राजनीति के वर्तमान परिदृश्य में एक ऐसा विमर्श लगातार उभर रहा है, जिसने राजनीतिक बहस को विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक न्याय जैसे मूल प्रश्नों से हटाकर धार्मिक पहचान और आस्था के इर्द-गिर्द खड़ा कर दिया है। यह विमर्श है-सनातन समर्थन बनाम सनातन विरोध। आज देश में एक ओर सनातन संस्कृति को भारतीय जीवन का शाश्वत आधार मानने वाली शक्तियां हैं, तो दूसरी ओर कुछ राजनीतिक वक्तव्य और प्रवृत्तियां ऐसी दिखती हैं जिन्हें जनमानस सनातन विरोध के रूप में देखता है। प्रश्न यह नहीं कि किसी विचारधारा से सहमति या असहमति क्यों है, बल्कि प्रश्न यह है कि क्या राजनीति का केंद्र धर्म होना चाहिए या जनजीवन के वास्तविक मुद्दे? भारत का लोकतंत्र धर्मनिरपेक्ष संविधान पर आधारित है, जहां राज्य का कार्य किसी धर्म का पक्ष या विरोध नहीं, बल्कि सभी नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करना है। राजनीतिक दलों का दायित्व भी यही होना चाहिए कि वे जनता की समस्याओं, विकास और राष्ट्रीय एकता को प्राथमिकता दें। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में धार्मिक विमर्श राजनीति का बड़ा केंद्र बन गया है।

सनातन केवल एक धार्मिक शब्द नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता की सांस्कृतिक चेतना, जीवन-दर्शन और मूल्य परंपरा का प्रतीक है। 'सत्यं वद, धर्मं चर', 'वसुधैव कुटुम्बकम्', 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' जैसे सूत्र इसी सनातन दृष्टि के अंग हैं। इसलिए जब कोई राजनीतिक वक्तव्य सनातन को लेकर अपमानजनक या आक्रामक भाषा का उपयोग करता है, तो उसका प्रभाव केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और भावनात्मक स्तर पर भी पड़ता है। तमिलनाडु में द्रमुक नेता उदयनिधि स्टालिन द्वारा सनातन धर्म की तुलना बीमारी से करने वाला वक्तव्य इसी कारण व्यापक विवाद का कारण बना। विपक्ष के अनेक दलों ने उससे दूरी बनाने का प्रयास किया, क्योंकि यह स्पष्ट था कि भारत जैसे देश में करोड़ों लोगों की आस्था को आहत करने वाला कथन राजनीतिक रूप से भी असहज स्थिति उत्पन्न करेगा। यहां यह समझना आवश्यक है कि द्रविड़ आंदोलन की अपनी ऐतिहासिक और सामाजिक पृष्ठभूमि रही है। उसका मूल संघर्ष सामाजिक विषमताओं और जातीय वर्चस्व के विरुद्ध था। लेकिन जब सामाजिक सुधार का विमर्श पूरे धर्म या संस्कृति के विरोध जैसा प्रतीत होने लगे, तब वह जनस्वीकृति खो देता है।

यह भी सत्य है कि अनेक विपक्षी दल स्वयं को सनातन विरोधी नहीं, बल्कि सामाजिक कुरीतियों, जातिवाद और भेदभाव के विरोधी बताते हैं। उनका तर्क है कि वे सामाजिक न्याय और संवैधानिक मूल्यों की बात करते हैं। यह दृष्टि लोकतंत्र में स्वीकार्य है, क्योंकि हर परंपरा में आत्मसमीक्षा और सुधार की आवश्यकता होती है। स्वयं भारतीय दर्शन में भी संवाद, बहस और आत्मचिंतन की परंपरा रही है। बुद्ध, महावीर, कबीर, नानक, दयानंद और गांधी-सभी ने समाज की विसंगतियों पर प्रश्न उठाए, लेकिन उन्होंने समाज को तोड़ने नहीं, सुधारने का मार्ग चुना। समस्या तब उत्पन्न होती है जब राजनीतिक भाषा संतुलन खो देती है। जब आलोचना सुधार की जगह अस्वीकार की भाषा बन जाती है, तब वह समाज में ध्रुवीकरण को जन्म देती है। भारत जैसे बहुलतावादी देश में यह प्रवृत्ति लोकतांत्रिक स्वास्थ्य के लिए उचित नहीं कही जा सकती। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में भारतीय राजनीति में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और हिंदुत्व का विमर्श अधिक प्रभावी होकर उभरा है। राम मंदिर निर्माण, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, महाकाल लोक, सांस्कृतिक धरोहरों के पुनरुत्थान जैसे विषयों ने एक बड़े वर्ग में सांस्कृतिक आत्मविश्वास को मजबूत किया है। इससे भारतीय जनता पार्टी को राजनीतिक लाभ भी मिला। दूसरी ओर विपक्षी दल इस बदलते राजनीतिक मानस को समझने में कई बार असहज दिखाई दिए। कहीं उन्होंने धर्मनिरपेक्षता और आस्था के बीच संतुलन बनाने में चूक की, तो कहीं उनके कुछ नेताओं के बयान उन्हें कठिन स्थिति में ले आए। उत्तर प्रदेश से लेकर पश्चिम बंगाल तक चुनावी राजनीति में यह देखा गया कि केवल जातीय समीकरण या पारंपरिक वोट बैंक अब पर्याप्त नहीं हैं। जनता सांस्कृतिक पहचान, विकास और राष्ट्रीय विमर्श को भी महत्व देने लगी है। ऐसे में यदि कोई दल हिंदू आस्था के प्रति असंवेदनशील दिखता है, तो उसका राजनीतिक प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है। लेकिन इस पूरे विमर्श का दूसरा पक्ष भी है। क्या राजनीति का उद्देश्य केवल धार्मिक पहचान के आधार पर समर्थन जुटाना होना चाहिए? क्या देश के सामने मौजूद बेरोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, कृषि संकट, आर्थिक असमानता और सामाजिक विघटन जैसे प्रश्न पीछे छूट जाने चाहिए? यह चिंता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है।

बोध कथा

मिट्टी के दीये

एक बार एक गाँव में एक वृद्ध कुम्हार रहता था। उसके बनाए दीये पूरे राज्य में प्रसिद्ध थे। एक दिन, एक युवा दीया अहंकार में भर गया और बोला, 'मैं पूरे घर को रोशन करता हूँ। सूरज ढलते ही लोग मेरा ही इंतजार करते हैं।' बुजुर्ग कुम्हार ने मुस्कुराते हुए कहा, 'बेटा, तुम्हारा घमंड ही तुम्हारी रोशनी छीन सकता है।' उसी शाम एक तेज हवा का झोंका आया। युवा दीया बुझ गया, लेकिन एक साधारण, छोटा दीया हवा से बचने के लिए कोने में छिपकर जलता रहा और पूरी रात घर को रोशन करता रहा।सीख:अहंकार व्यक्ति के पतन का कारण बनता है। जो विनम्र और जमीन से जुड़े होते हैं, वे विपरीत परिस्थितियों में भी टिके रहते हैं। सीख:अहंकार व्यक्ति के पतन का कारण बनता है। जो विनम्र और जमीन से जुड़े होते हैं, वे विपरीत परिस्थितियों में भी टिके रहते हैं।

तीर तेवर —— सागर कुमार

व्यंग्य केसरी

कॉकरोच जनता पार्टी!

जैसे घूरे के भी दिन फिरते हैं, उसी तरह इस बार काकरोच के दिन फिर गए हैं.उधर एक बड़का साहब के मुँह से कॉकरोच शब्द क्या निकला, भाई लोगों ने सोशल मीडिया में 'कॉकरोच जनता पार्टी' (काजपा या केजेपी)ही बना डाली.

राजनीति में पार्टियां आती हैं, पार्टियां जाती हैं। सरकारें बदलती हैं, विचारधाराएं बदलती हैं। लेकिन इस ब्रह्मांड में एक ऐसी राजनीतिक शक्ति है जो डायनासोर के जमाने से आज के कलयुग तक अडिग, अविनाशी और अमर खड़ी है और वो है — 'कॉकरोच जनता पार्टी'!

?इनका चुनावी सिंबल हो सकता है एक जोड़ी चप्पल', जिसका सामना करने का साहस आज तक कोई माई का लाल नहीं कर पाया। आइए! इस महान और 'अमर' पार्टी की कार्यप्रणाली पर एक खोजी नजर डालते हैं. ?जहाँ अन्य दल राष्ट्रवाद, समाजवाद या पूंजीवाद के चक्कर में अपनी सरकारें गंवा बैठते हैं, वहीं 'कॉकरोच जनता पार्टी' की

इकलौती विचारधारा है घूरावाद. जिंदा रहो और रेंगते रहो।

इनके पास गजब का राजनीतिक लचीलापन होगा । ये किचन के सिंक के नीचे वामपंथी नजर आएंगे, कल बेडरूम के कोने में दक्षिणपंथी हो जाएंगे, और अगर डाइनिंग टेबल पर केक का टुकड़ा दिख जाए, तो तुरंत घोर अवसरवादी बनकर गठबंधन कर लेंगे।

दुनिया की बड़ी से बड़ी पार्टियां एक छोटे से घोटाले या आंतरिक कलह से बिखर जाती हैं। लेकिन काजपा बनी रहेगी. इतिहास गवाह है, दुनिया में चाहे परमाणु युद्ध हो जाए या डायनासोर मिटाने वाला उल्कापिंड गिर जाए, 'कॉकरोच जनता पार्टी' का कार्यकर्ता मलबे से बाहर निकलेगा, अपने पंख फड़फड़ाएगा और कहेगा— 'चलो, अब विपक्ष की बैठक बुलाते हैं।'

इन्हें न 'हिट' स्प्रे का डर है, न लक्ष्मण रेखा का। ये हर डिक्टेटर और हर लोकतंत्र के साथ 'एडजस्ट' होने की अद्भुत कला जानते हैं. इन का घोषणापत्र हमेशा से जनता (विशेषकर गंदगी) के प्रति समर्पित रहा है। इस बार के मुख्य वादे कुछ इस प्रकार रहेंगे :

हर घर अंधेरा योजना: उजाला होते ही हमारे कार्यकर्ता छिप जाते हैं, इसलिए विकास के नाम पर पूरे शहर की स्ट्रीट लाइटें बंद रखी जाएंगी. ?कचरा संवर्धन योजना: स्वच्छ भारत अभियान का कड़ा विरोध किया जाएगा। हर नाले और डस्टबिन को 'हेरिटेज साइट' घोषित किया जाएगा ?.फ्लाइंग स्क्वाड का गठन: अचानक उड़कर सीधे जनता के चेहरे या शर्ट पर लैंड करने वाले 'विशेष कमांडो' तैयार किए जाएंगे, ताकि जनता में हमेशा इनका खौफ (और सम्मान) बना रहे.

इस पार्टी में कोई आंतरिक चुनाव नहीं होंगे., न ही कोई टिकट के लिए लड़ेगा । जहाँ एक कबाड़ या पुरानी दराज दिखी, वहीं इनका नया प्रांतीय कार्यालय खुल जाएगा । एक ही रात में ये अपनी आबादी बढ़ा लेंगे । इनके संगठन को देखकर बड़े-बड़े चुनावी रणनीतिकार भी सिर पकड़ लेंगे हैं कि आखिर इस 'मास मोबिलाइजेशन' का राज क्या है!

कॉकरोच जनता पार्टी' एक संदेश है कि राजनीति में ऊंचे सिद्धांतों की नहीं, बल्कि 'मोटी चमड़ी' और 'कहीं भी फिट हो जाने' की जरूरत होती है। जब तक इस देश में गंदे बर्तन, बिना धुले सिंक और अंधेरे कोने रहेंगे, केजेपी का परचम ऐसे ही लहराता (या यूं कहें, फड़फड़ाता) रहेगा।

इतिहास

ग्रेगोरी कैलंडर के अनुसार 23 जुलाई वर्ष का 204 वाँ (लीप वर्ष में यह 205 वाँ) दिन है। साल में अभी और 161 दिन शेष हैं।

23 जुलाई की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

1998 – सं.रा. अमेरिका ने सात भारतीय वैज्ञानिकों को देश छोड़ने के लिए आदेश दिया।

1999 – मोरक्को के शाह हसन का निधन।

2000 – व्यापक घोषणाओं के साथ नागो में हुए समूह-8 का 26वाँ शिखर सम्मेलन सम्पन्न।

2001 – मेघावती सुकर्णोपूत्री इंडोनेशिया की राष्ट्रपति बनीं।

2005 – मिस्र के शर्म अल-शेख़ और नामा बे के कुछ होटलों में बम विस्फोटों से लगभग 100 लोग मारे गये।

2007 – अफ़ग़ानिस्तान के राष्ट्रपति मुहम्मद जहीरशाह का निधन।

2008 – नेपाल के प्रधानमंत्री गिरिजा प्रसाद कोइराला ने नव निर्वाचित राष्ट्रपति रामबरन यादव को अपना इस्तीफ़ा सौंपा।

23 जुलाई को जन्मे व्यक्ति

1856 – बाल गंगाधर तिलक, गणितज्ञ, दार्शनिक और उग्र राष्ट्रवादी व्यक्ति।

संक्षिप्त खबरें

अधूरी पाइपलाइन और खराब हैंडपंप, पेयजल संकट से जूझ रहे ग्रामीण

मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन योजना जिले में बदहाल नजर आ रही है। कई गांवों में पानी टंकी निर्माण और पाइपलाइन बिछाने का काम वर्षों से अधूरा पड़ा है। बेलरपुर गांव इसकी बड़ी मिसाल बनकर सामने आया है, जहां करीब तीन साल पहले शुरू हुई योजना आज तक पूरी नहीं हो सकी। भीषण गर्मी के बीच गांव के लोग आज भी पेयजल संकट से जूझ रहे हैं। हालात यह हैं कि पूरे गांव के दो मोहल्लों के लिए केवल दो हैंडपंप ही पानी का सहारा बने हुए हैं।

एक हैंडपंप बस्ती के भीतर लगा है, जबकि दूसरा स्कूल परिसर में स्थित है। दोनों में बोरवेल सिस्टम लगाया गया था, लेकिन बस्ती वाले हैंडपंप का बोर सिस्टम लंबे समय से खराब पड़ा है। ग्रामीण हैंडपंप का हैंडल चलाकर मुश्किल से पानी निकाल पा रहे हैं। पानी भरने के लिए रोज लंबी कतार लगती है और लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ता है। दूसरे मोहल्ले के लोग स्कूल परिसर में लगे हैंडपंप पर निर्भर हैं। यहां करीब 500 मीटर तक पाइपलाइन बिछाई गई थी, ताकि पानी बस्ती तक पहुंच सके, लेकिन काम अधूरा छोड़ दिया गया। सड़क किनारे निकले पाइप में अतिरिक्त पाइप जोड़कर ग्रामीण किसी तरह पानी भरने को मजबूर हैं।

मानसिक रूप से विक्षिप्त युवक मालगाड़ी से टकराया

जगदलपुर । जिले के परपा थाना क्षेत्र अंतर्गत कुमार मारेंगा गांव में शुक्रवार सुबह एक युवक मालगाड़ी से टकरा गया। इस हादसे में युवक निलकंठ बघेल को गंभीर चोटें आई है, उसे तत्काल उपचार के लिए मेकॉज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों के अनुसार, घायल युवक की हालत अब स्थिर बताई जा रही है। परिजन घटना की सूचना पर अस्पताल पहुंच गए हैं। पुलिस ने इस मामले में आवश्यक कार्रवाई करते हुए घटना की जांच कर रही है। परपा पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम सरगीपाल के जुनापारा में रहने वाला निलकंठ बघेल 27 वर्ष का है। निलकंठ पिछले दो वर्षों से मानसिक रूप से विक्षिप्त है। उसके परिजन लगातार उसका उपचार करा रहे हैं और उसकी देखभाल करते हैं। रोजाना की तरह आज सुबह भी निलकंठ अपने परिजनों को बिना बताए घर से निकल गया था। वह चलते-चलते रेलवे ट्रैक पर आ गया। सामने से आ रही मालगाड़ी को देखने के बाद भी वह पटरी से नहीं हटा। ट्रेन चालक ने युवक को सामने से आता देखा तो उसे हटने के लिए कई बार इशारा किया। चालक ने जोर-जोर से आवाज भी लगाई ताकि युवक ट्रैक से हट जाए।

धमतरी पुलिस का ऑपरेशन लॉस्ट एंड फाउंड : 151 गुम मोबाइल फोन बरामद, मालिकों को लौटाए गए

धमतरी। धमतरी पुलिस ने अपने विशेष अभियान 'ऑपरेशन लॉस्ट एंड फाउंड' के तहत 151 गुम मोबाइल फोन बरामद किए और उन्हें उनके मालिकों को सौंपा। मोबाइल वापस पाकर लोगों के चेहरे खुशी से खिल उठे। अभियान के दौरान पुलिस ने तकनीकी सहायता और साइबर सेल की मदद से विभिन्न स्थानों से चोरी या गुम हुए मोबाइल फोन ट्रेस कर बरामद किए। बरामद मोबाइल फोन की कुल कीमत लाखों रुपये बताई जा रही है। स्थानीय पुलिस लाइन के कंपोजिट बिल्डिंग में आयोजित कार्यक्रम में कलेक्टर, एसपी और महापौर ने मोबाइल धारकों को उनके फोन सौंपे। इस अवसर पर पुलिस अधिकारियों ने नागरिकों से अपील की कि मोबाइल खो जाने या चोरी होने की स्थिति में तुरंत शिकायत दर्ज कराएं और साइबर पोर्टल का उपयोग करें। स्थानीय लोगों ने पुलिस की इस पहल की सराहना की और इसे जनहित में एक सराहनीय कदम बताया। धमतरी पुलिस का यह अभियान यह साबित करता है कि तकनीक और सतत प्रयासों के माध्यम से लोगों की समस्याओं का प्रभावी समाधान किया जा सकता है।

56 ग्राम पंचायत के सरपंचों ने दिया सामूहिक इस्तीफा

इन पंचायतों को नहीं मिल रहे थे विकास कार्य

कांकेर। कांकेर जिले के अंतागढ़ विकासखंड में 56 ग्राम पंचायतों के सरपंचों ने सामूहिक इस्तीफा दे दिया है। इसका कारण पिछले एक वर्ष से पंचायतों में किसी भी प्रकार के विकास कार्य आवंटित न किए जाने से नाराजगी बताई जा रही है।

सरपंचों ने एसडीएम कार्यालय में जाकर अपने इस्तीफे सौंपे और प्रशासन पर आरोप लगाया कि बीते एक साल से पंचायतों में कोई नया विकास कार्य स्वीकृत नहीं किया गया। उनका कहना है कि इससे गांवों में मूलभूत सुविधाओं से जुड़े कार्य पूरी तरह ठप पड़े हैं। सरपंचों ने कहा, 'लगातार मांग और पत्राचार के बावजूद प्रशासन ने कोई ठोस पहल नहीं की। विकास कार्य न होने के कारण ग्रामीणों में भी भारी नाराजगी है और जनप्रतिनिधियों के लिए जवाब देना मुश्किल हो गया है। इसलिए हमने सामूहिक रूप से इस्तीफा देने का निर्णय लिया।' सरपंचों ने प्रशासन से अपील की है कि जल्द ही पंचायतों में लंबित विकास कार्यों को स्वीकृत किया जाए और योजनाओं को शुरू किया जाए। सामूहिक इस्तीफे की खबर से प्रशासनिक हलकों में हड़कंप मच गया है। अधिकारी अब स्थिति को संभालने और जल्द समाधान निकालने की कोशिश कर रहे हैं।

'नन्हे सितारे समर कैंप' बना आदिवासी बच्चों के सपनों की उड़ान

कांकेर। कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर के निर्देशानुसार एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हरेश मंडावी के मार्गदर्शन में शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित 'नन्हे सितारे फंड एंड लर्न समर कैंप-2026' बच्चों के लिए ज्ञान, प्रेरणा और मनोरंजन का अनूठा संगम बनकर उभर रहा है। समर कैंप के तीसरे दिन दूरस्थ आदिवासी अंचलों से आए बच्चों को जिला मुख्यालय के महत्वपूर्ण संस्थानों का भ्रमण कराया गया, जिससे उनके भीतर नई जिज्ञासा और सपने को साकार करने की ललक दिखाई दी।

कोयलीबेड़ा विकासखंड के ग्राम बड़पारा, पानीडोबीर सहित दूरस्थ गांवों से पहुंचे बच्चों ने पहली बार जिला मुख्यालय के प्रशासनिक एवं शैक्षणिक संस्थानों को नजदीक से देखा। बच्चों ने कलेक्टर कार्यालय, जिला पंचायत कार्यालय, नरहरदेव उत्कृष्ट विद्यालय, मावा मोदोल कोचिंग सेंटर, वित्तीय साक्षरता केंद्र सहित अन्य प्रमुख संस्थानों का अवलोकन किया। अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बच्चों को इन संस्थानों की कार्यप्रणाली उपलब्ध सुविधाओं तथा प्रशासनिक व्यवस्थाओं की जानकारी सरल और रोचक तरीके से दी। भ्रमण के दौरान बच्चों के चेहरे पर उत्साह और आत्मविश्वास स्पष्ट दिखाई दिया।

अब बोतल या ड्रम में नहीं मिलेगा पेट्रोल-डीजल, सरकार ने लगाई रोक

जगदलपुर। राज्य शासन ने राज्य में ईंधन की जमाखोरी और ब्लैक मार्केटिंग को रोकने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा जारी आदेश के तहत अब प्रदेश के भीतर सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों और समानांतर विपणनकर्ता कंपनियों के किसी भी पेट्रोल पंप से ड्रम, बोतल या जेरीकेन में पेट्रोल और डीजल का विक्रय पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दिया गया है।

शासन द्वारा जारी नए निर्देशों के अनुसार रिटेल आउटलेट संचालकों को अब पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति सीधे उपभोक्ताओं के वाहनों की टंकी में ही करनी होगी। सरकार ने इस व्यवस्था को बेहद सख्ती से लागू करने का निर्णय लिया है और साफ कर दिया है कि यदि कोई भी पेट्रोल पंप संचालक इस निर्देश का उल्लंघन करता पाया गया, तो उसे मोटर स्पिरिट और उच्च वेग डीजल (प्रदाय तथा वितरण का विनियमन और अनाचार निवारण) आदेश 2005 के तहत अप्राधिकृत विक्रय माना जाएगा। ऐसी स्थिति में संबंधितों के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के कड़े प्रावधानों के अंतर्गत नियमानुसार प्रकरण दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

आम उपभोक्ताओं के लिए की गई इस कड़ाई के बीच शासन ने यह भी सुनिश्चित किया है कि राज्य के विकास और किसानों के कामकाज पर इसका कोई बुरा असर न पड़े। इसके लिए आदेश में रबी सीजन की फसल कटाई तथा आगामी खरीफ सीजन की तैयारियों के मद्देनजर प्रदेश के किसानों को डीजल की मांग पर विशेष छूट दी गई है। साथ ही जिला कलेक्टर द्वारा चिन्हांकित किए गए ऐसे समस्त शासकीय कार्यों जैसे रेलवे, सड़क निर्माण और भवन निर्माण, जो समय-सीमा के भीतर पूर्ण किए जाने हैं, उन्हें भी इस प्रतिबंध से मुक्त रखा गया है। इसके अतिरिक्त अस्पताल और मोबाइल टॉवर जैसी जिला कलेक्टर द्वारा चिन्हांकित अत्यावश्यक सेवाओं के लिए भी इस नियम में ढील दी गई है।

राहुद में सुशासन तिहार का आयोजन, मौके पर 1428 आवेदनों का किया गया निराकरण

बालोद। सुशासन तिहार 2026 के अंतर्गत बालोद जिले के गुण्डरदेही विकासखण्ड के ग्राम राहुद में गुरुवार को शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ग्राम पंचायत राहुद सहित राहुद कलस्टर में शामिल आसपास के 18 ग्राम पंचायतों के ग्रामीणों को शासन के विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित किया गया।

इसके अंतर्गत गुण्डरदेही विधायक श्री कुंवर सिंह निषाद, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती तारणी पुष्पेन्द्र चंद्राकर, पूर्व विधायक श्री वीरेन्द्र साहू, जनपद अध्यक्ष श्री पुरुषोत्तम चंद्राकर, जनपद उपाध्यक्ष श्री नीतेश मोंटी यादव, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती कांति सोनेश्वर सहित अन्य जनप्रतिनिधि शामिल हुए। इस अवसर पर हितग्राहियों को कृषि विभाग अंतर्गत मृदा स्वास्थ्य कार्ड, मत्स्य पालन प्रसार योजना अंतर्गत जाल एवं आईस बॉक्स का वितरण किया गया। इसी तरह समाज कल्याण विभाग अंतर्गत श्रवण यंत्र एवं छड़ी, स्वामित्व योजना अंतर्गत अधिकार अभिलेख पत्र का वितरण किया गया।

प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत आवास निर्माण पूर्णता प्रमाण पत्र एवं केसीसी कार्ड का वितरण किया। इसके अलावा शिविर में राज्य शासन के निर्देशानुसार दिव्यांगजनों को दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनाने हेतु मेडिकल बोर्ड लगाया गया था। इस दौरान मेडिकल बोर्ड में शामिल विशेषज्ञ चिकित्सकों के द्वारा शिविर में दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनाने पहुँचे दिव्यांगजनों का दिव्यांगता प्रमाण पत्र भी बनाया गया। शिविर में अतिथियों के द्वारा नन्हें-मुन्हें बच्चों को स्वादिष्ट खीर खिलाकर उनका अन्नप्राशन संस्कार कराया गया। इसके अलावा गर्भवती माताओं को सुपोषण किट भेंटकर उनके गोदभराई के रस्म को पूरा किया गया। ग्राम राहुद में आयोजित शिविर में आज विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 1838 आवेदन प्राप्त हुए थे जिसमें से 1428 आवेदनों को मौके पर निराकरण सुनिश्चित किया गया।

बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के तहत महिलाओं को किया गया जागरूक

मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी। प्रदेश में संचालित बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ एवं बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत प्रदेश में लगातार जनजागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी एवं जिला बाल संरक्षण अधिकारी के मार्गदर्शन में बाल विवाह रोकथाम, महिला सुरक्षा और बाल संरक्षण को लेकर व्यापक स्तर पर अभियान चलाया जा रहा है।

इसी क्रम में 21 मई को मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिला के बाल संरक्षण इकाई एवं चाइल्डलाइन की संयुक्त टीम द्वारा वैभव संकुल संगठन दनगढ़ में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं को पॉक्सो एक्ट एवं बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के प्रावधानों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में बताया गया कि बाल विवाह बच्चों के अधिकारों का हनन करने के साथ ही उनके स्वास्थ्य, शिक्षा और भविष्य पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। महिलाओं को जागरूक करते हुए बताया गया कि बालिकाओं की वैधानिक विवाह आयु 18 वर्ष तथा बालकों की 21 वर्ष पूर्ण होने के बाद ही विवाह किया जाना कानूनन मान्य है।

इस दौरान चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, महिला हेल्पलाइन 181 एवं आपातकालीन सेवा 112 की जानकारी देते हुए किसी भी आपात स्थिति या बाल संरक्षण से जुड़ी समस्या की सूचना तत्काल देने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही समाज से बाल विवाह जैसी कुरीति को समाप्त करने में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया गया।

प्रदेश सरकार द्वारा संचालित बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के माध्यम से ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में लगातार जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को बाल अधिकारों, महिला सुरक्षा और कानूनी प्रावधानों के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

'जनजातीय गरिमा उत्सव' : बस्तर मुन्ने कार्यक्रम में हुआ समस्याओं का त्वरित निराकरण

जगदलपुर । शासन की अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुँचाने के संकल्प के साथ आदि सेवा केंद्र घाटलोहंगा में जनजातीय गरिमा उत्सव के अंतर्गत बस्तर मुन्ने कार्यक्रम का आयोजन ग्राम पंचायत भवन के परिसर में किया गया। सबसे दूर, सबसे पहले की प्रेरणादायी थीम पर आधारित यह जनभागीदारी अभियान पूरी तरह से बस्तर और जनजातीय क्षेत्रों के चहुंमुखी विकास के लिए समर्पित रहा।

शासन की मंशानुरूप इस विशेष शिविर में जनजातीय समाज के कल्याण के लिए संचालित शासकीय योजनाओं के व्यवस्थित क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए समस्त विभागों के अधिकारी और कर्मचारी मुस्तैद नजर आए, जिन्होंने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं का त्वरित निराकरण किया। शिविर के दौरान राजस्व विभाग से संबंधित आए विभिन्न मामलों की गंभीरता को देखते हुए पटवारी भरत पटेल ने मौके पर ही उनका समाधान किया, जिससे ग्रामीणों को बड़ी राहत मिली। इसी प्रकार स्वास्थ्य विभाग की टीम से प्रेम, गोपिका और नेहा ने अपनी सक्रिय उपस्थिति दर्ज कराते हुए शिविर में पहुँचे जरूरतमंद ग्रामीणों के स्वास्थ्य की जाँच की और उन्हें निःशुल्क दवाइयाँ प्रदान कीं। इसके साथ ही कृषि विभाग से संतोष कश्यप ने उपस्थित होकर किसानों को विभागीय योजनाओं से अवगत कराया। कार्यक्रम में सामाजिक और पर्यावरणीय सरोकारों को बढ़ावा देते हुए समस्त ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति में आंगनबाड़ी परिसर के समीप वृक्षारोपण भी किया गया, जहाँ भविष्य की हरियाली के प्रतीक के रूप में आम का एक पौधा रोपा गया।

तेंदुए ने 7 साल के बच्चे पर किया हमला, परिजनों ने बचाया

गरियाबंद। कोदोबतर के चट्टानपारा इलाके में गुरुवार रात तेंदुए ने एक 7 वर्षीय बच्चे पर हमला कर दिया। बच्चे का नाम धनेश कुमार है, जो पड़ोस के घर से टीवी देखकर अपने घर लौट रहा था। इस दौरान घात लगाए बैठे तेंदुए ने उस पर झपट्टा मारा और गर्दन पकड़कर उसे जंगल की ओर ले जाने लगा।

परिजनों की सतर्कता से बचा बच्चा

धनेश की चीख-पुकार सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे और किसी तरह तेंदुए के चंगुल से उसे छुड़ा लिया। हमले में बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे तुरंत जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए रायपुर रेफर कर दिया गया। बच्चे की गर्दन और शरीर पर गंभीर चोट के निशान हैं।

गांव में दहशत का माहौल

इस घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत फैल गई है। ग्रामीणों का कहना है कि गर्मी के दिनों में तेंदुए अक्सर जंगल से निकलकर आबादी वाले क्षेत्रों तक पहुँच जाते हैं। गरियाबंद मुख्यालय से लगभग 10 किलोमीटर की परिधि में हर साल तेंदुओं की आमद दर्ज की जाती है, जिससे जनहानि का खतरा बढ़ जाता है।

वन विभाग की तैयारी और सतर्कता

घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई। तेंदुए की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए इलाके में ट्रैप कैमरे लगाए गए हैं। वन अमला गांव में मुनादी कर लोगों को सतर्क रहने की सलाह दे रहा है। रेंजर प्रांजली मिश्रा ने बताया कि तेंदुए की लोकेशन ट्रैक करने का प्रयास जारी है।

विशेषज्ञों की चेतावनी

वन विभाग ने लोगों से अपील की है कि वे रात में अकेले बाहर न निकलें और बच्चों को सुरक्षित रखें। विभाग तेंदुए के व्यवहार पर लगातार नजर रख रहा है और इलाके में सतर्कता बढ़ा दी गई है।

बिलासपुर गुड्स शेड 28 मई से स्थायी रूप से बंद, उसलापुर में पब्लिक गुड्स शेड प्रारम्भ

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल द्वारा माल परिवहन सुविधाओं के सुव्यवस्थित संचालन एवं बेहतर यातायात प्रबंधन के उद्देश्य से उसलापुर स्टेशन में गुड्स शेड प्रारम्भ किया गया है। साथ ही बिलासपुर स्थित गुड्स शेड (माल गोदाम) को 28 मई से स्थायी रूप से बंद किया जा रहा है।

उसलापुर स्टेशन में गुड्स शेड एक पब्लिक गुड्स शेड के रूप में कार्य करेगा। जिसका ALPH कोड UGSU और न्यूमेरिकल कोड - 14122915 है। इस गुड्स शेड के माध्यम से कोई भी व्यापारी, संस्थान अथवा आम नागरिक अपना माल भेज एवं मंगा सकेगा। उसलापुर गुड्स शेड में मुख्य रूप से खाद्य सामग्री एवं उर्वरक संबंधी माल की बुकिंग एवं हैंडलिंग की सुविधा उपलब्ध रहेगी। इच्छुक ग्राहक दर सूची का अवलोकन हेतु रेलवे की अधिकृत वेबसाइट https://indianrailways.gov.in पर जाकर देख सकते हैं। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अनुराग कुमार सिंह ने व्यापारियों, परिवहनकर्ताओं एवं आम उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे 28 मई 2026 के पश्चात बिलासपुर गुड्स शेड के स्थान पर उसलापुर गुड्स शेड का उपयोग करें एवं रेलवे की माल परिवहन सेवाओं का लाभ उठाएं।

रुपए में मजबूती के चलते भारतीय शेयर बाजार हरे निशान में बंद,

सेंसेक्स में 232 अंकों की बढ़त

मुंबई। घरेलू मुद्रा के अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मजबूत होने और बैंकिंग और फाइनेंशियल सर्विसेज शेयरों में तेजी के चलते हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुआ। इस दौरान, 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 231.99 अंकों यानी 0.31 प्रतिशत की तेजी के साथ 75,415.35 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 50 64.60 अंक यानी 0.27 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,719.30 पर बंद हुआ। व्यापक बाजार में, निफ्टी मिडकैप 0.14 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुआ, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप 0.15 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। सेक्टरवार देखें तो निफ्टी प्राइवेट बैंक (1.49 प्रतिशत की तेजी), निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज (1.13 प्रतिशत की तेजी) और निफ्टी बैंक (1.15 प्रतिशत की तेजी) ने बेहतर प्रदर्शन किया, जबकि निफ्टी हेल्थकेयर (1.52 प्रतिशत की गिरावट), निफ्टी मीडिया (1.47 प्रतिशत की गिरावट) और निफ्टी फार्मा (1.27 प्रतिशत की गिरावट) में गिरावट दर्ज की गई। निफ्टी50 इंडेक्स में ट्रेंट, श्रीराम फाइनेंस, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, विप्रो और एशियन पेंट्स के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी देखने को मिली और ये टॉप गेनर्स में शामिल रहे, जबकि इसके विपरीत मैक्स हेल्थ, सन फार्मा, ओएनजीसी, आईटीसी और पावरग्रिड दिन के सबसे खराब प्रदर्शन करने वाले शेयरों में शामिल रहे।

डिजीहाट ने 55 भारतीय शहरों तक बढ़ाई सहकारी मोबिलिटी सेवा

नई दिल्ली। सरकार समर्थित ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म डिजीहाट ने शुक्रवार को घोषणा की कि उसने ड्राइवर-स्वामित्व वाली सहकारी संस्थाओं भारत टैक्सी और नम्मा यात्री के साथ साझेदारी के जरिए अपनी मोबिलिटी सेवाओं का विस्तार भारत के 55 शहरों तक कर दिया है।

कंपनी ने कहा कि इस विस्तार का उद्देश्य राइड-हेलिंग सेक्टर में सहकारी और नागरिक-केंद्रित मॉडल को बढ़ावा देना है।

नई शुरू की गई 'डिजीहाट राइड्स' सेवा, जो पहले दिल्ली-एनसीआर और बेंगलुरु में संचालित हो रही थी, अब अहमदाबाद, चंडीगढ़, चेन्नई, हैदराबाद, जयपुर, कोलकाता, कोच्चि, लखनऊ, मुंबई, सूरत, तिरुवनंतपुरम और वडोदरा सहित कई टियर-2 और टियर-3 शहरों तक बढ़ा दी गई है।

प्लेटफॉर्म ने कहा कि उसका मोबिलिटी मॉडल पारंपरिक राइड-हेलिंग सेवाओं से अलग है, क्योंकि इसमें ड्राइवर स्वामित्व और कम कमीशन पर जोर दिया गया है।

कंपनी के अनुसार, इस प्लेटफॉर्म पर ड्राइवरों को अपनी कमाई और फैसलों पर अधिक नियंत्रण मिलता है, जबकि ग्राहकों को पारदर्शी कीमत और सामुदायिक जवाबदेही का लाभ मिलता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के डिजिटल इंडिया विजन का जिक्र करते हुए कंपनी ने कहा कि यह पहल 'ईज ऑफ लिविंग' को बेहतर बनाने और पूरे देश में समावेशी डिजिटल भागीदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू की गई है।

निर्मित भारत के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) राहुल विज ने कहा कि कंपनी ऐसा डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करना चाहती है, जिसमें शेयरधारकों के बजाय नागरिकों को प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने कहा, 'हम कोई और राइड-शेयरिंग ऐप नहीं बना रहे हैं। हम यह साबित कर रहे हैं कि भारत ऐसा डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर बना सकता है जो सबसे पहले नागरिकों की सेवा करे, न कि शेयरधारकों की। डिजीहाट पर हर ड्राइवर अपनी कमाई खुद रखता है। हर उपयोगकर्ता को वास्तविक विकल्प मिलता है। यही समावेशी डिजिटल भागीदारी की असली तस्वीर है।

डिजीहाट ने कहा कि विस्तारित राइड सेवा को उसके मौजूदा प्लेटफॉर्म से भी जोड़ा जाएगा, जिसमें मेट्रो टिकट बुकिंग, फूड डिलीवरी, शॉपिंग और ग्रॉसरी सेवाएं शामिल हैं। इसका उद्देश्य रोजमर्रा की जरूरतों के लिए एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म तैयार करना है।

प्लेटफॉर्म ने खुद को सरकार समर्थित पहल बताया है, जिसका उद्देश्य भारतीय उत्पादकों, कारीगरों, किसान समूहों और उद्यमों की डिजिटल भागीदारी को मजबूत करना है, साथ ही सार्वजनिक डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के जरिए पारदर्शिता और समावेशी पहुंच को बढ़ावा देना है।

आरबीआई ने वित्त वर्ष 26 के लिए केंद्र को रिकॉर्ड 2.87 लाख करोड़ रुपए का डिविडेंड देने का किया ऐलान

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को वित्त वर्ष 2026 के लिए केंद्र सरकार को लगभग 2.87 लाख करोड़ रुपए का रिकॉर्ड डिविडेंड देने की घोषणा की, जिससे सरकार को पश्चिम एशिया में चल रहे संकट से उत्पन्न चुनौतियों से निपटने में मदद मिलेगी।

आरबीआई की बैलेंस शीट का साइज वित्त वर्ष 26 तक सालाना आधार पर 20.61 प्रतिशत बढ़कर 91.97 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया है।

यह निर्णय देश की आर्थिक राजधानी में भारतीय रिजर्व बैंक के केंद्रीय निदेशक मंडल की 623वीं बैठक में गवर्नर संजय मल्होत्रा ??की अध्यक्षता में लिया गया।

बोर्ड ने वैश्विक और घरेलू आर्थिक परिदृश्य की समीक्षा की, जिसमें भविष्य के जोखिमों का भी विश्लेषण किया गया। इस बैठक में वित्त वर्ष 2025-26 के लिए रिजर्व बैंक के वार्षिक खातों पर विचार-विमर्श किया गया। बैंक की सकल आय में पिछले वर्ष की तुलना में 26.42 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि रिस्क प्रोविजन से पहले व्यय में 27.60 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

आरबीआई के अनुसार, रिस्क प्रोविजन और वैधानिक निधियों में हस्तांतरण से पहले शुद्ध आय वित्त वर्ष 2025-26 में 3,95,972.10 करोड़ रुपए रही, जबकि वित्त वर्ष 2024-25 में यह 3,13,455.77 करोड़ रुपए थी।

केंद्रीय बैंक ने कहा, 'संशोधित आर्थिक पूंजी ढांचा (ईसीएफ) बैलेंस शीट के आकार के 4.5 प्रतिशत और 7.5 प्रतिशत के बीच कंटिजेंट रिस्क बफर (सीआरबी) बनाए रखने की सुविधा प्रदान करता है। वर्तमान व्यापक आर्थिक कारकों, बैंक के वित्तीय प्रदर्शन और उचित जोखिम बफर बनाए रखने को ध्यान में रखते हुए, केंद्रीय बोर्ड ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए सीआरबी सीआरबी में 1,09,379.64 करोड़ रुपए हस्तांतरित करने का निर्णय लिया, जबकि पिछले वर्ष यह राशि 44,861.70 करोड़ रुपए थी। केंद्रीय बोर्ड ने सीआरबी को आरबीआई की बैलेंस शीट के 6.5 प्रतिशत पर बनाए रखने का भी निर्णय लिया।

केंद्रीय बोर्ड ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए केंद्र सरकार को 2,86,588.46 करोड़ रुपए का सरप्लस हस्तांतरित करने को भी मंजूरी दी।

बजट दस्तावेजों के अनुसार, केंद्र को 2026-27 में भारतीय रिजर्व बैंक, राष्ट्रीयकृत बैंकों और वित्तीय संस्थानों से डिविडेंड और सरप्लस के रूप में 3.16 लाख करोड़ रुपए प्राप्त होने की उम्मीद है।

पीयूष गोयल और सोनोवाल ने विदेशी व्यापार को सुगम बनाने को लेकर की बैठक

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि केंद्र सरकार देश के व्यापार तंत्र को अधिक सुगम, तेज, आधुनिक और भविष्य के लिए तैयार बनाने की दिशा में लगातार काम कर रही है। उन्होंने बताया कि निर्यातकों, आयातकों और पोर्ट अधिकारियों की समस्याओं को सीधे समझने और समाधान निकालने के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

पीयूष गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि उन्होंने अपने सहयोगी और केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल के साथ मिलकर इस बैठक की सह-अध्यक्षता की। बैठक में भारत के निर्यातकों, आयातकों और पोर्ट अधिकारियों के साथ सीधे संवाद किया गया।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार समयबद्ध और समन्वित कदम उठाने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि व्यापार से जुड़े मुद्दों का तेजी से समाधान किया जा सके और भारतीय कारोबारियों के लिए नए अवसर तैयार हों। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य भारतीय व्यापारियों को वैश्विक बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी बनाना है।

गोयल ने आगे कहा कि केंद्र सरकार 'संपूर्ण सरकारी (डब्ल्यूओजी) दृष्टिकोण' के तहत काम कर रही है, जिसमें विभिन्न मंत्रालय और विभाग मिलकर व्यापार और लॉजिस्टिक्स से जुड़े सुधारों को आगे बढ़ा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में व्यापारिक प्रक्रियाओं को सरल बनाने, पोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत करने और लॉजिस्टिक्स व्यवस्था को आधुनिक बनाने के लिए कई अहम कदम उठाए हैं, जिसका उद्देश्य उद्योगों और व्यापार जगत को बेहतर सुविधाएं देना और भारत को वैश्विक व्यापार का मजबूत केंद्र बनाना है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार एक ऐसा व्यापारिक इकोसिस्टम तैयार कर रही है जो तेज, प्रभावी, जवाबदेह और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप हो। इससे 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' को और मजबूती मिलेगी, और भारतीय कंपनियों को अंतरराष्ट्रीय बाजार में नई संभावनाएं मिलेंगी।

भारत के इंडस्ट्रियल एनर्जी ट्रांजिशन में 100 अरब डॉलर के अवसर: रिपोर्ट

नई दिल्ली। भारत के इंडस्ट्रियल एनर्जी ट्रांजिशन से 2030 तक 100 अरब डॉलर के कार्बन उत्सर्जन कमी के अवसर खुल सकते हैं। यह जानकारी एक नई रिपोर्ट में दी गई।

टीडीके वेंचर्स और थेइया वेंचर्स की संयुक्त रिपोर्ट के अनुसार, इस क्षेत्र में अभी भी पूंजी की भारी कमी है – वर्तमान फंडिंग अधिक विकसित अर्थव्यवस्थाओं में देखे गए स्तरों के आधे (40 प्रतिशत) से भी कम है।

रिपोर्ट में इंडस्ट्रियल डीकार्बोनाइजेशन को न केवल जलवायु लक्ष्य के रूप में, बल्कि एक रणनीतिक सुरक्षा कवच के रूप में भी बताया गया।

वर्तमान में, भारत को प्रतिवर्ष 140 अरब डॉलर के ऊर्जा आयात बिल का सामना करना पड़ता है, जिससे देश भू-राजनीतिक झटकों जैसे मध्य पूर्व संकट के प्रति संवेदनशील हो जाता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि इंडस्ट्रियल एनर्जी ट्रांजिशन एक ऐसी 'मजबूत अर्थव्यवस्था' के निर्माण का मार्ग है जो देश को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधानों से बचाएगी।

यह रिपोर्ट में तकनीक और निवेश के लिहाज से सबसे अधिक प्रभाव डालने वाले तीन महत्वपूर्ण क्षेत्रों का विश्लेषण किया गया, जिसमें दीर्घकालिक ऊर्जा भंडारण, औद्योगिक आईओटी और डिजिटल ट्विन्स, और ऊर्जा दक्षता शामिल हैं।

टीडीके वेंचर्स के निवेश निदेशक रवि जैन ने कहा, 'भारत की कार्बन उत्सर्जन कम करने की यात्रा केवल नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता बढ़ाने तक सीमित नहीं है। यह इस बात पर भी निर्भर करती है कि उद्योग में ऊर्जा का उपयोग कितनी कुशलता से किया जाता है। हम ऊर्जा भंडारण प्रणाली विकसित करने, बड़े पैमाने पर औद्योगिक बुद्धिमत्ता को लागू करने और दक्षता प्रौद्योगिकियों को आगे बढ़ाने में एक पीढ़ीगत निवेश अवसर देखते हैं।

जैन ने आगे कहा, 'यह अवसर विशाल है, इसमें पूंजी की कमी है और यह तेजी से विकसित हो रहा है। हम इसका नेतृत्व करने वाले उद्यमियों के दीर्घकालिक भागीदार बनने के लिए प्रतिबद्ध हैं। थेया वेंचर्स की संस्थापक और जनरल पार्टनर प्रिया शाह ने कहा, 'यह रिपोर्ट अनावश्यक बातों को दरकिनार करते हुए उद्यमियों और पूंजी आवंटनकर्ताओं को यह व्यावहारिक और ठोस दृष्टिकोण प्रदान करने के लिए बनाई गई है कि सबसे अधिक प्रभाव डालने वाले अवसर कहां हैं और उन्हें बड़े पैमाने पर साकार करने के लिए क्या आवश्यक होगा।

रिपोर्ट में कहा गया है कि उद्यमियों और पूंजी आवंटनकर्ताओं के लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि केवल नियामक अनुपालन की औपचारिकता पूरी करने के बजाय लागत दक्षता ही अगले दशक में इस परिवर्तन को गति प्रदान करेगी, क्योंकि उद्योग स्थानीयकृत, सस्ते पदार्थों के साथ आगे बढ़ेंगे।

भारत के संगठित गोल्ड ज्वेलरी बाजार में इस साल 20-25 प्रतिशत की हो सकती है वृद्धि: रिपोर्ट

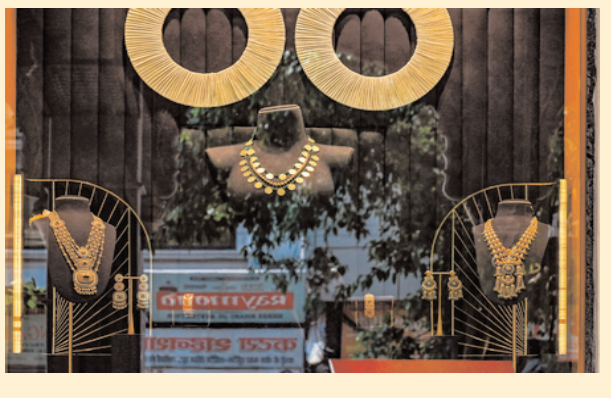

नई दिल्ली। संगठित गोल्ड ज्वेलरी बाजार की आय में इस वित्त वर्ष (2026-27) में सालाना आधार पर 20-25 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है। हालांकि, आयात में कमी लेकर उठाए गए कदमों और अधिक कीमत के कारण वॉल्यूम में कमी आ सकती है। यह जानकारी शुक्रवार को जारी रिपोर्ट में दी गई।

क्रिसिल की रिपोर्ट में बताया गया कि सोने की ऊंची कीमतों से ज्वेलरी स्टॉक रखने की लागत बढ़ेगी और बैंकों से उधार भी अधिक लेना पड़ेगा। हालांकि राजस्व और नकदी प्रवाह दोनों में वृद्धि से ऋण पर बढ़ती निर्भरता संतुलित हो जाएगी, जिससे क्रेडिट प्रोफाइल स्थिर रहेगी।

हालांकि, सोने की ऊंची कीमतों और आयात को कम करने के लिए हाल ही में उठाए गए नीतिगत कदमों के कारण संगठित गोल्ड ज्वेलरी खुदरा क्षेत्र में बिक्री की मात्रा में पिछले वित्त वर्ष की 8 प्रतिशत गिरावट के बाद इस वित्त वर्ष में 13-15 प्रतिशत की और गिरावट आने की आशंका है।

वित्त वर्ष 2026 में, भारत ने 720 टन सोने का आयात किया, जिससे देश की 72 अरब डॉलर की विदेशी मुद्रा बाहर गई थी।

सोने की लगातार ऊंची कीमतों के बीच, व्यापार घाटे को कम करने और मुद्रा को सहारा देने के उपाय के रूप में, केंद्र सरकार ने हाल ही में सोने पर सीमा शुल्क बढ़ा दिया है। इसका उद्देश्य सोने की मांग को कम करना और इसके आयात पर अंकुश लगाना है। रिपोर्ट के अनुसार, इसके परिणामस्वरूप, कोविड-19 से प्रभावित वित्त वर्ष 2021 को छोड़कर, इस क्षेत्र में बिक्री की मात्रा एक दशक में सबसे निचले स्तर पर पहुंचने की आशंका है। क्रिसिल रेटिंग्स के निदेशक हिमांक शर्मा ने कहा, 'केंद्र सरकार द्वारा सोने पर सीमा शुल्क को 6 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत करने का निर्णय सोने के आभूषणों की मांग पर काफी नकारात्मक प्रभाव डालेगा। हालांकि निवेश की मांग के कारण सोने की छड़ों और सिक्कों की ओर मजबूत रुझान देखा जा रहा है, लेकिन इससे समग्र मांग में आई गिरावट की पूरी तरह भरपाई होने की संभावना नहीं है।

महाराष्ट्र में ईंधन की अचानक मांग बढ़ने पर तेल कंपनियों ने कहा- पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति सामान्य, घबराहट में न करें खरीदारी

मुंबई। महाराष्ट्र में ईंधन की अचानक मांग बढ़ने पर तेल कंपनियों ने शुक्रवार को कहा कि पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति सामान्य बनी हुई है। साथ ही, उपभोक्ताओं से अपील की कि वे घबराहट में अनावश्यक खरीदारी न करें।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने कहा कि मई 2026 के पहले पखवाड़े में डीजल की बिक्री में 19.66 प्रतिशत और पेट्रोल की बिक्री में 20.39 प्रतिशत का इजाफा हुआ है।

इस दौरान महाराष्ट्र में कुल 267 हजार किलोलीटर पेट्रोल और 502 हजार किलोलीटर डीजल की आपूर्ति की गई। मई 2026 के तीसरे सप्ताह में भी मांग में वृद्धि देखी, जिसमें 18, 19 और 20 मई को पेट्रोल की वृद्धि क्रमशः 34 प्रतिशत, 21 प्रतिशत और 18 प्रतिशत दर्ज की गई, जबकि इसी अवधि के दौरान डीजल की मांग में वृद्धि 49 प्रतिशत, 42 प्रतिशत और 40 प्रतिशत रही। महाराष्ट्र में स्टेट लेवल कॉर्डिनेटर (ऑयल इंडस्ट्री) मिहिर गणेश जोशी ने कहा कि विभिन्न जिलों में मौसमी कृषि गतिविधियों के चलते तेल कंपनियों (ओएमसी) ने पेट्रोलियम उत्पादों की खपत में तेज वृद्धि दर्ज की है। अन्य आपूर्तिकर्ताओं की तुलना में कम कीमतों के कारण खुदरा ग्राहकों का सार्वजनिक क्षेत्र के खुदरा आउटलेट्स की ओर रुख करने और संस्थागत एवं वाणिज्यिक उपभोक्ताओं के भी खुदरा ईंधन आउटलेट्स की ओर बढ़ने से भी मांग में अतिरिक्त दबाव उत्पन्न हुआ है। इसके चलते महाराष्ट्र में तीनों सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों (पीएसयू) के खुदरा आउटलेट्स पर डीजल और पेट्रोल की मांग में तेज उछाल आया है। तीनों सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की बढ़ी हुई मांग को पूरी तरह से पूरा किया है। इसके अतिरिक्त, मंत्रालय ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियां (ओएमसी) – इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड – देश भर में परिचालन और लॉजिस्टिक्स समन्वय जारी रखे हुए हैं ताकि कई क्षेत्रों में ईंधन की मांग में अचानक और तीव्र वृद्धि के बीच पेट्रोल (एमएस), डीजल (एचएसडी) और एलपीजी की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके।

इश्क और इंकलाब दोनों को जीने वाले हसरत मोहानी,

हिंदू-मुस्लिम एकता और अखंड भारत के सच्चे पक्षधर

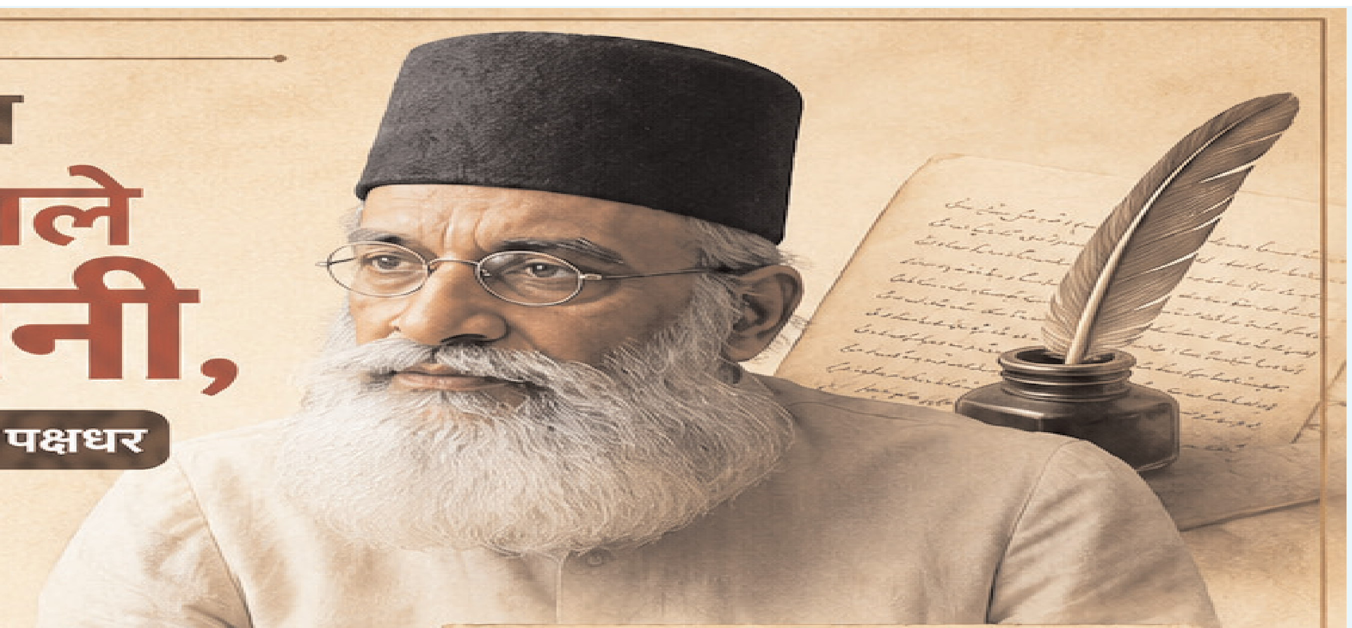

13 मई 1951 में उर्दू साहित्य जगत में उस वक्त खालीपन आ गया, जब क्रांतिकारी शायर, स्वतंत्रता सेनानी और उर्दू साहित्य के अनमोल रत्न मौलाना हसरत मोहानी ने अंतिम सांस ली थी। 'इंकलाब जिंदाबाद' का अमर नारा देने वाले हसरत मोहानी मात्र एक शायर नहीं, बल्कि एक सच्चे विद्रोही, राष्ट्रवादी और अटूट साहस के प्रतीक थे।

"इंकलाब जिंदाबाद का नारा देने वाले पहले शायर हसरत मोहानी ही थे।"

प्रारंभिक जीवन

मोहानी का जन्म 1 जनवरी 1875 को उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले के मोहान गांव में हुआ था। हसरत मोहानी का असली नाम सैयद फजलुल हसन था। उन्होंने 'हसरत' उपनाम चुना और जल्द ही उर्दू शायरी की दुनिया में अपनी अनोखी रोमांटिक और क्रांतिकारी शैली के लिए मशहूर हो गए।

इंकलाब जिंदाबाद का नारा

1921 में अहमदाबाद में आयोजित भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अधिवेशन में उन्होंने यह नारा दिया, जो बाद में स्वतंत्रता संग्राम का सबसे लोकप्रिय नारा बन गया। वे गांधीजी के असहयोग आंदोलन के प्रबल समर्थक थे, लेकिन जहां जरूरत पड़ी, वहां वे अपने विचारों पर अडिग भी रहे।

स्वतंत्रता सेनानी और राजनेता

हसरत मोहानी केवल शायर ही नहीं थे। वे एक सच्चे राष्ट्रवादी, पत्रकार, राजनीतिज्ञ और धार्मिक विद्वान भी थे। उन्होंने 'उर्दू-ए-मुअल्ला' नामक पत्र निकाला, जिसमें उन्होंने ब्रिटिश सरकार की नीतियों की कड़ी आलोचना की। इसी कारण उन्हें कई बार जेल जाना पड़ा। वे 1923 में कानपुर से स्वराज पार्टी के टिकट पर विधायक चुने गए। वे मुस्लिम लीग के सदस्य भी रहे, लेकिन हिंदू-मुस्लिम एकता के प्रबल पक्षधर थे। उन्होंने 1947 के बंटवारे का पुरजोर विरोध किया था। वे कहते थे कि भारत अखंड रहे, यह उनकी सबसे बड़ी इच्छा थी।

शायरी में इश्क, क्रांति और देशभक्ति

हसरत मोहानी की शायरी में इश्क, सौंदर्य, क्रांति और देशभक्ति का अद्भुत मेल मिलता है। उनकी प्रसिद्ध गजल आज भी लोगों के दिलों में है। उनकी शायरी में सूफियाना रंग के साथ-साथ विद्रोह की चिंगारी भी दिखती है।

"*चुपके चुपके रात दिन आंसू बहाना याद है...*
हमको अब तक आशिक़ी का वो ज़माना याद है..."

लखनऊ की गलियों में आज भी उनकी याद में लोग उनकी गजलें सुनाते हैं। लखनऊ विश्वबिद्यालज और कई साहित्यिक संस्थाओं में उनकी पुण्यतिथि पर हर साल कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

अंतिम समय और विरासत

1951 में लखनऊ के फर्रुखाबाद महल में उनका निधन हुआ। उनके निधन पर पूरे देश में शोक छा गया था। जवाहरलाल नेहरू समेत कई नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि दी थी। आज जब देश आज़ादी के 80 साल पूरे कर रहा है, तब हसरत मोहानी की याद इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि उन्होंने सिर्फ अंग्रेजों से नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, सांप्रदाथिक सद्भभव और विचारों की स्वतंत्रता के लिए भी संघर्ष किया।

हसरत मोहानी मेमोरियल सोसाइटी आज भी उनकी याद को जीवित रखे हुए है। उनकी किताबें, गजलें और लेखन आज भी नई पीढ़ी के युवाओं को प्रेरणा देते हैं। ब्रिटिश जेलों की सलाखों के बीच भी उन्होंने अपनी कलम नहीं छोड़ी। आजादी की लड़ाई में अडिग रहने वाले इस महान शायर की गजलें आज भी युवा पीढ़ी को प्रेरित करती हैं।

"हसरत मोहानी वो नाम है, जिसने इश्क को इबादत और वतन को पूजा माना। वो शायर नहीं, एक युग थे... और रहेंगे हमेशा!"

---

160 फ़ीट की ऊँचाई से गिरता शीतल जलप्रपात

टना। देशभर में भीषण गर्मी और लू का प्रकोप जारी है। तापमान 45 डिग्री के करीब पहुंच चुका है। ऐसे में भीषण गर्मी के बीच आप किसी ठंडी जगह पर जाने की योजना बना रहे हैं तो बिहार की जगहों को जरूर देख सकते हैं। अगर आप प्राकृतिक ठंडक, हरियाली और शांत वातावरण की तलाश में हैं तो बिहार की गोद में बसी कई खूबसूरत जगहें आपको सुकून दे सकती हैं। वाल्मीकि टाइगर रिजर्व के जंगलों से लेकर शांत झीलों तक, बिहार में गर्मी से बचने के लिए कई बेहतरीन पर्यटन स्थल हैं।

परेवा दह (पश्चिम चंपारण) :- वाल्मीकि टाइगर रिजर्व के गोवर्धना फॉरेस्ट रेंज में स्थित परेवा दह एक मनमोहक जगह है। स्थानीय भाषा में 'परेवा' का मतलब कबूतर और 'दह' का मतलब जल स्रोत है। घने जंगलों के बीच कलकल बहता पानी, चारों ओर फैली हरियाली और शांत वातावरण यहां पहुंचते ही मन को तरोताजा कर देता है। प्रकृति प्रेमी और वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर्स के लिए यह स्वर्ग जैसी जगह है। पश्चिम चंपारण में स्थित इस जगह तक पहुंचने के लिए सबसे अच्छा रास्ता बेतिया या नरकटियागंज रेलवे स्टेशन है। वहां से टैक्सी या स्थानीय वाहन से वाल्मीकि टाइगर रिजर्व के गोवर्धना रेंज पहुंचा जा सकता है। उदयपुर झील (पश्चिम चंपारण) :- उदयपुर झील नाम सुनकर आप राजस्थान जाने की तो नहीं सोच रहे? यह झील भी बिहार के पश्चिम चंपारण में है। उदयपुर वन्यजीव अभयारण्य के अंदर स्थित एक खूबसूरत ऑक्सबो झील है। हाल ही में इसे रामसर साइट घोषित किया गया है। 319 हेक्टेयर में फैले इस जगह पर 280 से अधिक पौधों की प्रजातियां और 35 से ज्यादा प्रवासी पक्षी पाए जाते हैं। झील के आसपास जामुन के पेड़ और घनी वनस्पति इसे ठंडक भरा स्थल बनाती है। गर्मियों में यहां का शांत वातावरण और प्राकृतिक सौंदर्य मन को मोह लेता है। बेतिया या नरकटियागंज से सड़क मार्ग द्वारा आसानी से पहुंचा जा सकता है।

क्यों हर रिश्ता टूटने के बाद ही सिखाता है उसकी असली अहमियत? जानिए चाणक्य नीति का कड़वा सच

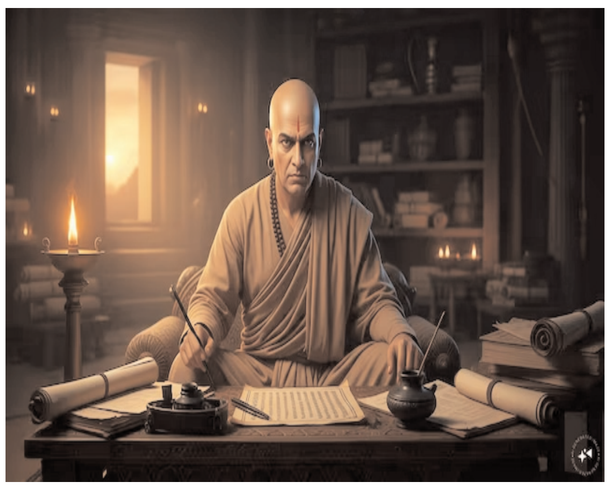

आचार्य चाणक्य के अनुसार लोग अक्सर किसी व्यक्ति की कीमत उसकी गैरमौजूदगी में समझते हैं. रिश्तों में संतुलन, आत्मसम्मान और समय रहते अपनों की अहमियत पहचानना बेहद जरूरी माना गया है.

कई रिश्ते ऐसे होते हैं जिनमें लोग साथ तो रहते हैं, लेकिन एक-दूसरे की अहमियत महसूस नहीं कर पाते. घर हो, दोस्ती हो या प्रेम संबंध, अक्सर इंसान उस व्यक्ति की कीमत तब समझता है जब वह उससे दूर जा चुका होता है. यही जीवन का एक ऐसा सच है जिसे आचार्य चाणक्य ने सदियों पहले अपनी नीतियों में समझाया था. आज की तेज़ जिंदगी में लोग साथ रहने वालों को 'हमेशा मौजूद' मान लेते हैं. धीरे-धीरे आदत इतनी गहरी हो जाती है कि सामने वाले की मेहनत, प्यार और साथ सामान्य लगने लगता है.

लेकिन जैसे ही वही इंसान दूर होता है, उसकी कमी हर छोटी चीज़ में महसूस होने लगती है. चाणक्य नीति सिर्फ रिश्तों की बात नहीं करती, बल्कि यह भी सिखाती है कि सम्मान और संतुलन बनाए रखना क्यों जरूरी है. यही कारण है कि उनकी बातें आज भी लोगों की निजी जिंदगी में बेहद प्रासंगिक मानी जाती हैं.

रिश्तों में आदत कैसे कम कर देती है अहमियत

आचार्य चाणक्य के अनुसार मनुष्य का स्वभाव बहुत जल्दी किसी भी चीज़ को सामान्य मान लेने का होता है. जब कोई व्यक्ति हर परिस्थिति में हमारे साथ खड़ा रहता है, हमारी बातें सुनता है या बिना कहे हमारी मदद करता है, तब धीरे-धीरे उसकी मौजूदगी 'सामान्य' लगने लगती है.

तप रहे हैं देश के ये 10 टूरिस्ट प्लेस, चले गए तो हाल होगा बेहाल!

देश के कई राज्यों में इन दिनों गर्मी से लोगों का बुरा हाल है. प्रचंड गर्मी से हर जगह हीट स्ट्रोक के मामले भी बढ़ रहे हैं. हालांकि, जिन लोगों को घूमने-फिरने का शौक होता है, वे हर मौसम में ट्रैवल करने निकल पड़ते हैं. लेकिन, आपको घूमने जाना पसंद है तो देश के इन 10 जगहों पर गलती से भी अभी ना जाएं, वरना बहुत पछताएंगे और दोबारा इस मौसम में यहां जाने का नाम भी नहीं लेंगे.

इन दिनों देश के कई राज्यों में भीषण गर्मी का कहर जारी है. गर्म हवाएं और त्वचा को जला देने वाली सूरजी की आग उगलती किरणों से लोगों को हाल बेहाल है. घर हो या ऑफिस, बाहर कदम रखने में भी सौ बार लोगों को सोचना पड़ रहा है. गांव हो या शहर, हर जगह गर्मी से हाहाकार मचा हुआ है. कई ऐसे राज्य हैं जहां का तापमान इन दिनों 45 डिग्री तक पहुंच चुका है. 25 मई से 2 जून तक नौतपा रहेगा, इस दौरान पारा 50 से 55 डिग्री तक पहुंचने की आशंका जताई जा रही है. क्या आप जानते हैं कि देश के कौन से जगह ऐसे हैं, जो इन दिनों तप रहा है. जहां सबसे अधिक गर्मी पड़ती है और यहां गलती से भी चले गए तो माथा पकड़ लेंगे आप. जानिए देश के ऐसे ही सबसे गर्म जगहों के बारे में जहां का तापमान इन दिनों 45 से 48 डिग्री तक पहुंच चुका है और आने वाले दिनों में ये और भी अधिक गर्म जगह बन सकता है. यदि आप कहीं समर वेकेशन पर परिवार और बच्चों के साथ कहीं जाने की प्लानिंग कर रहे हैं तो इन जगहों के बारे में पहले पढ़ लें तभी सोच-समझकर यहां का रूख करें.

देश के 10 सबसे गर्म जगहें, जाने का सपने में भी न करें प्लानिंग बांदा, उत्तर प्रदेश- टीओआई में छपी एक खबर के अनुसार, क्या आप जानते हैं कि भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, उत्तर प्रदेश का बांदा देश का सबसे गर्म स्थान बनकर उभरा है. यहां का तापमान सबसे अधिक 48 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है. बांदा ऐतिहासिक, वाइल्डलाइफ, आध्यात्मिकता के लिए जाना जाता है. ऐसे में आप ऐतिहासिक धरोहरों को देखने का शौक रखते हैं तो यहां जरूर जाएं, लेकिन इस गर्मी में नहीं, बल्कि सही समय पर. यहां जाएं भी तो दिन में 12 से लेकर 4 बजे तो बिल्कुल भी घूमने ना निकलें वरना हीट स्ट्रोक, लू लगने से कोई नहीं बचा सकेगा.

अंतरात्मा की आवाज पर चुना 'लुटेरी दुल्हन' में ग्रे शेड वाला किरदार

वेब सीरीज 'पंचायत' में रिंकी का मासूम किरदार निभाने के बाद अभिनेत्री सान्विका अब आगामी वेब सीरीज 'लुटेरी दुल्हन' में ग्रे शेड वाले किरदार में नजर आएंगी। अभिनेत्री इसमें माया के किरदार में एक शातिर ठग की भूमिका निभा रही हैं, जो रईस लड़कों को प्यार के जाल में फंसाकर उनसे शादी करती है और फिर नकदी व गहने लेकर फरार हो जाती है। अपने किरदार के बारे में आईएएनएस से खास बातचीत में अभिनेत्री ने बताया कि उनके लिए सबसे चौंकाने वाली बात यह थी कि मेकर्स ने इस रोल के लिए उन्हें चुना। अभिनेत्री ने कहा, 'शुरुआत में तो मैं खुद सोच में पड़ गई थी कि क्या मैं पर्दे पर ऐसी शातिर ठग का किरदार निभा पाऊंगी, लेकिन मुझे खुशी है कि मेकर्स ने मुझ पर पूरा भरोसा किया। अभिनेत्री से आईएएनएस ने सवाल किया, 'पंचायत में दर्शकों ने आपको एक मासूम लड़की के तौर पर देखा था। क्या माया जैसा ग्रे किरदार चुनना आपके लिए एक जोखिम था? इस सवाल के जवाब में सान्विका ने कहा, 'मैं इसे जोखिम बिल्कुल भी नहीं मानती, क्योंकि मैं किसी भी प्रोजेक्ट को चुनते समय अपने दिल की आवाज पर भरोसा करती हूं। जब मैंने पहली बार इस शो का छोटा-सा सारांश सुना था, तभी मैं इस किरदार को निभाने के लिए रोमांचित हो उठी थी। यह रोल मेरे लिए पहले निभाए गए किरदारों से बिल्कुल अलग है। एक कलाकार के तौर पर अपने अभिनय की विविधता दिखाने के ऐसे मौके बहुत कम मिलते हैं। सान्विका ने आगे बताया कि जहां आज के समय में ज्यादातर क्राइम शोज गंभीर, डार्क और तनावपूर्ण होते हैं, वहीं 'लुटेरी दुल्हन' थोड़ी अलग है। उन्होंने कहा, 'हमारी सीरीज अपराध के इर्द-गिर्द बुनी गई होने के बावजूद काफी हल्की-फुल्की और मनोरंजक है। अभिनेत्री का कहना है कि यह एक महिला केंद्रित कहानी है। आमतौर पर भारतीय सिनेमा और शोज में पुरुष अपराधियों और पुरुष पुलिस अधिकारियों के बीच की जंग दिखाई जाती है, लेकिन इस सीरीज में दर्शकों को कुछ अलग देखने को मिलेगा। उन्होंने कहा, 'इस सीरीज में अनोखा ट्विस्ट यह है कि चोरी करने वाली अपराधी भी एक महिला है और उसका पीछा करने वाली पुलिस अधिकारी भी महिला ही है। यह बात कहानी में नयापन और ताजगी लाती है। आजकल ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर महिला प्रधान थ्रिलर फिल्मों और सीरीज का चलन तेजी से बढ़ रहा है। इस बदलाव पर बात करते हुए सान्विका से पूछा गया कि क्या आज के दर्शक ग्लैमरस हीरोइनों के बजाय जमीन से जुड़े और गहरे किरदारों को ज्यादा पसंद कर रहे हैं? अभिनेत्री ने कहा, 'आज का सिनेमा पूरी तरह बदल चुका है। दर्शकों के लिए अब पर्दे पर दिखने वाला ग्लैमर या चमक-धमक से कहीं ज्यादा कहानी की गहराई मायने रखती है। अगर कहानी में दम है, तो वह दर्शकों को जरूर बांधे रखेगी।

एक्टर जतिन सरना ने फिल्म 'मोमाकु' साइन करने की वजह के बारे में बताया

मुंबई। अभिनेता जतिन सरना स्टारर फिल्म 'मोमाकु' रिलीज होने के लिए तैयार है। अभिनेता ने बताया कि इस फिल्म को साइन करने की सबसे बड़ी वजह निर्देशक कुलदीप कुणाल हैं।

जतिन ने आईएएनएस के साथ बातचीत में खुद को कुलदीप कुणाल का बड़ा प्रशंसक बताया। उन्होंने कहा, 'मैं थिएटर बैकग्राउंड से आता हूं और कुलदीप कुणाल सर भी थिएटर से हैं। असल में, वह मेरे सीनियर हैं। मैंने उनके बारे में पहले से काफी सुन रखा था। उन्होंने कई अवॉर्ड-विनिंग नाटक लिखे हैं और उन्हें कई मंचों पर पहचान मिली है। जब मुझे उनके जैसे किसी इंसान के साथ उनकी पहली फिल्म में काम करने का मौका मिला, तो यह मुझे बहुत अहम लगा।

जतिन ने बताया कि जब कुलदीप कुणाल ने उन्हें पहली बार 'मोमाकु' की स्क्रिप्ट सुनाई थी, तो उन्हें तुरंत इस बात का अहसास हो गया था कि यह फिल्म वैसी ही कहानी है, जिसकी उन्हें तलाश है।

उन्होंने कहा, 'इस फिल्म की कहानी में एक बेहतरीन थ्रिलर के सारे तत्व मौजूद हैं। इसमें ड्रामा, इमोशन, प्यार, बेबसी और भरोसे से जुड़े कुछ बेहद जरूरी सवाल भी उठाए गए हैं। वहीं, हमारे लेखक और निर्देशक ने इतनी खूबसूरती से काम किया है, जो बहुत मजेदार है।

जतिन ने बताया कि फिल्म के कुछ हिस्सों की शूटिंग हरियाणा में हुई, जबकि इसका एक बहुत बड़ा हिस्सा पंजाब में फिल्माया गया है। उन्होंने कहा, 'सच कहूं तो, जब आप इतनी जुनूनी टीम के साथ काम करते हैं, तो थकान गायब हो जाती है। हर किसी को यह एहसास था कि यह हमारी फिल्म है और हमें इसे हर हाल में सफल बनाना है। रात के समय और वास्तविक ठिकानों पर काम करना शारीरिक और मानसिक रूप से काफी चुनौतीपूर्ण था। चंडीगढ़ और पंजाब के ग्रामीण इलाकों में रात की शूटिंग के दौरान कड़ाके की ठंड पड़ रही थी। खासकर खेतों के बीच खुले आसमान के नीचे काम करना पूरी टीम के लिए एक बड़ी परीक्षा थी। जतिन ने बताया, 'मैं बहुमुखी अभिनेता बनना चाहता हूं और हर तरह के जॉनर में हाथ आजमाना पसंद करूंगा। 'लार्जर-दैन-लाइफ' किरदार रोमांचक होते हैं, और मुझे पता है कि दर्शक उन अलग-अलग रंगों को देखना भी पसंद करते हैं।

ट्विशा शर्मा केस : रिद्धि डोगरा की युवाओं से हकीकत स्वीकारने की सलाह, कहा- 'शादी सपने की तरह नहीं'

मुंबई। मशहूर अभिनेत्री रिद्धि डोगरा ने शुक्रवार को युवा पीढ़ी को शादी के बदलते मायनों से रूबरू करवाते हुए एक पोस्ट करके अपनी बात रखी। अभिनेत्री ने अपनी पोस्ट में सभी को वास्तविकता स्वीकार करने की सलाह दी। रिद्धि ने इंस्टाग्राम पर एक नोट शेयर करते हुए बताया कि पिछले कुछ सालों में शादी के बाद लड़कों और लड़कियों, दोनों के साथ कई दिल तोड़ देने वाली घटनाएं हुई हैं, जिसने समाज को झकझोर कर रख दिया है। अभिनेत्री ने लिखा, 'सभी को बता दूं कि यह साल 2026 है। लड़के और लड़कियां कृपया शादी को किसी सपनों की कहानी की तरह देखना बंद करें। आपके माता-पिता जिस समय बड़े हुए थे, वो दुनिया अलग थी और आज के समय शादी के मायने भी बदल गए हैं। लड़कों को इस बात को समझना चाहिए कि आज के समय लड़कियां हर बात आंख बंद करके नहीं मानेंगी। कानून और समाज ने मिलकर महिलाओं को पहले से कहीं अधिक मजबूत और स्वतंत्र बनाया है। आज की लड़कियां आत्मनिर्भर हैं, वे खुद नौकरी कर सकती हैं, अपना घर चला सकती हैं और स्वाभिमान के साथ जी सकती हैं। अभिनेत्री ने बताया कि आज के समय शादी कोई आर्थिक या सामाजिक सहारे की मजबूरी नहीं, बल्कि प्यार और इच्छा का विषय है। उन्होंने लिखा, 'लड़कियों को समझना चाहिए कि लड़के भी इंसान हैं और बदलती दुनिया को समझने की कोशिश कर रहे हैं।

अक्षय कुमार को इस भोजपुरी अभिनेत्री ने दिया न्योता, कहा- हमारे यहां आकर दिखाइए जलवा

बॉलीवुड के खिलाड़ी कुमार 'अक्षय कुमार' की फैन फॉलोइंग हर जगह देखने को मिलती है। अपनी इस लोकप्रियता के कारण उनके साथ कई सेलेब्स काम करने का सपना देखते हैं। अब भोजपुरी सिनेमा की मशहूर अदाकारा ने खुद अक्षय के साथ काम करने की इच्छा जाहिर की है।दरअसल, यह एक्ट्रेस और कोई नहीं बल्कि भोजपुरी सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री अक्षरा सिंह हैं। अभिनेत्री ने शुक्रवार को सोशल मीडिया के जरिए अभिनेता संग काम करने की इच्छा जाहिर की।

अक्षरा सिंह ने इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट किया। इसकी शुरुआत में अभिनेत्री सोफे में बैठकर अक्षय का मशहूर गाना 'टिप-टिप बरसा पानी' अपने टैब में देख रही हैं। थोड़ी देर बाद अभिनेत्री कहती हैं, 'प्रणाम अक्षय जी, मेरा नाम अक्षरा सिंह है और हम भोजपुरी सिनेमा में काम करते हैं। बहुत दिनों से हम आपके हिंदी गाने देख रहे हैं। बहुत हिंदी गानों में ठुमका लगा लिया। अब थोड़ा भोजपुरी में भी आइए और हमारे साथ गाने में ठुमका लगाकर अपना जलवा दिखाइए। वक्त और दिन आप बताइए हम चले आएंगे।

वीडियो पोस्ट कर अक्षरा ने लिखा, 'भोजपुरी गाना पे ठुमका लगावेके एगो चांस दे दी का? अक्षय कुमार के?' अक्षरा की पोस्ट को काफी पसंद किया जा रहा है। मनोरंजन जगत से लेकर कंटेंट क्रिएटर तक अभिनेत्री की पोस्ट पर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। हालांकि, अभी तक अभिनेता अक्षय कुमार की तरफ से कोई प्रतिक्रिया देखने को नहीं मिली है।

अक्षय कुमारी की फैन-फॉलोइंग से आज हर कोई वाकिफ है। वहीं अक्षरा भी भोजपुरी सिनेमा का बड़ा नाम हैं। उन्हें इंडस्ट्री की 'लेडी रॉकस्टार' और 'बिहार की शेरनी' भी कहा जाता है। वहीं, अक्षरा उन अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं, जो हर मुद्दे पर अपनी राय बेबाकी से रखती हैं। अब देखना होगा कि अक्षय कुमार इस पर क्या प्रतिक्रिया देते हैं। देते भी हैं या नहीं।

अक्षरा सिंह एक मशहूर भारतीय अभिनेत्री और गायिका हैं जो मुख्य रूप से भोजपुरी सिनेमा में अपने शानदार अभिनय और गायकी के लिए जानी जाती हैं। अभिनेत्री के गाने रिलीज होते रहते हैं। अभी हाल ही में उनका गाना 'चुम्मा लेला राजा जी' रिलीज हुआ था।

शेल्टर कहां, इंफ्रास्ट्रक्चर कहां?, बेजुबानों के लिए सामने आईं सोनम बाजवा, सीएम मान से की खास अपील

चंडीगढ़। अभिनेत्री सोनम बाजवा ने स्ट्रे डॉग्स के मुद्दे पर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान से खास अपील की है। सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए सोनम बाजवा ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने स्ट्रे डॉग्स के बड़े पैमाने पर सफाए का कोई आदेश नहीं दिया है। उन्होंने सीएम मान से अनुरोध किया कि इस मुद्दे पर फिर से विचार करें और बेजुबान जानवरों के प्रति दया और इंसानियत का रवैया अपनाएं।

सोनम बाजवा ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'मुख्यमंत्री भगवंत मान जी, सुप्रीम कोर्ट ने स्ट्रे डॉग्स को एक साथ हटाने का आदेश नहीं दिया। कोर्ट ने संवेदनशील सार्वजनिक स्थानों से नियमित रूप से हटाने की बात कही है, जिसमें स्टेरिलाइजेशन, वैक्सीनेशन और शेल्टरिंग शामिल है, न कि सड़कों से कुत्तों को पूरी तरह हटा देने की।

अभिनेत्री ने सवाल उठाते हुए पूछा, 'शेल्टर कहां हैं? इंफ्रास्ट्रक्चर कहां है? उन्होंने कहा कि यह सिस्टम बेजुबान जानवरों के लिए मौत की सजा नहीं बन सकता। सोनम ने स्पष्ट किया कि पब्लिक सेफ्टी और इंसानी जिंदगी जरूर महत्वपूर्ण है, लेकिन दया और जिम्मेदारी भी उतनी ही जरूरी है।

सोनम ने मुख्यमंत्री से दिल से गुजारिश की, 'प्लीज इस तरीके पर फिर से सोचें और इस मुद्दे में दया और इंसानियत वाला हल चुनें।'

सोनम ने सुझाव दिया कि सीएम भगवंत मान जानवरों की भलाई के लिए काम करने वाले एनजीओ, पशु चिकित्सकों, स्थानीय अधिकारियों और पब्लिक सेफ्टी एक्सपर्ट्स को एक साथ बिठाकर एक व्यावहारिक, इंसानी और संवेदनशील समाधान निकालें। उन्होंने आगे लिखा, 'हम बेजुबानों के साथ जैसा व्यवहार करते हैं, उससे आखिरकार पता चलता है कि हम एक समाज के तौर पर कौन हैं। बता दें कि स्ट्रे डॉग्स से जुड़े मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को फैसला सुनाया। जिसके अनुसार, कोर्ट ने सार्वजनिक स्थानों से स्ट्रे डॉग्स को हटाने के अपने फैसले को बरकरार रखा है।

सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कहा था कि पशु जन्म नियंत्रण (एबीसी) कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से लागू नहीं किए जाने के कारण समस्या और गंभीर होती जा रही है। कोर्ट ने चिंता जताते हुए कहा कि स्ट्रे डॉग्स के काटने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं और यह अब बेहद गंभीर समस्या बन चुकी है। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकारों को एबीसी कार्यक्रम को सख्ती से लागू करने और स्ट्रे डॉग्स की आबादी नियंत्रित करने के लिए ठोस कदम उठाने के निर्देश दिए थे।

बच्चों को घर पर छोड़कर बाहर जाना बेहद मुश्किल काम, 'मम्मा आ जाओ' सुनकर टूट जाता है दिल : रुबीना दिलैक

अभिनेत्री रुबीना दिलैक मां बनने के बाद करियर और परिवार के बीच संतुलन बनाने की चुनौती से जूझ रही हैं। उन्हें प्रोजेक्ट के काम से अक्सर घर से दूर जाना पड़ता है। इस बीच रुबीना ने अपने जुड़वां बच्चों से दूर रहने की भावनात्मक पीड़ा पर बात की। उन्होंने बताया कि बच्चों को घर पर छोड़कर जाना या उनसे दूर रहना बेहद मुश्किल काम है।

रुबीना वर्तमान में रोहित शेट्टी के स्टंट बेस्ड रियलिटी टीवी शो 'खतरों के खिलाड़ी 15' में हिस्सा लेने के लिए दक्षिण अफ्रीका के केप टाउन में हैं।आईएएनएस के साथ बातचीत में रुबीना ने बताया कि जब वह काम के सिलसिले में बाहर होती हैं तो वीडियो कॉल पर उनकी बेटियां रोते हुए 'मम्मा आ जाओ, मम्मा आ जाओ' कहती हैं, जिसे सुनकर उनका दिल टूट जाता है। रुबीना भावुक होते हुए बोलीं, 'वीडियो कॉल तो होते रहते हैं, लेकिन शारीरिक अपनापन नहीं मिल पाता। उनकी वह आवाज सुनकर मेरा दिल पसीज जाता है। रुबीना ने माना कि वह अभी भी यह समझने की कोशिश कर रही हैं कि मां बनने और करियर के बीच संतुलन कैसे बनाया जाए। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं पता कि मैं इन दोनों के बीच संतुलन कैसे बना पाऊंगी। मैं पूरी तरह तैयार भी नहीं हूं। असल में कोई भी आपको मां बनने के लिए पहले से तैयार नहीं करता। यह मेरी ही नहीं बल्कि हर कामकाजी मां की चुनौती है। भावनात्मक मुश्किलों के बावजूद रुबीना काम से जुड़े सपने को छोड़ना नहीं चाहतीं। उन्होंने बताया, 'इसका मतलब यह नहीं कि हम बड़े सपने देखना बंद कर दें। मैं अपने परिवार को साथ लेकर आगे बढ़ना चाहती हूं और अपनी बेटियों को यह एहसास दिलाना चाहती हूं कि उनकी मम्मा ने अपने सपनों को उनके साथ रहते हुए ही पूरा किया।

खतरों के खिलाड़ी 15' के 40 दिनों के शेड्यूल के बारे में बात करते हुए रुबीना ने स्वीकार किया कि मां होने का एहसास हमेशा उनकी भावनात्मक कमजोरी बनेगा। उन्होंने कहा, 'मां बनने के बाद कुदरत आपको बहुत ज्यादा सतर्क कर देता है। यह सुरक्षा का भाव कभी-कभी आपके खिलाफ भी काम कर सकता है।

क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक : जयशंकर के निमंत्रण पर भारत पहुंचेंगे अमेरिका

नई दिल्ली। भारत की अध्यक्षता में 26 मई 2026 को नई दिल्ली में होने वाली 'क्वाड' विदेश मंत्रियों की बैठक में ऑस्ट्रेलिया, जापान और अमेरिका के शीर्ष राजनयिक शामिल होंगे। बैठक के दौरान सदस्य देश जुलाई 2025 में वाशिंगटन डीसी में हुई चर्चाओं को आगे बढ़ाते हुए क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विचार-विमर्श करेंगे।

'क्वाड' विदेश मंत्रियों की इस बैठक में भाग लेने के लिए विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर के निमंत्रण पर ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग, जापान के विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी और संयुक्त राज्य अमेरिका के विदेश सचिव मार्को रुबियो नई दिल्ली की आधिकारिक यात्रा करेंगे।

इस बैठक के दौरान मंत्री एक जुलाई 2025 को वाशिंगटन डीसी में हुई चर्चाओं को एक स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए 'क्वाड' के दृष्टिकोण के अनुरूप आगे बढ़ाएंगे। वे प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में क्वाड सहयोग को आगे बढ़ाने पर विचारों का आदान-प्रदान करेंगे। साथ ही क्वाड की चल रही पहलों की प्रगति की समीक्षा करेंगे। साथ ही साथ हिंद-प्रशांत क्षेत्र में हाल के घटनाक्रमों और आपसी चिंता के अन्य अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर विचार-विमर्श करेंगे।

अपनी यात्रा के दौरान, ऑस्ट्रेलिया और जापान के विदेश मंत्रियों के साथ-साथ अमेरिका के विदेश मंत्री के भी, विदेश मंत्री जयशंकर के साथ द्विपक्षीय बैठकें करने की उम्मीद है। इसके अलावा, राष्ट्रीय राजधानी में अपने प्रवास के दौरान वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मुलाकात करेंगे।

विदेश मंत्रालय के अनुसार, यह यात्रा क्वाड साझेदारों के बीच लगातार उच्च-स्तरीय जुड़ाव को दर्शाती है और एक स्वतंत्र, खुला और समावेशी हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए उनके साझा दृष्टिकोण को मजबूत करती है।

क्वाड की यह बैठक ऐसे समय में हो रही है जब हिंद-प्रशांत क्षेत्र की भू-राजनीतिक गतिशीलता लगातार बदल रही है और सदस्य देश साझा क्षेत्रीय तथा वैश्विक चुनौतियों पर सहयोग और समन्वय को गहरा करने का प्रयास कर रहे हैं।

इस बीच, भारत की अपनी यात्रा से पहले, रुबियो ने कहा कि वाशिंगटन नई दिल्ली के साथ ऊर्जा संबंधों का विस्तार करना चाहता है और क्वाड के माध्यम से समन्वय को गहरा करना चाहता है; साथ ही उन्होंने होर्मुज जलडमरूमध्य से जुड़ी वैश्विक आपूर्ति बाधाओं के बीच भारत को एक 'महान सहयोगी' और 'महान साझेदार' बताया।

ट्रंप ने क्यूबा को बताया 'नाकाम देश', कहा- अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए है खतरा

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने क्यूबा पर दबाव और बढ़ा दिया है। दोनों नेताओं ने क्यूबा को एक 'नाकाम देश' और अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बताया।

फ्लोरिडा और व्हाइट हाउस में अलग-अलग बोलते हुए, दोनों अधिकारियों ने हवाना के प्रति और सख्त रवैये का संकेत दिया, हालांकि उन्होंने बातचीत के जरिए समाधान की संभावना भी खुली रखी। ओवल ऑफिस में नियमों में ढील से जुड़े एक कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए ट्रंप ने कहा कि अमेरिका क्यूबा के लोगों और क्यूबा मूल के अमेरिकियों को अपने देश से फिर से जुड़ने में मदद करना चाहता है।

ट्रंप ने कहा, 'क्यूबा एक नाकाम देश है। हर कोई यह जानता है। वहां बिजली नहीं है। लोगों के पास पैसे नहीं हैं। उनके पास खाने तक की कमी है।' उन्होंने आगे कहा कि हम उनकी मदद करेंगे। सबसे पहले तो मैं इंसानियत के नाते उनकी मदद करना चाहता हूं। ट्रंप ने कहा कि फ्लोरिडा में रहने वाले क्यूबा मूल के अमेरिकी क्यूबा में निवेश करना और देश को फिर से खड़ा करना चाहते हैं। वे अपने देश वापस जाना चाहते हैं। वे अपने देश की मदद करना चाहते हैं। मैं उम्मीद करता हूं कि वे यहां भी रहें, लेकिन वे अपने देश की मदद करना चाहते हैं। ट्रंप ने कहा कि पिछले 50-60 वर्षों से दूसरे राष्ट्रपति इस बारे में सोचते रहे, लेकिन लगता है कि इसे मैं ही कर पाऊंगा। इससे कुछ घंटे पहले, रुबियो ने मियामी होमस्टेड एयरपोर्ट पर भारत रवाना होने से पहले पत्रकारों से बात करते हुए और कड़ा बयान दिया। रुबियो ने कहा कि क्यूबा लगातार अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा रहा है। हमारे तट से सिर्फ 90 मील दूर एक नाकाम देश होना, जिसे हमारे विरोधियों के दोस्त चला रहे हों, यह भी बड़ा खतरा है।

संक्षिप्त खबर

भारत-मिस्र संयुक्त कार्य समूह की 5वीं बैठक में आतंकवाद से निपटने के लिए जीरो टॉलरेंस के सिद्धांत पर फोकस

नई दिल्ली। भारत और मिस्र के बीच आतंकवाद के खिलाफ जॉइंट वर्किंग ग्रुप (जेडब्ल्यूजी) की 5वीं मीटिंग 20 मई को नई दिल्ली में हुई। मीटिंग की सहअध्यक्षता विदेश मंत्रालय और विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने की। इस मीटिंग में दोनों देशों की संबंधित एजेंसियां भी शामिल थीं। भारत और मिस्र ने आतंकवाद से निपटने में आपसी सहयोग के महत्व पर जोर दिया, जो भारत-मिस्र रणनीतिक साझेदारी की भावना को दिखाता है। उन्होंने आतंकवाद के सभी रूपों और रूपों की साफ और कड़ी निंदा की, जिसमें बॉर्डर पार से होने वाला आतंकवाद भी शामिल है। दोनों देशों ने आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस के सिद्धांत दोहराया और कहा कि आतंकवाद को किसी भी धर्म, राष्ट्रीयता, सभ्यता या जातीय समूह से नहीं जोड़ा जाना चाहिए। उन्होंने 22 अप्रैल, 2025 को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए भयानक आतंकवादी हमले और 10 नवंबर, 2025 को नई दिल्ली के लाल किले के पास हुई आतंकवादी घटना की कड़ी निंदा की और इस बात पर जोर दिया कि आतंकवादी गतिविधियों में शामिल सभी लोगों और उनके समर्थन को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए और उन्हें सजा मिलनी चाहिए। मिस्र ने देश की सुरक्षा और स्थिरता को कमजोर करने के मकसद से आतंकवाद के सभी रूपों के खिलाफ भारत के साथ अपनी एकजुटता फिर से दिखाई। दोनों पक्षों ने इस बात पर जोर दिया कि आतंकवाद का सामना करने के लिए लगातार और बड़े पैमाने पर मिलकर कार्रवाई करने की जरूरत है। इस बैकग्राउंड में, दोनों पक्षों ने संयुक्त राष्ट्र, ब्रिक्स, एफएटीएफ, जीसीटीएफ और दूसरे मल्टीलेटरल प्लेटफॉर्म सहित आतंकवाद से निपटने के क्षेत्र में मल्टीलेटरल सहयोग को मजबूत करने का अपना वादा दोहराया।

बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना ने आम लोगों के घर गिराए, मानवाधिकार संस्था ने कड़ी निंदा की

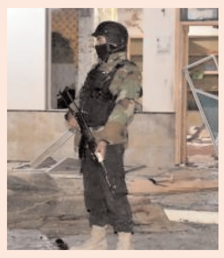

क्वेटा। एक बड़े मानवाधिकार संगठन ने गुरुवार को बलूचिस्तान के अवारन जिले में पाकिस्तानी आर्मी द्वारा आम लोगों के घरों को गिराने की कड़ी निंदा की। बलूच नेशनल मूवमेंट के मानवाधिकार विभाग, पांक ने बताया कि 13 मई को अवारन के पीर मशकाई, कल्लर इलाके में मिलिट्री ऑपरेशन के दौरान, नियाज बलूच और हुजूर बख्श बलूच के घरों पर बुलडोजर चला दिया गया। मानवाधिकार संगठन ने कहा, 'यह घटना बलूचिस्तान में चल रही कलेक्टिव दंडात्मक नीति को दिखाती है, जहां पूरे परिवारों को जबरन गायब कर दिया जाता है, न्यायेतर हत्या, उत्पीड़न और प्रॉपर्टी को नुकसान पहुंचाया जाता है।' मानवाधिकार संगठन के मुताबिक, पाकिस्तानी आर्मी ने पहले नियाज बलूच के दो बेटों, जहीर नियाज और मेहराज नियाज, को 28 फरवरी, 2025 को जबरदस्ती गायब कर दिया था। बाद में, मेहराज नियाज की टॉर्चर की हुई और कटी-फटी बॉडी 3 मार्च, 2025 को फेंक दी गई, जबकि जहीर नियाज 26 मार्च, 2025 को मृत पाया गया। इसमें आगे कहा गया, 'उनकी हत्याओं को बड़े पैमाने पर परिवार के खिलाफ न्याय के बाहर की गई हत्या और सामूहिक सजा के तौर पर देखा गया।'

चीन के बढ़ते मैन्युफैक्चरिंग बेस के बीच भारत की डिफेंस ग्रोथ खासः रिपोर्ट

वाशिंगटन/बीजिंग। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आत्मनिर्भर भारत नीति ने औद्योगिक कॉरिडोर बनाए हैं। इस नीति ने विदेशी निवेश की लिमिट बढ़ाई है और एक डिफेंस-टेक स्टार्टअप इकोसिस्टम बनाया है जो पहले से ही एक्सपोर्ट कर रहा है। यह एक ठोस और बढ़ती कैपेसिटी का संकेत है।

एक रिपोर्ट में बताया गया है कि सैकड़ों कंपनियां चल रही हैं और कई तेजी से उभर रही हैं, इसलिए भारत ने 2029 तक लगभग 6 बिलियन डॉलर का डिफेंस एक्सपोर्ट टारगेट रखा है, जबकि एक दशक पहले यह लगभग 80 मिलियन डॉलर था।

अमेरिका-चीन इकोनॉमिक एंड सिक्योरिटी रिव्यू कमीशन के वाइस चेयर माइक कुइकेन और यूएस-चीन इकोनॉमिक एंड सिक्योरिटी रिव्यू कमीशन के कमिश्नर लेलैंड मिलर ने ऑनलाइन मैगजीन 'द वायर चाइना' में लिखा कि बीजिंग में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके चीनी समकक्ष शी जिनपिंग के बीच हाल ही में हुई मीटिंग ने वाशिंगटन को एक और औद्योगिक असंतुलन की याद दिलाई जो अभी भी अमेरिका के पक्ष में काम नहीं कर रहा है।

अमेरिकी विशेषज्ञों के मुताबिक, चीन का मैन्युफैक्चरिंग बेस अब अमेरिका, जापान और जर्मनी के कुल बेस से भी ज्यादा है। यहां तक कि अमेरिका और यूरोप मिलकर भी चीनी औद्योगिक स्केल का मुकाबला नहीं कर सकते। उनका मानना है कि वैश्विक संतुलन बनाने के लिए भारत ही एकमात्र ऐसा विकल्प है, जिससे यह गणित काम कर सकता है। उन्होंने कहा, 'यह किसी पसंद का नहीं, बल्कि रणनीतिक जरूरत का मामला है।' उनका कहना था कि यह सोच भारत की सुरक्षा चिंताओं से मेल खाती है, क्योंकि देश अपनी उत्तरी सीमा पर लगातार बढ़ते चीनी दबाव का सामना कर रहा है। इसी वास्तविकता को ध्यान में रखते हुए भारत तेजी से अपने रक्षा आधुनिकीकरण को आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने आगे कहा, 'अमेरिका और भारत सही डॉक्यूमेंट्स पर हस्ताक्षर कर रहे हैं। पिछले अक्टूबर में, दोनों देश एक रोडमैप पर सहमत हुए थे जिसमें जॉइंट रिसर्च, को-डेवलपमेंट, सप्लाई सिक्योरिटी और अमेरिकी और भारतीय डिफेंस स्टार्टअप्स के बीच इनोवेशन ब्रिज शामिल थे, जो सालों की दोनों पार्टियों की कोशिशों पर बना था।

बलूचिस्तान में जबरन गुमशुदगी और हत्या के मामले बढ़े, मानवाधिकार संगठनों ने जताई चिंता

क्वेटा। बलूचिस्तान में आम नागरिकों के खिलाफ हिंसा लगातार जारी रहने के बीच, एक प्रमुख मानवाधिकार संगठन ने दो नागरिकों की कथित तौर पर पाकिस्तान की सेना की ओर से की गई गैर-न्यायिक हत्या को सामने लाया है।

मानवाधिकार संगठन बलूच यकजेहती कमेटी (बीवाईसी) ने शुक्रवार को केच जिले के तुरबत इलाके में 21 मई को एक बुजुर्ग किसान शेरदिल की हत्या की कड़ी निंदा की। संगठन का आरोप है कि पाकिस्तान की फ्रंटियर कोर (एफसी) के जवानों ने उनकी जमीन के पास गोलीबारी की।

स्थानीय सूत्रों का हवाला देते हुए मानवाधिकार संस्था ने बताया कि गोलीबारी के दौरान शेरदिल को गोली लगी और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। बीवाईसी ने कहा कि बलूचिस्तान में हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। अलग-अलग इलाकों से लोगों की हत्या और शव मिलने की खबरें आ रही हैं। लोग बेहद दर्द और दुख में जी रहे हैं, खासकर उन दिनों में जो शांति और साथ के होने चाहिए।

मानवाधिकार समूहों ने बांग्लादेश में नाबालिग लड़की से रेप व हत्या की निंदा की

ढाका। मानवाधिकार संगठनों ने ढाका में एक नाबालिग स्कूली छात्रा के साथ दुष्कर्म और हत्या की घटना की कड़ी निंदा की है। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, संगठनों ने कहा कि इस क्रूर घटना ने बांग्लादेश की बाल संरक्षण प्रणाली की गंभीर कमजोरियों को उजागर कर दिया है।

मानवाधिकार समूह आइनो सालिश केंद्र ने एक अलग बयान में कहा कि 1 जनवरी से 20 मई के बीच बांग्लादेश में कम से कम 118 बच्चों के साथ दुष्कर्म हुआ, 46 बच्चों के साथ दुष्कर्म का प्रयास किया गया और 17 बच्चों की दुष्कर्म या दुष्कर्म के प्रयास के बाद हत्या कर दी गई।

गहरी चिंता व्यक्त करते हुए समूह ने कहा कि ये घटनाएं अलग-थलग मामले नहीं हैं बल्कि राज्य की सुरक्षा प्रणाली की विफलता और सामाजिक जवाबदेही के गंभीर संकट को उजागर करती हैं।

संगठन ने कहा, 'संविधान के अनुच्छेद 28 और 32 बच्चों को जीवन, सुरक्षा और गरिमा का अधिकार देते हैं। लंबी न्यायिक प्रक्रियाएं और कमजोर जांच बच्चों को न्याय दिलाने में बड़ी बाधा बन रही हैं।'

इस जघन्य घटना की निंदा करते हुए ह्यूमन राइट्स सपोर्ट सोसाइटी ने कहा, 'बच्चों के साथ लगातार हो रही दुष्कर्म, हत्या और उत्पीड़न की घटनाएं यह साबित करती हैं कि मौजूदा बाल संरक्षण तंत्र पर्याप्त प्रभावी नहीं है।'

मानवाधिकार संगठन के अनुसार, बांग्लादेश में बच्चों के खिलाफ बढ़ती हिंसा को दंडहीनता, न्याय व्यवस्था में देरी और कमजोर कानून-व्यवस्था ने बढ़ावा दिया है।

कांगो में इबोला के बढ़ते मामलों के बीच दक्षिण कोरिया ने तीन प्रांतों के लिए कड़े यात्रा प्रतिबंध लगाए

सोल। दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि वह कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (डीआरसी) में इबोला वायरस के फैलाव को देखते हुए वहां के तीन प्रांतों के लिए यात्रा प्रतिबंध और कड़ा करेगा।

योनहाप समाचार एजेंसी के अनुसार, मंत्रालय ने बताया कि शुक्रवार दोपहर दो बजे से इटुरी प्रांत के लिए 'लेवल चार' ट्रैवल अलर्ट जारी किया जाएगा, जो देश की चार-स्तरीय चेतावनी प्रणाली में सबसे ऊंचा स्तर है। यह कदम इबोला से जुड़ी मौतों में लगातार बढ़ोतरी के कारण उठाया गया है।

इस नए फैसले के बाद, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में 'नो-ट्रैवल जोन' वाले प्रांतों की संख्या बढ़कर तीन हो जाएगी- इटुरी, नॉर्थ किवु और साउथ किवु। मंत्रालय ने कहा कि जो दक्षिण कोरियाई नागरिक बिना विशेष अनुमति के इन क्षेत्रों में जाएंगे या वहां रहेंगे, उन पर पासपोर्ट कानून के तहत कार्रवाई हो सकती है।

इसके अलावा, मंत्रालय ने लेवल-तीन का अलर्ट भी जारी किया है, जिसमें लोगों को सलाह दी गई है कि वे मध्य अफ्रीकी गणराज्य की सीमा से 50 किलोमीटर के दायरे वाले इलाकों और कांगो के सात अन्य प्रांतों (जैसे बास-उएले और हाउट-उएले) से बाहर निकल जाएं या वहां न जाएं। बाकी पूरे देश के लिए पहले से ही एक विशेष यात्रा सलाह लागू है। गुरुवार को मंत्रालय ने पूरे युगांडा के लिए भी विशेष यात्रा सलाह जारी की थी। यह कदम इसलिए उठाया गया, क्योंकि कोरिया रोग नियंत्रण और रोकथाम एजेंसी ने कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य, युगांडा और दक्षिण सूडान को इबोला के लिए प्राथमिक क्वारंटीन प्रबंधन देशों की सूची में रखा है। मंत्रालय ने कहा कि वह स्थिति पर लगातार नजर रख रहा है और जरूरत पड़ने पर यात्रा चेतावनियों में और बदलाव करेगा।

अमेरिका में चीन से जुड़ी कंपनियों पर सख्त प्रतिबंध लगाने के लिए नया विधेयक पेश

वाशिंगटन। अमेरिका में दो वरिष्ठ रिपब्लिकन सांसदों ने चीन के सैन्य-औद्योगिक तंत्र से जुड़े चीनी संस्थानों पर प्रतिबंधों में तेजी लाने के उद्देश्य से एक विधेयक पेश किया है। उनका कहना है कि अमेरिका अब चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) से जुड़े खतरों के खिलाफ कार्रवाई में और देरी नहीं कर सकता।

सीनेटर रिक स्कॉट और प्रतिनिधि एलिस स्टेफानिक ने 'सीसीपी सैंक्शंस शॉट क्लॉक एक्ट' पेश किया। इस विधेयक के तहत अमेरिकी ट्रेजरी विभाग को उन चीनी व्यक्तियों या संस्थाओं के खिलाफ एक साल के भीतर कार्रवाई करना जरूरी होगा, जिन्हें अमेरिकी सरकार ने सुरक्षा के लिए खतरा माना है।

इस विधेयक का मकसद वित्त वर्ष 2026 के लिए राष्ट्रीय रक्षा प्राधिकरण अधिनियम में संशोधन करना है। इसके तहत एक साल की 'शॉट क्लॉक' (समय सीमा) तय की जाएगी, जिसके भीतर पहचानी गई संस्थाओं को ट्रेजरी विभाग की 'नॉन-एसडीएन चीनी सैन्य-औद्योगिक कॉम्प्लेक्स कंपनियों की सूची' में शामिल करना होगा।

सूडान में डेंगू, एमपॉक्स और हैजा का खतरा बढ़ा, हालात पर नियंत्रण के प्रयास में जुटीं राहत

संयुक्त राष्ट्र। सूडान में सुरक्षा की खराब स्थिति और राहत पहुंचाने में आ रही मुश्किलों के बीच मदद करने वाली एजेंसियां डेंगू, मंकीपॉक्स (एमपॉक्स) और संदिग्ध कॉलरा (हैजा) के फैलते मामलों को काबू में करने की कोशिश कर रही हैं। संयुक्त राष्ट्र के ऑफिस फॉर द को-ऑर्डिनेशन ऑफ ह्यूमैनिटेरियन अफेयर्स (ओसीएचए) ने यह जानकारी दी।

ओसीएचए के मुताबिक, वेस्ट कोर्डोफान राज्य के एल नुहुद इलाके में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और उसके साझेदार संदिग्ध तीव्र 'एक्यूट वाटरी डायरिया' (तेज दस्त) के फैलाव से निपट रहे हैं, जिसे आमतौर पर कॉलरा से जोड़ा जाता है। इस हफ्ते वहां 100 से ज्यादा संदिग्ध मामले और कई मौतों की खबर मिली है। दारफुर क्षेत्र में संयुक्त राष्ट्र की राहत एजेंसियां स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ मिलकर सेंट्रल और साउथ दारफुर राज्यों में संदिग्ध एमपॉक्स फैलाव से निपटने में लगी हैं। ओसीएचए ने बताया कि इस हफ्ते वहां 300 से ज्यादा संदिग्ध मामले और पांच मौतें सामने आई हैं। ओसीएचए ने कहा कि डब्ल्यूएचओ, दारफुर में अधिकारियों की ओर से चलाए जा रहे बड़े पैमाने के कॉलरा और खसरा टीकाकरण अभियान में मदद कर रहा है। कार्यालय ने यह भी बताया कि नॉर्दर्न और रिवर नाइल राज्यों में डब्ल्यूएचओ और स्वास्थ्य साझेदार डेंगू फैलने के मामलों से निपट रहे हैं। नॉर्दर्न राज्य में पिछले एक महीने में संदिग्ध मामलों की संख्या तीन गुना से ज्यादा बढ़कर 500 से ऊपर पहुंच गई है।

ओसीएचए ने कहा कि ये स्वास्थ्य संकट ऐसे समय में सामने आ रहे हैं, जब लगातार सुरक्षा की कमी आम लोगों और राहत कार्यों दोनों के लिए खतरा बनी हुई है।

'दक्षिण कोर्डोफान में डिलिंग और उसके आसपास बुधवार को हुए कई ड्रोन हमलों में कम से कम दो लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हुए। एक हमले में एक स्वास्थ्य केंद्र को नुकसान पहुंचा और वहां रखी दवाइयां और मेडिकल उपकरण भी नष्ट हो गए।' कार्यालय ने बताया कि इस साल के पहले चार महीनों में सूडान में मानवीय सहायता समुदाय ने 16 लाख से ज्यादा लोगों तक मदद पहुंचाई। सिन्हुआ समाचार एजेंसी ने बताया, ओसीएचए ने सभी पक्षों से अपील की कि वे आम नागरिकों और नागरिक ढांचे की सुरक्षा करें और अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून के मुताबिक राहत एजेंसियों को पहुंच की अनुमति दें।

सबकी समस्या का समाधान सरकार की प्राथमिकता : सीएम योगी

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान शुक्रवार को गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में आए लोगों को आश्वस्त करते हुए कहा कि सबकी समस्या का समाधान सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने मौके पर उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जन समस्याओं का निस्तारण तत्परता, पारदर्शिता और संवेदनशील ढंग से किया जाए। इसमें किसी भी तरह की शिथिलता या लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। हर समस्या का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिपरक होना चाहिए।

गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने करीब 150 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए शीघ्रता से समस्या समाधान के लिए निर्देशित किया।

सीएम योगी ने अधिकारियों से कहा कि किसी के साथ भी अन्याय नहीं होना चाहिए। हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए उसकी त्वरित सहायता की जानी चाहिए। उन्होंने राजस्व और पुलिस से जुड़े मामलों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए कई लोगों से मुख्यमंत्री ने कहा कि पैसे के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जो भी जरूरतमंद हैं, प्रशासन उनके उच्च स्तरीय इलाज का इस्टीमेट शीघ्रता से बनवाकर उपलब्ध कराए। इस्टीमेट मिलते ही सरकार तुरंत धन उपलब्ध कराएगी। गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दिनचर्या परंपरागत रही। गुरु गोरखनाथ का दर्शन पूजन करने तथा अपने गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की प्रतिमा समक्ष शीश झुकाने के बाद वह मंदिर परिसर के भ्रमण पर निकले। गोशाला में पहुंचकर गोसेवा की।

गायों और गोवंश को स्नेहिल भाव से गुड़ खिलाया। उन्होंने गोशाला के कार्यकर्ताओं को भीषण गर्मी को देखते गोवंश की देखभाल के लिए जरूरी दिशा-निर्देश भी दिए। मंदिर परिसर का भ्रमण करते हुए मुख्यमंत्री ने परिजनों के साथ आए बच्चों से बात की। उन्हें दुलारा-पुचकारा, आशीर्वाद के साथ चॉकलेट्स भी दीं।

राशन कार्ड आवंटन में घूसखोरी पर खाद्य आपूर्ति विभाग का अधिकारी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली में भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के एक असिस्टेंट कमिश्नर को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया। आरोपी अधिकारी एशियन मार्केट, पुष्प विहार, नई दिल्ली स्थित फूड एंड सप्लाई विभाग में तैनात था।

सीबीआई की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, इस मामले में 20 मई को केस दर्ज किया गया था। जांच एजेंसी को शिकायत मिली थी कि आरोपी अधिकारी राशन कार्डों के आवंटन और वितरण के बदले रिश्वत की मांग कर रहा था। आरोप था कि वह प्रत्येक राशन कार्ड पर 100 रुपए की अवैध रकम मांग रहा था।

बताया गया कि कुल 475 राशन कार्ड अलग-अलग नजदीकी दुकानों को आवंटित किए जाने थे। इनमें शिकायतकर्ता की दुकान को भी करीब 120 राशन कार्ड मिलने थे। इसी आधार पर आरोपी अधिकारी ने शिकायतकर्ता से लगभग 12 हजार रुपए की रिश्वत मांगी थी।

शिकायत मिलने के बाद सीबीआई ने मामले की जांच शुरू की और फिर जाल बिछाकर कार्रवाई की। 21 मई को सीबीआई की टीम ने ट्रैप ऑपरेशन चलाया। इस दौरान आरोपी असिस्टेंट कमिश्नर को शिकायतकर्ता से 10 हजार रुपए की रिश्वत मांगते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया गया। मौके पर ही उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

सीबीआई ने कहा कि मामले की आगे की जांच जारी है और इस पूरे नेटवर्क से जुड़े अन्य पहलुओं की भी पड़ताल की जा रही है।

जांच एजेंसी ने यह भी कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ उसकी कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। सीबीआई ने लोगों से अपील की है कि यदि कोई सरकारी अधिकारी रिश्वत मांगता है या भ्रष्टाचार से जुड़ी कोई जानकारी हो, तो उसकी शिकायत तुरंत करें।

संक्षिप्त खबर

चाईबासा में अफीम तस्करों के खिलाफ कार्रवाई

चाईबासा। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा) जिले में मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने अफीम तस्करी के एक बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने टेबो थाना क्षेत्र के रोगोद गांव में छापेमारी कर तीन तस्करों को रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। इस ऑपरेशन के दौरान पुलिस ने तस्करों के पास से 20 किलो अवैध अफीम का डोडा, तस्करी में इस्तेमाल की जा रही दो मोटरसाइकिलें और 7 लाख रुपए बरामद किए हैं। टेबो थाना प्रभारी सुशील कुमार मरांडी ने बताया कि जिला पुलिस कप्तान को गुप्त सूचना मिली थी कि रोगोद गांव के समीप जंगली इलाके में कुछ तस्कर अफीम की बड़ी खेप की खरीद-बिक्री के लिए जुटने वाले हैं। सूचना के सत्यापन और त्वरित कार्रवाई के लिए थाना प्रभारी के नेतृत्व में एक विशेष सर्च अभियान दल का गठन किया गया। पुलिस टीम ने रोगोद गांव से सटे जंगल में रणनीतिक रूप से जाल बिछा दिया। जैसे ही तस्कर मादक पदार्थों की डील करने पहुंचे, पुलिस ने उन्हें चारों तरफ से घेर लिया। खुद को घिरा देख आरोपियों ने बाइक छोड़कर घने जंगलों की आड़ में भागने का प्रयास किया, लेकिन मुस्तैद पुलिस जवानों ने खदेड़कर तीनों को दबोच लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रोगोद गांव निवासी बुद्धनाथ पूरती व सोमा हास्सा पूरती और कोटगढ़ा गांव निवासी मांगरा हुनी पूरती के रूप में की गई है।

बिहार में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल, 11 आईएएस अधिकारियों का तबादला

पटना। बिहार सरकार ने शुक्रवार को एक बार फिर बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए कई वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों का तबादला और नई नियुक्तियां की हैं। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी अधिसूचना में विभिन्न विभागों में नई जिम्मेदारियां और अतिरिक्त प्रभार सौंपे जाने की जानकारी दी गई। नई नियुक्तियों के तहत 1992 बैच के आईएएस अधिकारी दीपक कुमार सिंह को राज्यपाल का प्रधान सचिव नियुक्त किया गया है, जबकि गोपाल मीणा को राज्यपाल का सचिव बनाया गया है। वरिष्ठ आईएएस अधिकारी बी राजेंद्र को निगरानी विभाग का अपर मुख्य सचिव नियुक्त किया गया है। वहीं, कुंदन कुमार को गृह विभाग में सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई है। अधिसूचना के अनुसार, संजय कुमार सिंह को सामान्य प्रशासन विभाग की जिम्मेदारियों से मुक्त कर दिया गया है। सीमा त्रिपाठी को राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के सचिव का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। इसके अलावा, निलेश रामचंद्र देवरे को बिहार राज्य आवास बोर्ड का प्रबंध निदेशक नियुक्त किया गया है, जबकि इनायत खान को राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग में विशेष सचिव बनाया गया है। फेरबदल के तहत अरविंद कुमार वर्मा को कैबिनेट सचिवालय विभाग में विशेष सचिव और राजीव कुमार श्रीवास्तव को वित्त विभाग में अपर सचिव नियुक्त किया गया है।

दिल्ली दंगा: सुप्रीम कोर्ट ने तसलीम अहमद और खालिद सैफी को अंतरिम जमानत दी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली दंगों के मामले में आरोपी तसलीम अहमद और अब्दुल खालिद सैफी को 6 महीने तक अंतरिम जमानत दे दी है। सुप्रीम कोर्ट ने यूएपीए के मामलों में जमानत से जुड़े बड़े कानूनी सवाल को विचार के लिए बड़ी बेंच को भेजा।

बड़ी बेंच तय करेगी कि यूएपीए कानून के तहत जमानत की क्या कसौटी होगी। क्या यूएपीए कानून के तहत जमानत की सख्त शर्तों के बावजूद ट्रायल में देरी के आधार पर जमानत दी जा सकती है या नहीं? जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच ने इस साल जनवरी में उमर खालिद और शरजील इमाम को जमानत देने से इंकार कर दिया था। पिछले दिनों जस्टिस बीवी नागरत्ना और

जस्टिस उज्जल भुइयां की बेंच ने इस फैसले पर सवाल उठाया था। बेंच का कहना था कि उमर और शरजील को जमानत देने से इंकार देने के वक़्त 2021 में दिए तीन जजों की बेंच के फैसले में दी गई व्यवस्था का पालन नहीं किया गया। तसलीम अहमद को 24 जून 2020 को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार किया था और वह तब से न्यायिक हिरासत में हैं। यह गिरफ्तारी 23 से 25 फरवरी 2020 के बीच उत्तर-पूर्वी दिल्ली में नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के विरोध के दौरान हुई हिंसा के सिलसिले में की गई थी। उन पर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), शस्त्र अधिनियम, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान की रोकथाम अधिनियम और यूएपीए की धाराएं 13, 16, 17 और 18 के तहत आरोप हैं।

अभियोजन पक्ष के अनुसार, वह जाफराबाद, मौजपुर, चांद बाग और गोकुलपुरी सहित कई इलाकों में हुए दंगों को भड़काने और साजिश रचने के बड़े षड्यंत्र का हिस्सा थे।

अहमद का कहना है कि उन्होंने केवल सीएए का विरोध किया था, और उन्हें आतंकवाद के आरोप में गिरफ्तार किया गया। उनके अलावा इस कथित बड़ी साजिश मामले में उमर खालिद, शरजील इमाम, मीरान हैदर, गुलफिशा फातिमा, शिफा-उर-रहमान, मोहम्मद सलीम खान, शादाब अहमद, अथर खान, अब्दुल खालिद सैफी सहित अन्य आरोपी भी शामिल हैं।

सरकार के पास महंगाई की मेलोडी पर लगाम लगाने की कोई रेमेडी नहीं : तेजस्वी यादव

नई दिल्ली। बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने शुक्रवार को केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि 25 जुलाई 2013 को प्रधानमंत्री बनने से पहले नरेंद्र मोदी ने कहा था कि केंद्र सरकार और रुपए के गिरने का कंपटीशन चल रहा है कि कौन कितना गिरेगा? आज रुपया सबसे निचले स्तर पर पहुंचकर पूरे एशिया में सबसे कमजोर मुद्रा बन चुका है।

उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में रुपए में लगातार गिरावट का यह आठवां साल है। विगत 12 वर्षों में रुपया अपनी आधी कीमत खो चुका है। देशवासियों को गुमराह करते हुए प्रधानमंत्री कहते हैं कि भारत दुनिया की शीर्ष बड़ी अर्थव्यवस्था है, लेकिन अमेरिकी डॉलर में प्रति व्यक्ति जीडीपी देखें तो भारत दुनिया में 16वें नंबर पर, बांग्लादेश से भी पीछे है।

उन्होंने कहा कि विजनलेस एनडीए सरकार की आर्थिक नीतियों के कारण देश की अर्थव्यवस्था पूरी तरह से चौपट हो चुकी है। महंगाई-गरीबी और बेरोजगारी ने सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए है। देश के सबसे पिछड़े और गरीब राज्य बिहार के वित्तीय हालात तो सबसे खराब है। तेजस्वी यादव ने कहा कि एलपीजी गैस, पेट्रोल-डीजल, खाद-बीज, और पढ़ाई-दवाई-सिंचाई समेत सभी वस्तुओं के दाम बढ़ रहे हैं। राशन, तेल, दाल, दूध, और रोजमर्रा की जरूरत के सामान आम लोगों की पहुंच से बाहर होते जा रहे हैं।

गुरुग्राम एसटीएफ ने भिवानी से शातिर नशा तस्कर को किया गिरफ्तार, 35 करोड़ की हेरोइन बरामद

गुरुग्राम। हरियाणा पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने भिवानी जिले से रोहित नाम के एक शातिर नशा तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से लगभग 35 करोड़ रुपये कीमत की बड़ी मात्रा में हेरोइन बरामद की गई है।

जानकारी के अनुसार, एसटीएफ को मुखबिर से सूचना मिली थी कि रोहित नाम का व्यक्ति भिवानी में अपने घर से बड़े पैमाने पर हेरोइन का अवैध कारोबार चला रहा है। सूचना के आधार पर एसटीएफ की टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए भिवानी पहुंचकर आरोपी के घर पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान आरोपी रोहित को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया गया।

एसटीएफ की तलाशी अभियान में आरोपी के घर से हेरोइन की भारी मात्रा मिली। प्रारंभिक जांच में इस हेरोइन की अनुमानित कीमत करीब 35 करोड़ रुपए से अधिक बताई जा रही है। यह अब तक की कार्रवाइयों में नशा तस्करी के खिलाफ हरियाणा एसटीएफ की एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी रोहित पंजाब से हेरोइन की खेप मंगवाकर हरियाणा के विभिन्न हिस्सों में सप्लाई करने के धंधे में सक्रिय था। पुलिस जांच में यह भी पता चला है कि इस पूरे नशा तस्करी के काले कारोबार में आरोपी का भाई भी उसके साथ पूरी तरह शामिल था। आरोपी का भाई फिलहाल फरार चल रहा है और पुलिस ने उसे भगोड़ा घोषित कर दिया है।

बताया गया है कि आरोपी के भाई पर पंजाब में पहले से ही नशा तस्करी के कई मामले दर्ज हैं। एसटीएफ की टीम अब गिरफ्तार आरोपी रोहित से गहन पूछताछ कर इस पूरे गिरोह के अन्य सदस्यों और उनके नेटवर्क का पता लगाने में जुटी हुई है।

दादरी में अवैध शराब की बड़ी खेप के साथ दो युवक गिरफ्तार, लाखों का माल बरामद

ग्रेटर नोएडा। गौतमबुद्ध नगर के दादरी थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध शराब तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो शराब तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से हरियाणा की 34 पेटी अवैध शराब और तस्करी में इस्तेमाल एक कार बरामद की है। बरामद शराब की कीमत करीब 3.5 लाख रुपए बताई जा रही है।

पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई शुक्रवार 22 मई को थाना दादरी पुलिस द्वारा दादरी बाईपास स्थित जारचा अंडरपास के पास की गई। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि अवैध शराब की बड़ी खेप क्षेत्र से होकर गुजरने वाली है।

सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर घेराबंदी कर संदिग्ध वाहन को रुकवाया। कार से भारी मात्रा में अवैध शराब बरामद हुई। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सर्वेश और निशांत के रूप में हुई है। सर्वेश मध्यप्रदेश के भिंड जिले के अटेर थाना क्षेत्र स्थित दैपुरा गांव का निवासी है और उसकी उम्र 32 वर्ष बताई गई है। वहीं दूसरा आरोपी निशांत, भिंड जिले के ही कारेकपुरा गांव का रहने वाला है, जिसकी उम्र करीब 20 वर्ष है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के कब्जे से 34 पेटी अवैध शराब बरामद की गई, जिसे हरियाणा से लाकर उत्तर प्रदेश में सप्लाई करने की तैयारी थी। इसके अलावा तस्करी में इस्तेमाल की जा रही कार को भी जब्त कर लिया गया है। इस मामले में थाना दादरी पर आबकारी अधिनियम के अंतर्गत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी शराब की खेप कहां से लेकर आए थे और इसे किन क्षेत्रों में सप्लाई किया जाना था। साथ ही इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश भी की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जिले में अवैध शराब तस्करी के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है और ऐसे मामलों में संलिप्त लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

ट्विशा शर्मा मामला: मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने दी दोबारा पोस्टमार्टम को मंजूरी

जबलपुर। ट्विशा शर्मा मामले में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम देखने को मिला। आरोपी समर्थ सिंह के वकील ने अग्रिम जमानत याचिका वापस लेने का फैसला किया। इसके साथ ही मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने दोबारा पोस्टमार्टम को मंजूरी दी है, जिसमें दिल्ली एम्स के डॉक्टर्स भोपाल आकर जांच करेंगे।

जानकारी के अनुसार आरोपी समर्थ सिंह के वकील ने कोर्ट को बताया कि उनका मुवक्किल निचली अदालत के समक्ष आत्मसमर्पण करने के लिए तैयार है। इसके साथ ही कोर्ट का पूरा ध्यान अब दूसरे पोस्टमार्टम की याचिका पर केंद्रित हो गया है। न्यायाधीश ने समय की गंभीरता को देखते हुए कहा कि दूसरे पोस्टमार्टम की मांग पर सबसे पहले सुनवाई की जानी चाहिए। कोर्ट में दूसरे पोस्टमार्टम की मांग को लेकर तीखी बहस देखने को मिली। याचिकाकर्ता की तरफ से जहां दोबारा पोस्टमार्टम की जरूरत पर जोर दिया गया, वहीं दूसरी तरफ आरोपी पक्ष के वकील ने इसका कड़ा विरोध किया। उन्होंने तर्क दिया कि पहला पोस्टमार्टम पर्याप्त है और दोबारा पोस्टमार्टम की मांग करना चिकित्सा बिरादरी का अपमान है।

लखनऊ में अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर संगोष्ठी

लखनऊ। अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के अवसर पर शुक्रवार को लखनऊ स्थित नवाब वाजिद अली शाह प्राणि उद्यान के सारस प्रेक्षागृह में आयोजित संगोष्ठी में जैव विविधता संरक्षण, जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक संसाधनों के सतत प्रबंधन पर व्यापक चर्चा हुई। कार्यक्रम का मुख्य विषय 'वैश्विक प्रभाव के लिए स्थानीय स्तर पर कार्य करना' रहा, जिसमें विशेषज्ञों ने चेताया कि जैव विविधता क्षरण भविष्य की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है।

प्रदेश के वन, पर्यावरण, जन्तु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. अरुण कुमार सक्सेना ने कहा कि जैव विविधता केवल एक वैज्ञानिक अवधारणा नहीं, बल्कि मानव जीवन की आधारशिला है।

उन्होंने कहा कि भोजन, औषधि, पशु उत्पाद, पर्यटन और आजीविका सहित जीवन की लगभग हर आवश्यकता जैव संसाधनों पर निर्भर है। उन्होंने कहा कि यदि जैव विविधता समाप्त होती है तो मानव जीवन न केवल नीरस हो जाएगा, बल्कि अस्तित्व पर भी संकट खड़ा हो जाएगा। डॉ. सक्सेना ने कहा कि विश्व के कुल क्षेत्रफल का केवल 2.5 प्रतिशत हिस्सा होने और लगभग 16 प्रतिशत वैश्विक आबादी का भार वहन करने के बावजूद भारत दुनिया की करीब 7.5 प्रतिशत प्रजातियों का प्रतिनिधित्व करता है, जो देश की सांस्कृतिक परंपरा और संरक्षण प्रयासों का परिणाम है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाते हुए आगे बढ़ रहा है। कार्यक्रम के दौरान उत्तर प्रदेश की जैव विविधता प्रतीक पोस्टर का अनावरण किया गया तथा जैव विविधता विषयक प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया।

प्रदेश की प्रमुख सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन तथा उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड की अध्यक्ष वी. हेकाली झिमोमी ने कहा कि जैव विविधता संरक्षण, जलवायु परिवर्तन और वैश्विक तापमान वृद्धि को नियंत्रित करना पूरी दुनिया के लिए गंभीर चिंता का विषय बन चुका है।

उन्होंने कहा कि सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) की प्राप्ति में जैव विविधता का क्षरण सबसे बड़ी बाधाओं में से एक है। प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं विभागाध्यक्ष सुनील चौधरी ने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों पर मानव का स्वामित्व नहीं, बल्कि ट्रस्टी के रूप में जिम्मेदारी है।

जब चमचमाती रंग-बिरंगी रोशनी में नहाई दिखती है पृथ्वी, जानें क्या है 'एयरग्लो', 'ऑरोरा' से कैसे है अलग?

नई दिल्ली। पृथ्वी के वायुमंडल में एक शानदार और रहस्यमयी चमक लगातार दिखती रहती है, जिसे वैज्ञानिक 'एयरग्लो' कहते हैं। हाल ही में इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) से ली गई एक तस्वीर में पृथ्वी नारंगी रोशनी में नहाई हुई दिख रही है। यह खूबसूरत चमक एयरग्लो की ही देन है।

एयरग्लो सिर्फ सुंदर दृश्य ही नहीं है। वैज्ञानिकों के लिए यह बहुत उपयोगी है। इससे ऊपरी वायुमंडल का तापमान, घनत्व, संरचना और हवाओं की गति का पता चलता है। यह दिखाता है कि ऊंची हवाएं आयनमंडल में कैसे घूमती हैं और विभिन्न गैसों को पूरी पृथ्वी पर कैसे फैलाती हैं। 13 अप्रैल 2026 को नासा के अंतरिक्ष यात्री क्रिस विलियम्स ने स्पेसएक्स ड्रैगन यान से एक खूबसूरत तस्वीर खींची, जिसमें एयरग्लो के ऊपर मिल्की वे गैलेक्सी भी साफ दिख रही है। नासा ने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर तस्वीर को पोस्ट करते हुए एयरग्लो की खूबसूरती दिखाई।

अब समझते हैं कि एयरग्लो क्या है? जब सूर्य से आने वाली किरणें (रेडिएशन) पृथ्वी के ऊपरी वायुमंडल में मौजूद अणुओं और परमाणुओं से टकराती हैं, तो वे उत्तेजित हो जाते हैं। इनमें अतिरिक्त ऊर्जा भर जाती है। जैसे-जैसे ये अणु अपनी सामान्य शांत अवस्था में वापस लौटते हैं, वे उस अतिरिक्त ऊर्जा को प्रकाश के रूप में छोड़ देते हैं। यही प्रकाश एयरग्लो कहलाता है।

यह चमक लाल, हरा, बैंगनी और पीले रंग की हो सकती है। यह घटना दिन-रात लगातार होती रहती है, लेकिन इतनी हल्की होती है कि सामान्य आंखों से आसानी से नहीं दिखती। इसे देखने के लिए या तो अंतरिक्ष से देखना पड़ता है या फिर पृथ्वी पर बहुत अंधेरे स्थान पर संवेदनशील कैमरे की मदद लेनी पड़ती है।

एयरग्लो को अक्सर ऑरोरा प्रकाश से जोड़कर देखा जाता है, लेकिन दोनों में बड़ा अंतर है। ऑरोरा तब बनता है जब सूर्य की हाई एनर्जी वाली सोलर वाइंड के कण पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र से टकराकर वायुमंडल में उत्तेजना पैदा करते हैं।

वहीं, एयरग्लो सामान्य सूर्य की रोशनी से उत्पन्न होता है। यह रोजमर्रा की सौर विकिरण का नतीजा है। कभी-कभी सूर्य की रोशनी से आयनित हुए अणु मुक्त इलेक्ट्रॉनों से टकराकर भी प्रकाश छोड़ते हैं। दोनों ही स्थितियों में फोटॉन यानी प्रकाश कण निकलता है, जो देखने में बेहद सुंदर चमक दिखाता है।

देशभर में भीषण गर्मी का प्रकोप, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने बताए गर्मी से बचाव के उपाय

नई दिल्ली। देशभर में भीषण गर्मी का प्रकोप जारी है। हीटवेव, उमस और तेज तपिश से लोगों का हाल बेहाल हो रहा है। कई राज्यों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है, जिससे रोजमर्रा की जिंदगी प्रभावित हो रही है। ऐसे में केंद्र और राज्य सरकारें लगातार स्वास्थ्य संबंधी एडवाइजरी जारी कर रही हैं। इस बीच विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने गर्मी से संबंधित बीमारियों के लक्षणों और बचाव के उपायों की जानकारी दी है।

संगठन ने लोगों को गर्मी से होने वाली बीमारियों से सतर्क रहने की सलाह दी है। हीटवेव के दौरान अगर तबीयत खराब महसूस हो तो तुरंत सावधानी बरतनी चाहिए। गर्मी से होने वाली बीमारियों के मुख्य लक्षण दिखें तो तुरंत मदद लेनी चाहिए जैसे चक्कर आना, कमजोरी और थकान महसूस होना, घबराहट या बेचैनी होना, तेज प्यास लगना और सिर के साथ पेट दर्द होना। ये लक्षण शरीर में गर्मी बढ़ने और डिहाइड्रेशन के संकेत हो सकते हैं। खासकर बुजुर्गों, बच्चों और पहले से बीमार लोगों को ज्यादा सावधानी बरतनी चाहिए। डब्ल्यूएचओ ने बचाव के सरल उपाय बताए हैं - जैसे ही इन लक्षणों का अनुभव हो, तुरंत किसी ठंडी और छायादार जगह पर चले जाएं। शरीर में पानी की कमी को पूरा करने के लिए बार-बार पानी पीते रहें। बाहर निकलते समय हल्के रंग के ढीले कपड़े पहनें और सिर को ढककर रखें। खास तौर पर सूती कपड़ा पहनें। दोपहर के सबसे तेज गर्मी वाले समय यानी 12 बजे से 4 बजे तक हो सके तो बाहर न निकलें। सरकार भी लगातार लोगों से अपील कर रही है कि वे खुद को और अपने परिवार को गर्मी से बचाएं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि सही समय पर सावधानी बरतने से गर्मी से होने वाली गंभीर बीमारियों जैसे हीट स्ट्रोक से बचा जा सकता है। देश के कई हिस्सों में दिन का तापमान रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच रहा है, जिससे कामकाजी लोगों, किसानों और छोटे बच्चों पर सबसे ज्यादा असर पड़ रहा है।

योग का मूल मंत्र 'पद्मासन', तन और मन दोनों के लिए वरदान

नई दिल्ली। आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में समय कम और काम ज्यादा होता है, जिसके चलते मानसिक तनाव और एकाग्रता की कमी होना आम बात है। इस लगातार भागती दुनिया में, जहां हर व्यक्ति मानसिक शांति की तलाश में है, वहीं 'पद्मासन' एक ऐसा अचूक और प्राकृतिक योगासन है, जो बिना किसी तामझाम के हमारे शरीर और मस्तिष्क को गहरा आराम देने में मदद करता है।

पद्मासन का नाम 'पद्म' शब्द पर रखा गया है, जिसका अर्थ होता है कमल का फूल। यह केवल एक शारीरिक मुद्रा नहीं, बल्कि आधुनिक जीवन की मानसिक थकान को दूर कर एकाग्रता की नई ऊर्जा भरने का एक दिव्य माध्यम भी है।

भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने इसके लाभों पर टिप्पणी की है। मंत्रालय के अनुसार, पद्मासन एक स्थिर और सुखदायक ध्यानात्मक मुद्रा है, जो मन को शांत करने, एकाग्रता बढ़ाने और आंतरिक ऊर्जा को जागृत करने में अत्यंत प्रभावी है। यह योग अनुशासन का मूल आधार माना जाता है।

यदि कोई व्यक्ति इस आसन का नियमित रूप से अभ्यास करता है, तो उसकी छाती, कंधों और हाथों में रक्त संचार बेहतर होता है, मेटाबॉलिज्म बढ़ता है और शरीर में प्राण ऊर्जा का संचार सुचारू रूप से होता है। यह योग साधकों के लिए आंतरिक शक्ति जागृत करने का प्रभावी तरीका माना जाता है।

इसे करना बेहद आसान है। इसके लिए सबसे पहले योगा मैट पर दंडासन की मुद्रा में बैठ जाएं। दाहिने घुटने को मोड़ें और दाहिने पैर को बायीं जांघ पर इस प्रकार रखें कि पैर का तलवा ऊपर की ओर रहे और एड़ी नाभि के पास हो। अब इसी तरह बाएं घुटने को मोड़ें और बाएं पैर को दाईं जांघ पर रखें। रीढ़ की हड्डी और गर्दन को बिल्कुल सीधा रखें। हाथों को घुटनों पर ज्ञान मुद्रा (तर्जनी और अंगूठे के पोरों को मिलाकर) में रखें। अभ्यास करते समय शरीर पर जबरदस्ती दबाव न डालें; इसे हमेशा अपनी क्षमता के अनुसार ही करें।

घुटनों, टखनों या कूल्हों में चोट या गंभीर दर्द होने पर इस आसन को करने से बचें। जबरदस्ती पैरों को मोड़ने या घुटनों को जमीन पर दबाने का प्रयास न करें।

मन शांत कर डिप्रेशन भगाने में कारगर नियमित योग, आयुष मंत्रालय ने बताए प्रभावी योगासन

नई दिल्ली। विश्व योग दिवस को कुछ ही दिन शेष रह गए हैं। ऐसे में भारत सरकार का आयुष मंत्रालय योगासन के माध्यम से शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य सुधारने पर जोर देते हुए लगातार नए-नए योगासनों के बारे में जानकारी देने के साथ ही उनसे मिलने वाले फायदों से भी अवगत करा रहा है। मंत्रालय ने अवसाद यानी डिप्रेशन से मुक्ति में कारगर प्रभावी योगासनों के बारे में जानकारी दी।

योग एक्सपर्ट का कहना है कि योग सिर्फ शरीर को स्वस्थ नहीं रखता, बल्कि मन को शांत करने, तनाव कम करने और भावनात्मक संतुलन बनाने में भी बेहद कारगर है। आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी, काम का दबाव और व्यक्तिगत समस्याओं के कारण अवसाद एक आम समस्या बन गया है। ऐसे में नियमित योगाभ्यास बेहद जरूरी बन चुका है।

आयुष मंत्रालय का संदेश 'योग युक्त, रोग मुक्त' है। मंत्रालय नागरिकों से अपील करता है कि वे रोजाना सुबह इन आसनों का अभ्यास करें। शुरुआत में 15-20 मिनट से शुरू करके धीरे-धीरे समय बढ़ाया जा सकता है। योग न सिर्फ डिप्रेशन से लड़ने में मदद करता है बल्कि स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है।

आयुष मंत्रालय के अनुसार, नियमित योगाभ्यास तनाव बढ़ाने वाले हार्मोन को कम करता है, मन को स्थिर करता है और डिप्रेशन जैसी मानसिक समस्याओं से निजात दिलाने में मदद कर सकता है। डिप्रेशन दूर करने वाले योगासन और प्राणायाम ध्यान, भ्रामरी प्राणायाम के साथ ही ताड़ासन, भुजंगासन, अनुलोम-विलोम शामिल हैं।

ध्यान :- रोजाना 10-15 मिनट ध्यान करने से मन की उलझनें कम होती हैं और अंदर से शांति मिलती है।

पवनमुक्तासन:- यह आसन पेट की समस्याओं के साथ-साथ मन की अशांति को भी दूर करता है। इससे शरीर में जमी हुई नकारात्मक ऊर्जा निकलती है। भ्रामरी प्राणायाम:- इस प्राणायाम को करने से मस्तिष्क शांत होता है। भौंरे की तरह आवाज निकालते हुए सांस लेने से तनाव और चिंता कम होती है। ताड़ासन: - खड़े होकर किए जाने वाला यह आसन शरीर और मन दोनों को ऊर्जावान बनाता है। मुद्रा और आत्मविश्वास बढ़ाने में मदद करता है।

एसी नहीं है... कमरा कैसे रहेगा कूल? नौतपा में भी ठंडा रहेगा घर, अपनाएं ये आसान घरेलू उपाय

नई दिल्ली। देशभर में भीषण गर्मी का प्रकोप शुरू हो चुका है। दिन-ब-दिन तापमान लगातार बढ़ रहा है। वहीं, 25 मई से 2 जून तक नौतपा का दौर भी शुरू होने वाला है, जब गर्मी अपने चरम पर होती है। ऐसे में सिर्फ खुद को ठंडा रखना ही काफी नहीं है, घर और कमरों को भी ठंडा और आरामदायक बनाना बहुत जरूरी है। अगर आपके पास एयर कंडीशनर (एसी) नहीं है तो चिंता करने की जरूरत नहीं है। कुछ प्रभावी टिप्स को अपनाकर आप घर को ठंडा रख सकते हैं। नेशनल हेल्थ मिशन (एनएचएम) के अनुसार, कुछ आसान घरेलू उपाय अपनाकर कमरे को काफी हद तक ठंडा रखा जा सकता है।

एसी के बिना कमरा कूल रखने के लिए दिन में खिड़कियां और पर्दे बंद रखें: दिन के समय सूरज की तेज किरणें कमरे में न आने दें। मोटे और हल्के रंग के पर्दे लगाएं जो गर्मी को रोक सकें।

रात में क्रॉस वेंटिलेशन करें: रात को खिड़कियां खोल दें ताकि ठंडी हवा अंदर आए। विपरीत दिशा की खिड़कियां खोलने से हवा का बहाव अच्छा रहता है। छत को ठंडा रखें: छत पर पानी छिड़कें या सफेद रंग का पानी-प्रूफ पेंट करवाएं। इससे छत से आने वाली गर्मी कम होती है। घर में पौधे लगाएं: कमरे में इंडोर प्लांट्स रखें। ये न सिर्फ हवा को शुद्ध करते हैं बल्कि प्राकृतिक ठंडक भी देते हैं।

हीट पैदा करने वाली चीजों का कम इस्तेमाल करें: दोपहर में ओवन, गैस चूल्हा या इलेक्ट्रिक उपकरण कम इस्तेमाल करें। इससे कमरे का तापमान नहीं बढ़ता।

सूती चादर और हल्के कपड़े अपनाएं: बिस्तर पर सूती चादर बिछाएं और हल्के, ढीले सूती कपड़े पहनें। इससे शरीर को आराम मिलता है।मिट्टी के घड़े का पानी पीएं: मिट्टी के सुराही या घड़े में रखा पानी प्राकृतिक रूप से ठंडा रहता है और शरीर को अंदर से ठंडक पहुंचाता है।

ये छोटे-छोटे बदलाव न सिर्फ कमरे को ठंडा रखते हैं बल्कि बिजली की बचत भी करते हैं और स्वास्थ्य के लिए बेहतर हैं। यही नहीं गर्मी के मौसम में प्राकृतिक तरीकों से ठंडक बनाए रखना स्वस्थ जीवनशैली का हिस्सा है।

साइलेंट किलर है 'हाइपरटेंशन', जानें क्यों जरूरी है रोजाना ब्लड प्रेशर मॉनिटरिंग

नई दिल्ली। हाइपरटेंशन यानी हाई ब्लड प्रेशर को चुपके से गहरा नुकसान पहुंचाने वाला 'साइलेंट किलर' कहा जाता है। यह बीमारी अक्सर कोई स्पष्ट लक्षण नहीं दिखाती, लेकिन धीरे-धीरे शरीर के अंगों को नुकसान पहुंचाती रहती है। अनियंत्रित हाइपरटेंशन हार्ट अटैक, ब्रेन स्ट्रोक और किडनी फेलियर जैसी गंभीर समस्याओं का कारण बन सकता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, 70 वर्ष से कम उम्र के लोगों में समय से पहले मौत की वजह हाइपरटेंशन बनता है। चिंता की बात यह है कि आजकल युवा पीढ़ी में भी यह समस्या तेजी से बढ़ रही है। व्यस्त जीवनशैली, अनियमित खान-पान, तनाव, कम शारीरिक व्यायाम और ज्यादा नमक का सेवन इसके मुख्य कारण हैं।

हाइपरटेंशन बेहद खतरनाक है, जब ब्लड प्रेशर लगातार ऊंचा रहता है, तो यह रक्त वाहिकाओं पर दबाव डालता है। इससे दिल को ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है, जो अंत में दिल की मांसपेशियों को कमजोर कर देता है। इससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। साथ ही किडनी खराब होने की आशंका भी बढ़ जाती है। दिक्कत यह है कि अधिकांश लोगों को पता ही नहीं चलता कि उनका ब्लड प्रेशर हाई है, क्योंकि इसके लक्षण अक्सर देर से दिखते हैं। इसलिए इसे साइलेंट किलर कहा जाता है। ऐसे में हेल्थ एक्सपर्ट बताते हैं कि रोजाना ब्लड प्रेशर मॉनिटरिंग जरूरी है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि हाइपरटेंशन का जल्दी पता लगाने और उसे नियंत्रित रखने के लिए नियमित ब्लड प्रेशर मॉनिटरिंग बहुत जरूरी है। घर पर ही आसानी से ब्लड प्रेशर चेक करने की आदत डालनी चाहिए। साथ ही दिन में एक या दो बार ब्लड प्रेशर चेक करें, हमेशा क्लिनिकली वैलिडेटेड ब्लड प्रेशर मॉनिटरिंग डिवाइस का ही इस्तेमाल करें। इससे सटीक रीडिंग मिलती है और सही इलाज हो पाता है।

स्वास्थ्य मंत्रालय का बड़ा फैसला: प्रेगाबालिन दवा अब शेड्यूल एच1 में शामिल, दुरुपयोग पर सख्ती

नई दिल्ली। स्वास्थ्य मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि उसने ड्रग्स नियम, 1945 की अनुसूची एच1 के तहत 'प्रेगाबालिन' दवा को शामिल करने संबंधी अधिसूचना जारी कर दी है। यह फैसला कुछ राज्यों से मिली उन रिपोर्टों को देखते हुए लिया गया है, जिनमें प्रेगाबालिन के गलत इस्तेमाल और दुरुपयोग की बात सामने आई थी।

नियमों का उल्लंघन करने और उनका पालन नहीं करने पर 'ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940' और उसके तहत बनाए गए नियमों के अनुसार दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। मंत्रालय ने बताया कि यह दवा पुराने दर्द, न्यूरोपैथी, फाइब्रोमायल्जिया और कुछ विशेष न्यूरोलॉजिकल स्थितियों के इलाज के लिए दी जाती है, लेकिन कथित तौर पर इसके नींद लाने वाले, उत्साह पैदा करने वाले और मानसिक प्रभावों के कारण इसका गलत इस्तेमाल किया जा रहा है।

मंत्रालय ने कहा कि सभी संबंधित पक्षों, जिनमें निर्माता, वितरक, थोक विक्रेता, खुदरा विक्रेता और फार्मासिस्ट शामिल हैं, को सलाह दी जाती है कि वे इस अधिसूचना के प्रावधानों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करें।

देश के कुछ हिस्सों से अवैध रूप से जमा की गई और बिना अनुमति के बेची जा रही 'प्रेगाबालिन' की हाल में बरामदगी की खबरें भी सामने आई हैं।

गैजेट ऑफ इंडिया एक्स्ट्राऑर्डिनरी' में प्रकाशित इस अधिसूचना के बाद 'प्रेगाबालिन' अब 'ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स रूल्स, 1945' के तहत मौजूदा 'शेड्यूल एच' के बजाय अधिक सख्त 'शेड्यूल एच1' प्रावधानों के तहत विनियमित की जाएगी। शेड्यूल एच1' के तहत दवा के पर्चे पर लिखी चेतावनी 'दवा - सावधानी' में कहा गया है कि इस दवा को डॉक्टर की सलाह के बिना लेना खतरनाक है और इसे किसी पंजीकृत चिकित्सा प्रैक्टिशनर (आरएमपी) के पर्चे के बिना खुदरा में नहीं बेचा जा सकता।

संशोधित वर्गीकरण के अनुसार, 'प्रेगाबालिन' केवल किसी पंजीकृत चिकित्सा प्रैक्टिशनर (आरएमपी) द्वारा जारी वैध पर्चे के आधार पर ही बेची जा सकेगी। साथ ही, खुदरा विक्रेताओं को पर्चों और बिक्री का विवरण दर्ज करने के लिए अलग रजिस्टर रखना होगा और निर्माताओं को उत्पाद की पैकेजिंग पर निर्धारित 'शेड्यूल एच1 ड्रग वार्निंग' लेबल प्रमुखता से प्रदर्शित करना होगा।

मंत्रालय ने कहा, 'इस कदम का उद्देश्य पूरी आपूर्ति शृंखला में जवाबदेही को मजबूत करना, बिना अनुमति के पहुंच को रोकना।

हैदराबाद ने बेंगलुरु को 55 रन से हराया

हार के बाद भी आरसीबी की टीम बनी टेबल टॉपर

हैदराबाद। सनराइजर्स हैदराबाद ने शुक्रवार को आईपीएल 2026 के 67वें मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 55 रनों से हराया। इस जीत के बावजूद सनराइजर्स हैदराबाद की टीम टॉप-2 में जगह नहीं बना सकी। 178 रन बनाते ही बेंगलुरु की टीम टेबल में पहले स्थान के साथ पहले क्वालीफायर के लिए क्वालीफाई कर गई। वहीं दूसरी तरफ सनराइजर्स हैदराबाद 18 अंक के बावजूद बेंगलुरु और गुजरात से कम नेट रन रेट की वजह से टॉप-2 से बाहर होना पड़ा है। पहले बल्लेबाजी करते हुए सनराइजर्स हैदराबाद ने 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 255 रन बनाए। बेंगलुरु की टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 200 रन ही बना सकी।

सनराइजर्स हैदराबाद ने शुक्रवार को आईपीएल मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 255 रन बनाए। हैदराबाद के लिए अभिषेक शर्मा, ईशान किशन और हेनरिक क्लासेन ने अर्धशतक लगाया। ईशान किशन ने सर्वाधिक 71 रन बनाए। इसके जवाब में विराट कोहली और वेंकटेश अय्यर की नई सलामी जोड़ी ने बेंगलुरु के लिए दमदार प्रदर्शन किया। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 460रन की साझेदारी हुई। वेंकटेश अय्यर ने 19 गेंद में 44 और कोहली ने 11 गेंद में 15 रन बनाए। देवदत्त पडिकल 21 रन ही बना सके। रजत पाटीदार ने 39 गेंद में 56 रन बनाए। सनराइजर्स हैदराबाद को अभिषेक शर्मा और ट्रेविस हेड ने अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 45 रन की साझेदारी हुई। ट्रेविस हेड (26) को रसिख ने आउट किया। अभिषेक शर्मा 22 गेंद में 56 रन बनाकर पवेलियन लौटे।

सनराइजर्स का तीसरा विकेट 17वें ओवर में हाइनरिक क्लासन के रूप में गिरा। उन्हें क्रुणाल पांड्या ने आउट किया। हाइनरिक क्लासन ने 24 गेंदों में दो चौके और पांच छक्के लगाते हुए 51 रन बनाये। सनराइजर्स हैदराबाद ने निर्धारित 20 ओवरों में चार विकेट पर 255 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। ईशान किशन ने 46 गेंदों में आठ चौके और तीन छक्के लगाते हुए 79 रनों की पारी खेली। वहीं पारी की आखिरी गेंद पर कैच आउट हुये।

सीएसके की टूर्नामेंट से 'शर्मनाक' विदाई, जीटी के खिलाफ मिली आईपीएल इतिहास की सबसे बड़ी हार

अहमदाबाद। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के लिए आईपीएल 2026 का अंत भी उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। गुरुवार को नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में सीएसके को गुजरात टाइटंस (जीटी) के खिलाफ 89 रनों से हार का सामना करना पड़ा, जो इस लीग में टीम की रनों के लिहाज से सबसे बड़ी हार रही। इससे पहले, सीएसके को साल 2013 में मुंबई इंडियंस के खिलाफ 60 रनों से हार का सामना करना पड़ा था, जो इस लीग में टीम की अब तक की सबसे बड़ी हार थी। गुजरात टाइटंस से मिले 230 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए सीएसके की पूरी टीम 140 रन बनाकर ढेर हो गई। संजू सैमसन अपना खाता तक खोलने में नाकाम रहे। वहीं, कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ का बल्ला इस मुकाबले में भी खामोश रहा और वह 7 गेंदों में सिर्फ 16 रन बनाकर

आउट हुए। उर्विल पटेल भी जीरो पर आउट हुए, तो मैथ्यू शॉर्ट 14 गेंदों में 24 रन बनाने के बाद कगिसो रबाडा का शिकार बने। कार्तिक शर्मा ने 15 गेंदों में 19 रनों का योगदान दिया। वहीं, डेवाल्ड ब्रेविस 8 रन ही बना पाए। शिवम दुबे ने अंत के ओवरों में 17 गेंदों में 47 रनों की आतिशी पारी खेली, लेकिन उन्हें बाकी बल्लेबाजों का साथ नहीं मिल सका। दुबे ने अपनी इस पारी में 4 चौके और चार छक्के लगाए।

बल्लेबाजों के साथ-साथ सीएसके के गेंदबाजों का प्रदर्शन भी इस मुकाबले में निराशाजनक रहा। स्पेंसर जॉनसन ने अपने 4 ओवर में सिर्फ एक विकेट लेकर 47 रन दिए। वहीं, अंशुल कंबोज एक बार फिर महंगे साबित हुए और 4 ओवर में 56 रन देकर एक विकेट ही निकाल सके। नूर अहमद को गुजरात टाइटंस के बल्लेबाजों ने खासतौर पर निशाने पर लिया, और उन्होंने 3 ओवर के स्पेल में 41 रन खर्च किए।

ऑस्ट्रेलिया से वनडे सीरीज में भिड़ने के लिए पाकिस्तान टीम का ऐलान, बाबर-रऊफ की वापसी

नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए पाकिस्तान की 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। शाहीन अफरीदी के हाथों में टीम की कमान सौंपी गई है। कंगारू टीम के खिलाफ होने वाली सीरीज के लिए कई स्टार खिलाड़ियों की वापसी हुई है। बाबर आजम, शादाब खान, नसीम शाह और हैरिस रऊफ को टीम में शामिल किया गया है। वहीं, बांग्लादेश के खिलाफ वनडे सीरीज में पाकिस्तान टीम का हिस्सा नहीं रहे सूफियान मुकीम को भी टीम में जगह दी गई है। पाकिस्तान के लिए टी20 इंटरनेशनल में खेल चुके अहमद दानियाल, अराफात मिन्हास और रोहेल नजीर को पहली बार वनडे टीम में भी मौका दिया गया है।

पीसीबी के बयान के अनुसार, बीमारी की वजह से उस्मान खान सिलेक्शन के लिए उपलब्ध नहीं थे। मुहम्मद गाजी घोरी और नजीर को दो विकेटकीपर के तौर पर टीम में

रखा गया है। पाकिस्तान की टीम शुक्रवार को ट्रेनिंग कैंप के लिए इस्लामाबाद में एकजुट होगी। पूरी तरह से फिट न होने की वजह से फखर जमां और सैम अयूब चयन के लिए उपलब्ध नहीं हैं और वह पीसीबी की मेडिकल टीम की निगरानी में अपना रिहैब पूरा कर रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया की टीम 23 मई को पाकिस्तान पहुंचेगी। तीन मैचों की वनडे सीरीज की शुरुआत 30 मई से होगी। सीरीज का पहला मुकाबला रावलपिंडी में खेला जाएगा। वहीं, दूसरा वनडे 2 जून और तीसरा और अंतिम मुकाबला 4 जून को लाहौर में खेला जाना है। पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया के बीच आखिरी बार द्विपक्षीय श्रृंखला साल 2024 में खेली गई थी, जहां पाकिस्तान ने 22 साल बाद सीरीज को 2-1 से अपने नाम किया था। ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान का आखिरी बार दौरा 2022 में किया था और इस सीरीज को भी पाकिस्तान ने 2-1 से जीता था।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए पाकिस्तान स्क्वॉड

शाहीन शाह अफरीदी (कप्तान), सलमान अली आगा (उपकप्तान), अब्दुल समद, अबरार अहमद, अहमद दानियाल, अराफात मिन्हास, बाबर आजम, हारिस रऊफ, माज सदाकत, मुहम्मद गाजी गोरी (विकेटकीपर), रोहेल नजीर (विकेटकीपर), नसीम शाह, साहिबजादा फरहान, शादाब खान, शमील हुसैन और सुफियान मोकिम।

हैम्बर्ग ओपन: डी मिनौर ने कटाया सेमीफाइनल का टिकट, डार्डेरी के खिलाफ दर्ज की आसान जीत

हैम्बर्ग। एलेक्स डी मिनौर ने हैम्बर्ग ओपन में अपनी शानदार फॉर्म को जारी रखा है। तीसरी वरीयता प्राप्त वाले ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने क्वार्टर फाइनल मुकाबले में लुसियानो डार्डेरी को हराया।

एलेक्स डी मिनौर ने लुसियानो डार्डेरी के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए 6-0, 6-3 से जीत हासिल की। डी मिनौर तीन मैच हारने के बाद हैम्बर्ग में उतरे थे, लेकिन उन्होंने उत्तरी जर्मनी में क्ले-कोर्ट इवेंट में डेब्यू करते ही वर्ल्ड नंबर 16 डार्डेरी को हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली है। डी मिनौर 2007 में पूर्व वर्ल्ड नंबर 1 लेटन हेविट के बाद हैम्बर्ग सेमीफाइनल में पहुंचने वाले पहले ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी हैं। एटीपी स्टैट्स के अनुसार, 27 साल के खिलाड़ी क्वार्टर फाइनल में जीत की वजह से एटीपी लाइव रैंकिंग में दो स्थान ऊपर चढ़कर नंबर 7 पर पहुँच गए हैं। डारडेरी को ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी के जबरदस्त खेल का कोई जवाब नहीं मिला, खासकर पहले सेट में और वह बार-बार टाइट ड्यूस गेम में पीछे रह गए।इटैलियन खिलाड़ी को अपना पहला गेम जीतने के लिए 52 मिनट लग गए और उन्होंने दूसरे सेट की अपनी पहली सर्विस में गेम जीता। इसके बाद डारडेरी ने अपने विरोधी को लंबी रैलियां खेलने पर मजबूर किया, लेकिन 1-3 पर अपने एक ब्रेक पॉइंट का फायदा उठाने में नाकाम रहे। रोथेनबाम में जोश में भरी भीड़ के बीच डारडेरी की देर से वापसी बेकार गई।

जीत के बाद डी मिनौर ने कहा, 'इस मैच के आखिरी 20 या 30 मिनट में, हालात इससे ज्यादा धीमे और भारी नहीं हो सकते थे।' डी मिनौर की सेमीफाइनल में अब भिड़ंत टॉमी पॉल से होगी। डी मिनौर, जो क्ले पर अपना पहला एटीपी टूर चैंपियनशिप-मैच खेलने की सोच रहे हैं, अब टॉमी पॉल से खेलेंगे। छठी वरीयता प्राप्त पॉल ने घरेलू दर्शकों के सामने खिताब के दावेदार माने जा रहे डेनियल अल्टमायर को 6-2, 7-5 से हराया और 1995 में पीट सम्प्रास के बाद हैम्बर्ग सेमीफाइनल में पहुंचने वाले पहले अमेरिकी बने। इसके बाद, पॉल के साथी अमेरिकी एलेक्जेंडर कोवासेविक भी अंतिम चार में पहुंच गए।

कोवासेविक ने कैमिलो उगो कैराबेली पर 6-4, 6-7(10), 6-2 से कड़े मुकाबले में जीत दर्ज की।1995 में 14 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन सैम्प्रास के बाद पहली बार दो अमेरिकी हैम्बर्ग ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे हैं।

आईएसएल 2025-26: ईस्ट बंगाल ने खत्म किया 22 साल का सूखा, इंटर काशी को हराकर जीता खिताब

कोलकाता। ईस्ट बंगाल के लिए 22 साल का लंबा इंतजार गुरुवार को खत्म हो गया। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2025-26 में ईस्ट बंगाल ने कोलकाता के किशोर भारती क्रीड़ांगन में इंटर काशी को 2-1 से हराते हुए खिताब को अपने नाम किया। इससे पहले, टीम ने अपना आखिरी बड़ा खिताब साल 2004 में जीता था। मैच की जब आखिरी सीटी बजी, तो पूरा स्टेडियम भावुक हो गया। खिलाड़ी जमीन पर गिर पड़े, फैंस हैरानी में एक-दूसरे से गले मिले और भरे हुए एरीना में 'ईस्ट बंगाल, ईस्ट बंगाल' के नारे गूंजने लगे। मोहम्मद राशिद 72वें मिनट में अहम गोल करके हीरो बने। इससे पहले, यूसुफ एज्जारी ने दूसरे हाफ की शुरुआत में गोल कर ईस्ट बंगाल की मैच में वापसी कराई और स्कोर 1-1 से बराबर किया। मैच का पहला गोल अल्फ्रेड प्लानास ने 14वें मिनट में दागकर इंटर काशी को 1-0 की बढ़त दिलाई।

इस जीत से ईस्ट बंगाल 13 मैचों में 26 प्वाइंट्स के साथ

आईएसएल टेबल में टॉप पर रहा। मोहन बागान सुपर जायंट ने स्पोर्टिंग क्लब दिल्ली के खिलाफ अपना आखिरी मैच भी 2-1 के स्कोर से जीता और प्वाइंट्स में बराबरी पर रहा, लेकिन ईस्ट बंगाल के पांच गोल के बेहतर अंतर ने आखिरकार क्लब का नेशनल लीग टाइटल का लंबा इंतजार खत्म कर दिया।

हालांकि, घरेलू दर्शक खिताबी मैच की शुरुआत में इंटर काशी द्वारा जल्दी बढ़त लेने के बाद टेंशन में नजर आए, लेकिन ईस्ट बंगाल ने मुकाबले में शानदार वापसी की। ऑस्कर ब्रुजोन की टीम ने मैच की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की। एज्जारी और मिगुएल फिगुएरा ने शुरुआत में ही दूर से शॉट लगाकर इंटर काशी के डिफेंस को परखा। हालांकि शुरुआती दबाव के बावजूद इंटर काशी ने धैर्य बनाए रखा और मजबूत डिफेंस किया। मैच के 14वें मिनट में खेल के रुख के खिलाफ जाते हुए इंटर काशी ने 1-0 की बढ़त बनाई।

डेविड मुनोज ने ईस्ट बंगाल के पेनल्टी एरिया की ओर एक लंबी गेंद भेजी और अल्फ्रेड प्लानास ने उसे पकड़ने के लिए शानदार टाइमिंग के साथ दौड़ लगाई। बिना किसी हिचकिचाहट के स्पेन के इस खिलाड़ी ने पहली ही कोशिश में शानदार वॉली लगाई, जो प्रभसुखन गिल के ऊपर से निकलकर नेट में चली गई। इसके साथ ही स्टेडियम में सन्नाटा छा गया।

हालांकि, ईस्ट बंगाल ने आठ मिनट बाद लगभग तुरंत जवाब दे दिया। बिपिन सिंह ने गोल के सामने एक टीजिंग क्रॉस दिया, और एज्जारी को बस पास से हल्का सा टच करने की जरूरत थी, लेकिन वह गेंद को क्रॉसबार के ऊपर मार बैठे। इंटर काशी ने ईस्ट बंगाल एफसी की कमजोरी का फायदा उठाते हुए लगातार दबाव बनाए रखा। अल्फ्रेड प्लानास ने ईस्ट बंगाल के डिफेंस को काफी परेशान किया। 24वें मिनट में उन्होंने अनवर अली को पीछे छोड़ते हुए टीम की बढ़त लगभग दोगुनी कर दी थी, लेकिन गोलकीपर प्रभसुखन सिंह गिल ने शानदार बचाव कर लिया।

अंडर-18 एशिया कप के लिए भारतीय महिला हॉकी टीम का ऐलान, स्वीटी कुजूर बनीं कप्तान

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने शुक्रवार को महिला अंडर-18 एशिया कप के लिए 18 सदस्यीय टीम का ऐलान किया। यह टूर्नामेंट 29 मई से 6 जून तक जापान के काकामिगाहारा में खेला जाना है। स्वीटी कुजूर के हाथों में टीम की कप्तानी सौंपी गई है। भारतीय टीम भोपाल में नेशनल कैंप में कई हफ्तों की तैयारी के बाद टूर्नामेंट में उतर रही है, जहां रानी रामपाल की अगवाई वाले कोचिंग स्टाफ ने कॉम्बिनेशन बनाने, मैच फिटनेस सुधारने और तकनीक को बेहतर बनाने पर ध्यान दिया। यह टूर्नामेंट स्वीटी कुजूर की कप्तानी वाली युवा भारतीय टीम के लिए एशिया की कुछ सबसे मजबूत टीमों के खिलाफ खुद को परखने का एक मौका होगा। तैयारियों के हिस्से के तौर पर, भारतीय टीम ने भोपाल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार मुकाबलों की सीरीज खेली, जिसे मेजबान टीम ने आत्मविश्वास बढ़ाने वाली जीत के साथ खत्म किया। पूल ए में शामिल भारतीय टीम कोरिया, मलेशिया और सिंगापुर के खिलाफ खेलेगी। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत 30 मई को मलेशिया के खिलाफ करेगी, जिसके बाद 31 मई को टीम की अगली भिड़ंत कोरिया से होगी। पूल स्टेज के आखिरी मुकाबले में भारतीय टीम 2 जून को सिंगापुर से भिड़ेगी। पूल ए और बी की टॉप दो टीमें 5 जून को होने वाले सेमीफाइनल में पहुंचेंगी, जबकि टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला 6 जून को खेला जाना है।

टूर्नामेंट के लिए फाइनल स्क्वॉड पर कमेंट करते हुए कोच रानी ने कहा, 'यह टूर्नामेंट इन युवा एथलीटों के लिए इंटरनेशनल एक्सपोजर पाने और दबाव भरे मुकाबलों की डिमांड को समझने का एक शानदार प्लेटफॉर्म है। हमने पिछले कुछ हफ्तों में फिटनेस, सामरिक संरचना और टीम के तालमेल पर बहुत ध्यान दिया है। टीम देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए उत्साहित और प्रेरित है और हमारा मकसद बिना डरे हॉकी खेलना और खिताब के लिए मजबूत चुनौती पेश करना होगा।

रोनाल्डो ने अल नासर को बनाया चैंपियन, दमैक को हराकर जीता सऊदी प्रो लीग का खिताब

नई दिल्ली। क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने गुरुवार को अल नासर को सऊदी प्रो लीग 2025-26 का खिताब जिताया। पुर्तगाल के स्टार खिलाड़ी ने दो गोल करते हुए क्लब को दमैक के खिलाफ 4-1 से जीत दिलाई। जनवरी 2023 में अल नासर से जुड़ने के बाद रोनाल्डो का यह पहला बड़ा खिताब है।

यह क्लब का 11वां लीग खिताब है, जबकि रोनाल्डो के शामिल होने के बाद अल नासर ने पहला खिताब जीता है। अल नासर ने सीजन के आखिरी मैच में अपने प्रतिद्वंद्वी अल हिलाल पर दो अंकों की बढ़त के साथ खिताब अपने नाम किया। पिछले हफ्ते ब्राजील के गोलकीपर बेंटो की स्टॉपेज टाइम में हुई गलती के कारण अल नासर घरेलू चैंपियनशिप का खिताब जीतने से चूक गया था और टीम को अल हिलाल के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ

खेलना पड़ा था। वहीं, अल नासर को एएफसी चैंपियंस लीग टू के फाइनल में गाम्बा ओसाका के खिलाफ अपने घर में हार का सामना करना पड़ा था।

हालांकि, जॉर्ज जीसस की टीम ने आखिरकार किंग सऊद यूनिवर्सिटी स्टेडियम में संघर्ष कर रही दमैक के खिलाफ शानदार खेल दिखाया। लिवरपूल के पूर्व विंगर सादियो माने ने भी अल नासर के लिए गोल दागा, जबकि एटलेटिको मैड्रिड और चेल्सी के पूर्व फॉरवर्ड जोआओ फेलिक्स गुरुवार को रोनाल्डो के साथ खेले। पहले हाफ के आखिर में माने ने अल नासर को मैच में 1-0 की बढ़त दिलाई।

वहीं, हाफ टाइम के बाद किंग्सले कोमन ने अल नासर की बढ़त को 2-0 कर दिया। इसके बाद रोनाल्डो ने अपना बेहतरीन खेल दिखाया और दो गोल करते हुए टीम की जीत पर मुहर लगा दी। रोनाल्डो ने मैच का अपना पहला गोल 60वें मिनट में फ्री किक की मदद से किया। वहीं, मैच के 81वें मिनट में उन्होंने गोलकीपर को चकमा देते हुए शानदार गोल दागा। यह इस सीजन में उनका 27वां और 28वां गोल रहा। दमैक की तरफ से एकमात्र गोल मैच के 58वें मिनट में किया गया। अल नासर का डिफेंस भी इस मुकाबले में काफी मजबूत नजर आया।

पांच बार के 'बैलन डी'ओर' विजेता रोनाल्डो को मैच खत्म होने से तीन मिनट पहले स्टैंडिंग ओवेशन (खड़े होकर तालियां बजाकर सम्मान) के बीच मैदान से बाहर ले जाया गया, जो बेहद भावुक पल था। रोनाल्डो अब पुर्तगाल, इंग्लैंड, स्पेन, इटली और सऊदी अरब में घरेलू लीग खिताब जीत चुके हैं। अब वह फीफा वर्ल्ड कप 2026 में पुर्तगाल की ओर से खेलते नजर आएंगे।

गुजरात टाइटंस का रिकॉर्ड प्रदर्शन, दर्ज की आईपीएल इतिहास में अपनी सबसे बड़ी जीत

अहमदाबाद। आईपीएल 2026 के 66वें मुकाबले में गुजरात टाइटंस (जीटी) ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को 89 रनों से हराया। यह रनों के लिहाज से जीटी की आईपीएल इतिहास की अब तक की सबसे बड़ी जीत है।

गुजरात टाइटंस ने इससे पहले इसी सीजन में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 82 रनों से जीत दर्ज की थी। मेजबान टीम के गेंदबाजों का प्रदर्शन इस मुकाबले में लाजवाब रहा। मोहम्मद सिराज और कगिसो रबाडा की गेंदों के आगे चेन्नई सुपर किंग्स के बल्लेबाजों ने आसानी से घुटने टेक दिए और पूरी टीम सिर्फ 140 रन बनाकर ढेर हो गई। सिराज ने 26 रन देकर 3 विकेट चटकाए, जबकि रबाडा ने 32 रन देकर 3 विकेट अपने नाम किए। वहीं,

राशिद खान का भी जादू चला और उन्होंने 18 रन देकर 3 विकेट झटके। 230 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी सीएसके की शुरुआत बेहद खराब रही। संजू सैमसन पहली ही गेंद पर बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। वहीं, कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ 7 गेंदों में 16 रन बनाने के बाद मोहम्मद सिराज का शिकार बने। मैथ्यू शॉर्ट अच्छी शुरुआत का फायदा उठाने में नाकाम रहे और वह 14 गेंदों में 24 रन बनाकर आउट हुए।उर्विल पटेल जीरो पर आउट हुए, तो कार्तिक शर्मा 15 गेंदों में 19 रन बनाकर रनआउट हुए। डेवाल्ड ब्रेविस 8 रन ही बना सके, तो अंशुल कंबोज ने 19 रनों का योगदान दिया। शिवम दुबे ने एक छोर से बढ़िया बल्लेबाजी करते हुए 17 गेंदों में 47 रनों की दमदार पारी खेली, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से बाकी बल्लेबाजों का साथ नहीं मिल सका। शिवम ने अपनी इस पारी में 4 चौके और चार छक्के लगाए। इससे पहले, गुजरात टाइटंस ने 20 ओवर में 4 विकेट गंवाकर स्कोरबोर्ड पर 229 रन लगाए। जीटी की शुरुआत दमदार रही और साई सुदर्शन और शुभमन गिल ने मिलकर पहले विकेट के लिए 12.2 ओवर में 125 रन जोड़े। गिल ने 37 गेंदों में 7 चौके और 3 छक्कों की मदद से 64 रन बनाए, तो सुदर्शन ने 53 गेंदों में 84 रन बनाए। वहीं, जोस बटलर ने महज 27 गेंदों का सामना करते हुए नाबाद 57 रन बनाए।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415